RNI NO.: MAHHIM/2010/41894

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net | वर्ष 14 ■ अंक 307 ■ पुणे, गुरुवार 25 सितंबर 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00 | संरक्षक : आरएन सिंह

शारदीय नवरात्रि चौथा दिन

मां कुष्मांडा

पूजा मंत्र :

या देवी सर्वभूतेषु माँ कूष्माण्डा रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

पेज-8

एक राष्ट्र, एक चुनाव : एकजुट भविष्य की ओर

पेज-4

जीएसटी रिफॉर्म से यूपी के व्यापारियों और ग्राहकों को हुआ अधिक लाभ : सीएम

पेज-6

यूएसए क्रिकेट की आईसीसी सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित

पेज-9

Short News एक नजर

वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने-हटाने का प्रोसेस बदला

नई दिल्ली। वोटर लिस्ट से नाम हटाने-जोड़ने के लिए अब ई-वेरिफिकेशन जरूरी होगा। इसके लिए चुनाव आयोग (EC) ने अपने पोर्टल और एप पर एक नया 'ई-साइन' फीचर शुरू किया है। वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, हटाने या उस पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए आवेदक के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर वन-टाइम पासवर्ड (OTP) भेजा जाएगा। इससे सुनिश्चित होगा कि आवेदन करने वाला वही व्यक्ति है, जिसका नाम या नंबर इस्तेमाल किया गया है। 23 सितंबर से पहले ई-वेरिफिकेशन जरूरी नहीं था।

मेडिकल कॉलेज में एडमिशन से पहले स्टूडेंट का सुसाइड

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के रहने वाले 19 साल के छात्र अनुराग अनिल बोरकर ने सुसाइड कर लिया। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस दिन उसे उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जाकर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कोर्स में दाखिला लेना था, उसी दिन उसने यह कदम उठाया। अनुराग चंद्रपुर के नवरगांव (सिंदेवाही तहसील) का रहने वाला था। उसने हाल ही में नीट यूजी 2025 परीक्षा में 99.99 पर्सेंटाइल मिले थे। अनुराग ने ओबीसी कैटेगरी में ऑल इंडिया रैंक 1475 हासिल की थी।

EVM के इस्तेमाल पर रोक लगाने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) पर रोक लगाने वाली याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने याचिका खारिज की। सुप्रीम कोर्ट पहले ही इस मामले में कई याचिकाएं खारिज कर चुका है।

भारत से व्यापार के लिए अमेरिका की गुहार

नई दिल्ली। अमेरिका के ऊर्जा विभाग के सचिव क्रिस राइट ने कहा कि उन्होंने भारत के विदेश मंत्री से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच सहयोग और भविष्य की दिशा पर बातचीत शुरू की है। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिका अपने सहयोगियों के साथ मिलकर नए तरीके ढूंढ़ रहा है। क्रिस राइट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप भी चाहते हैं कि यह युद्ध जल्द से जल्द खत्म हो, जिससे दुनिया में तनाव कम हो सके। उन्होंने कहा, 'मैं ऊर्जा और व्यापार सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार हूं। भारत और अमेरिका के बीच उज्जवल भविष्य है, लेकिन हमें मिलकर काम करना होगा ताकि इस युद्ध को खत्म करने के लिए रूस पर ज्यादा दबाव बनाया जा सके।'

लद्दाख में हिंसा: चार की मौत 70 घायल

■ BJP आफिस और CRPF वाहन को लगाई आग ■ लेह शहर में लगा कर्फ्यू

महानगर नेटवर्क

लद्दाख

लद्दाख में बुधवार को राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर चल रहा विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया। लेह में हुए इस प्रदर्शन में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 70 से अधिक लोग घायल हो गए। हालात बिगड़ने पर प्रशासन ने शहर में कर्फ्यू लगा दिया और पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया। प्रदर्शन के दौरान स्थानीय भाजपा कार्यालय और एक सुरक्षा वाहन में आग लगा दी गई। हालात काबू में करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। इसके बाद भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 163 के तहत पूरे लेह में कर्फ्यू लागू कर दिया गया। अब कोई भी रैली, जुलूस या मार्च बिना लिखित अनुमति के नहीं निकाला जा सकता।

यह आंदोलन लेह एपेक्स बॉडी (LAB) की युवा शाखा द्वारा

आयोजित किया गया था। लद्दाख, जो पहले जम्मू-कश्मीर राज्य का हिस्सा था, 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटने के बाद केंद्र शासित प्रदेश बना था। तब इसका स्वागत किया गया था, लेकिन अब वहां राज्य के दर्जे की मांग तेज हो गई है। हालांकि, केंद्र सरकार ने 6 अक्टूबर को लद्दाख के प्रतिनिधियों को बातचीत के लिए बुलाया है। अब सोनम वांगुचक ने अपना अनशन तोड़ दिया है।

लेह हिंसा के पीछे कांग्रेस की साजिश

भाजपा नेता संबित पात्रा ने लेह में बुधवार को हुए प्रदर्शनों को लेकर कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन प्रदर्शनों को जेन-जी युवाओं द्वारा बताया गया, लेकिन जांच में सामने आया कि इसके पीछे कांग्रेस का हाथ है। संबित पात्रा ने कहा कि लेह के अपर वार्ड से कांग्रेस पार्षद स्टैंजिंग त्सेपांग इन प्रदर्शनों के मुख्य भड़काऊ व्यक्ति हैं।

ये जेन-जी क्रांति

सोनम वांगचुक ने शांति की अपील करते हुए युवाओं से 'यह बकवास बंद करने' का आग्रह करते हुए कहा कि हिंसा केवल उनके उद्देश्य को नुकसान पहुंचाती है। 'एक्स' पर एक वीडियो साझा करते हुए, वांगचुक ने लिखा, 'लेह की घटनाओं से बहुत दुखी हूं। शांतिपूर्ण मार्ग का मेरा संदेश आज विफल हो गया। मैं युवाओं से अपील करता हूं कि कृपया यह बकवास बंद करें। इससे केवल हमारे उद्देश्य को नुकसान पहुंचता है।' वीडियो में, वांगचुक ने युवाओं से हिंसा का रास्ता न अपनाने की अपील की और कहा कि इससे लद्दाख के अधिकारों के लिए उनके प्रयास निरर्थक हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि दो लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की घटना ने व्यापक आक्रोश को जन्म दिया। उन्होंने सरकार से लद्दाख के प्रति अधिक संवेदनशील होने और उनकी मांगों

को स्वीकार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'आज, हमारे अनशन के 15वें दिन, मुझे यह बताते हुए गहरा दुख हो रहा है कि लेह शहर में व्यापक हिंसा और तोड़फोड़ हुई। कई कार्यालयों और पुलिस वाहनों में आग लगा दी गई। कल, यहां 35 दिनों से अनशन कर रहे दो लोगों को बेहद गंभीर हालत में अस्पताल ले जाना पड़ा। इससे व्यापक आक्रोश फैल गया और आज पूरे लेह में पूर्ण बंद की घोषणा कर दी गई। हजारों युवा बाहर निकले। कुछ लोग सोचते हैं कि वे हमारे समर्थक थे। पूरा लेह हमारा समर्थक है, लेकिन यह जेनरेशन Z (जेन-जी) की क्रांति थी।

पहलगाम हमला

आतंकियों का मददगार मोहम्मद कटारिया गिरफ्तार

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में आतंकवादियों की मदद करने वाले शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस शख्स की पहचान दक्षिण कश्मीर के मो. यूसुफ कटारिया के रूप में की गई है, जिसने 22 अप्रैल को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों की मदद की थी। श्रीनगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया और फिर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मोहम्मद कटारिया भी है आतंकी

मोहम्मद यूसुफ कटारिया लश्कर-ए-तैयबा (टीआरएफ) का आतंकी है, जिस पर बैसरन की घाटी में 26 लोगों की हत्या में शामिल आतंकवादियों की सहायता पहुंचाने का आरोप है।

पुलिस ने बताया, ऑपरेशन महादेव के दौरान बरामद हथियारों और अन्य सामानों का विश्लेषण के बाद यह गिरफ्तारी की गई है। हमारी जांच में ये पुष्टि हुई है कि

आतंकवादियों की आवाजाही में मदद और सुविधा प्रदान करने में कटारिया की अहम भूमिका थी। अधिकारियों ने इस घटनाक्रम को दक्षिण कश्मीर में आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता बताया। कटारिया के सहयोगियों की पहचान करने और लश्कर-ए-तैयबा (टीआरएफ) से जुड़े नेटवर्क को तबाह करने के लिए आगे की जांच जारी है। पुलिस ने आतंकी मॉड्यूल को कमजोर करने और जम्मू-कश्मीर में शांति सुनिश्चित करने के लिए अभियान तेज करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मोहम्मद यूसुफ कटारिया पहलगाम में संविदा पर काम करता था और स्थानीय बच्चों को पढ़ाता था। कुछ महीने पहले ही वह आतंकियों के संपर्क में आया और उनकी मदद करने लगा।

X को बड़ा झटका, भारत में काम करने के लिए कानून का पालन करना होगा

महानगर नेटवर्क

बेंगलुरु

कर्नाटक हाईकोर्ट ने बुधवार को इलॉन मस्क की कंपनी X की केंद्र सरकार के खिलाफ याचिका खारिज कर दी। जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने कहा कि सोशल मीडिया कंटेंट को नियंत्रित करना बहुत जरूरी है, खासकर उन मामलों में जो महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 19) नागरिकों का अधिकार है, लेकिन इस पर कुछ सीमाएं भी लागू होती हैं। अमेरिका के कानूनों और फैसलों को भारत के संविधान पर सीधे लागू नहीं किया जा सकता।

X ने मार्च में भारत सरकार के खिलाफ याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया था कि भारत सरकार के अफसर X पर कंटेंट ब्लॉक कर रहे हैं, यह IT एक्ट की धारा 79(3)(B) का गलत इस्तेमाल है।

सोशल मीडिया कंपनी का कहना है कि अगर कंटेंट इतनी आसानी से हटने लगें तो वे यूजर्स का भरोसा खो देंगे, जिससे कंपनी के कारोबार पर असर पड़ेगा। वहीं, केंद्र ने कहा कि अवैध कंटेंट को हटाना जरूरी है।

केंद्र सरकार ने कोर्ट में कहा कि अवैध या कानून के खिलाफ कंटेंट को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बराबर संरक्षण नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि भारत में काम करने के लिए कानून का पालन करना होगा।

रेलवे कर्मचारियों को 78 दिन के बोनस का ऐलान

नई दिल्ली। रेलवे कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। सरकार ने रेलवे कर्मचारियों के लिए बोनस का ऐलान कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दशहरा और दिवाली की छुट्टियों से पहले बुधवार को रेलवे कर्मचारियों के लिए 1,866 करोड़ रुपये के प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस (PLB) को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह बोनस उनके 78 दिनों के वेतन के बराबर है। बता दें कि देश भर के लगभग 11 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारियों को फायदा होगा। इससे पहले पिछले साल 3 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11.72 लाख से अधिक रेल कर्मचारियों के लिए उत्पादकता से जुड़े बोनस के भुगतान को मंजूरी दी थी। सरकार के बयान के मुताबिक, यह बोनस लगभग 10.90 लाख कर्मचारियों को दिया जाएगा। रेलवे कर्मचारियों को दिया जाने वाला यह बोनस हर साल उनके उत्पादकता और प्रदर्शन से जुड़ा होता है।

CBSE 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 17 फरवरी से

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से होंगी। यह पहली बार है जब कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं एक शैक्षणिक सत्र में दो बार होंगी। सीबीएसई परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, पहली परीक्षा 17 फरवरी से 6 मार्च, 2026 तक होगी। जबकि दूसरी बार

परीक्षा 15 मई से 1 जून तक होंगी। उन्होंने कहा कि कक्षा 12वीं की परीक्षा 17 फरवरी से 9 अप्रैल, 2026 तक होगी।

नए एग्जाम पैटर्न की 3 अहम बातें

- दूसरी परीक्षा यानी ऑप्शनल एग्जाम में छात्रों को साइंस, मैथमेटिक्स, सोशल साइंस और लैंग्वेजेस में से किन्हीं 3 सब्जेक्ट में अपनी परफॉर्मेंस सुधारने की इजाजत दी जाएगी।
- विंटर बाउंड स्कूलों (सर्दियों में बंद रहने वाले स्कूल) के छात्रों को दोनों परीक्षाओं में से किसी में भी बैठने की इजाजत होगी।
- अगर कोई छात्र पहली परीक्षा में 3 या अधिक सब्जेक्ट्स में शामिल नहीं हुआ है, तो उसे दूसरी परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जम्मू-कश्मीर की चार राज्यसभा सीटों पर चुनाव की घोषणा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में 4 राज्यसभा सीटें 2021 से ही खाली चल रही हैं। अब तक इन पर चुनाव नहीं हो पाया था, लेकिन अब इंतजार खत्म हो रहा है। चुनाव आयोग ने बुधवार को घोषणा की है कि केंद्र शासित प्रदेश की सभी 4 राज्यसभा सीटों पर 24 अक्तूबर को चुनाव होगा। संयुक्त जम्मू-कश्मीर में भी 4 ही राज्यसभा सीटें थीं और जब पुनर्गठन हुआ तो सभी को उसके साथ ही रखा गया। वहीं लद्दाख में कोई विधानसभा नहीं है और वह चंडीगढ़ की तरह एक केंद्र शासित प्रदेश भर है। विधानसभा ना होने के चलते वहां राज्यसभा की सीट भी नहीं है। यहां पर लंबे समय से लद्दाख और लेह के रूप में दो सीट की मांग की जा रही है।

आरक्षण की 50 फीसदी दीवार तोड़ेंगे राहुल

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन ने अति पिछड़ा समाज के लिए संकल्प पत्र जारी किया है। इसमें आरक्षण और जातीय जनगणना पर फोकस किया गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पटना में कहा कि वह आरक्षण की 50 फीसदी की दीवार तोड़ देंगे। उन्होंने सरकारी ठेकों में 50 फीसदी आरक्षण देने की बात कही है।

बिहार में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, 'वोटर अधिकार यात्रा बहुत सफल रही। हमने लोगों को बताया कि कैसे संविधान खतरे में है और लोगों के अधिकार चुराए जा रहे हैं। अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आया तो वह आरक्षण की 50 फीसदी सीमा को खत्म कर देगा। इंडिया गठबंधन अति पिछड़ा वर्गों के लिए निजी संस्थानों और 25 करोड़ रुपये से अधिक के सरकारी ठेकों (निविदाओं) में आरक्षण सुनिश्चित करेगा।'

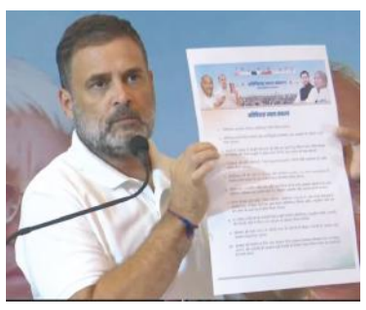

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने राहुल पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें उकसाने वाले बयान देने से बचना चाहिए। राहुल गांधी उत्तर प्रदेश की तरफ ध्यान खींचने की कोशिश कर रहे हैं। वो कहते हैं कि जाति आधारित आंदोलन नहीं होने दिए जाते, लेकिन उनके पिता जातिविहीन समाज चाहते थे और अब ये जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं। संबित पात्रा ने आगे कहा कि अगर गरीबों को संविधान के अनुसार उनके अधिकार मिल रहे हैं तो आंदोलन की जरूरत

राहुल गांधी हाइड्रोजन-यूरेनियम बम फोड़ने वाले हैं

आजादी के बाद पहली बार यानी 24 सितंबर को पटना में कांग्रेस वर्किंग कमेटी (CWC) की बैठक हुई। इस मीटिंग में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत कांग्रेस से सीनियर लीडर मौजूद रहे। बैठक करीब साढ़े 4 घंटे तक चली। मीटिंग के बाद कांग्रेस नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि, 'तेलंगाना में सितंबर 2023 में ऐसी ही CWC की मीटिंग हुई थी और 2 महीने के अंदर कांग्रेस की सरकार बनी थी। राहुल गांधी के नेतृत्व में वोट चोरी के खिलाफ अभियान चला, वो अभियान जारी रहेगा। आगे एक महीने में राहुल गांधी मिनी हाइड्रोजन बम, हाइड्रोजन बम, यूरेनियम बम सहित अलग-अलग बम फोड़ने वाले हैं।'

क्या है? राहुल गांधी कभी हाइड्रोजन की बात करते हैं, कभी यूरेनियम बम की। उन्हें ऐसे भड़काऊ बयान नहीं देने चाहिए।

'भारत उभरती हुई ताकत उसे चीन-रूस जैसा न मानें'

हेलसिंकी। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने कहा है कि भारत उभरती हुई महाशक्ति है। उसे रूस और चीन की तरह नहीं माना जा सकता। स्टब ने हेलसिंकी सिक्योरिटी फोरम 2025 की बैठक में पश्चिमी देशों को दिल्ली के साथ और गहरे संबंध बनाने के लिए कहा। स्टब ने रूस-यूक्रेन जंग को खत्म करने में भारत की अहम भूमिका पर भी जोर दिया। फोरम 2025 में बोलते हुए स्टब ने कहा, मैंने पीएम मोदी से यूक्रेन के हालात पर बात की है। भारत का इसमें भू-राजनैतिक हित है, इसलिए हमें उन्हें शांति प्रयासों में शामिल करना होगा। स्टब ने कहा है कि यूक्रेन में शांति प्रक्रिया की शुरुआत युद्धविराम से होनी चाहिए। इसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बैठक की औपचारिक तारीख तय होनी चाहिए।

यौन शोषण का केस

चैतन्यानंद के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने यौन उत्पीड़न के मामले में आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) अमित गोयल ने बताया कि आरोपी देश छोड़कर भागने ना पाए इसके लिए उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया है। पुलिस की कई टीमें दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में आरोपी को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही हैं।

यह मामला तब सामने आया जब एक प्राइवेट मैनेजमेंट संस्थान की कई छात्राओं ने सरस्वती पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। पीड़िताओं का कहना है कि स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उन्हें अपने कमरे में बुलाता था। उनके नंबर कम करने या उन्हें फेल करने की धमकी देता था। कुछ छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी ने उनको विदेश यात्राओं का प्रलोभन भी दिया।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, आरोपी दक्षिण-पश्चिम दिल्ली स्थित श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान की प्रबंधन समिति का सदस्य है। यह पहली बार नहीं है जब उस पर ऐसे आरोप लगे हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी के खिलाफ 2009 में डिफेंस कॉलोनी पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी और छेड़खानी का केस दर्ज किया था। साल 2016 में वसंत कुंज पुलिस स्टेशन में भी छेड़छाड़ की एक शिकायत दर्ज की गई थी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कई टीमें दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में छापेमारी कर रही हैं। जगह-जगह छापेमारी के बावजूद आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है। पुलिस को पता चला है कि 50 से ज्यादा छात्राओं के फोन से बाबा के साथ की चैट डिलीट कर दी गई हैं। इस मामले में तीन वार्डनों के बयान दर्ज किए गए हैं। इन पर आरोप है कि उन्होंने आरोपी के कहने पर छात्राओं के फोन से चैट हटाई।

'I Love Muhammad' vs 'I Love Mahadev'

आस्था की आग भड़की, हिंदू-मुस्लिम आमने-सामने, सरकारें अलर्ट

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली/लखनऊ/वाराणसी

एक बैनर से शुरू हुआ विवाद अब पूरे देश में धर्म और राजनीति की नई लड़ाई बन गया है। कानपुर के रावतपुर गांव में 4 सितंबर को 'I Love Muhammad' का इलेक्ट्रिक बोर्ड लगाया गया था। ईद मिलाद-उन-नबी की शोभायात्रा में पहली बार ऐसा बोर्ड लगा। उसी वक्त यह बहस उठी कि क्या यह 'नई परंपरा' है। स्थानीय हिंदू संगठनों ने इसे तुरंत चुनौती दी। हिंदुओं का आरोप था कि उनके धार्मिक पोस्टर फाड़े गए। मुस्लिम पक्ष का कहना था कि पैगंबर

मोहम्मद से मोहब्बत जताने में किसी को दिक्कत क्यों है। पुलिस ने विवादित बोर्ड हटवाया, लेकिन चिंगारी अब शोला बन चुकी थी।

FIR और गिरफ्तारी से भड़का मुस्लिम पक्ष

9 सितंबर को पुलिस ने 24 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया। आरोप लगे कि बोर्ड सांप्रदायिक उकसावे के लिए लगाया गया था। नौ लोग नामजद, पंद्रह अज्ञात। धाराएं लगीं- नफरत फैलाने और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की। मुस्लिम पक्ष ने कहा कि यह उनके धार्मिक अधिकारों का हनन है।

इसके बाद आग भड़क गई। बरेली में जुमे की नमाज के बाद मौलाना खुरशीद आलम ने मुसलमानों से अपील की- घरों पर 'I Love Muhammad' के पोस्टर लगाओ। मुंबई के मुम्ब्रा में बारिश के बावजूद रैलियां हुईं। हैदराबाद के नामपल्ली गार्डन में प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए। नागपुर के मोमिनपुरा और उत्तराखंड के काशीपुर में हिंसा तक हो गई।

इसी बीच हिंदू संगठनों ने पलटवार किया। ट्विटर (X) पर # I LoveRam, # I Love Mahadev, # I Love Hanuman ट्रेंड करने लगे। हजारों यूजर्स ने प्रोफाइल पिक्चर बदली। पोस्टर बनाए। वायरल मैसेज आया।

विस्तृत पेज 7 पर

गडकरी बोले: सरकार को किसानों का समर्थन करने की जरूरत

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सरकार को उन किसानों का समर्थन करने की जरूरत है जिन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिलता क्योंकि फसलों की कीमतें वैश्विक कारकों से निर्धारित होती हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को यह बात कही।

'भारत जैव-ऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो के दूसरे संस्करण' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चीनी की कीमत ब्राजील, तेल की कीमत मलेशिया, मक्का की कीमत अमेरिका और सोयाबीन की कीमत अर्जेंटीना की ओर से निर्धारित होती है। मंत्री ने कहा, 'हम ग्रामीण और आदिवासी भारत में गरीबी और बेरोजगारी की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, क्योंकि किसानों को वैश्विक अर्थव्यवस्था में अच्छी कीमतें नहीं मिल रही हैं।' गडकरी ने कहा कि भारत की 65 प्रतिशत आबादी कृषि गतिविधियों में लगी हुई है। लेकिन देश के सकल घरेलू उत्पाद में उनका योगदान केवल 14 प्रतिशत है।

उन्होंने कहा, 'इसलिए, इस परिदृश्य में, हमारी ग्रामीण कृषि और जनजातीय अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए, हमें कृषि को समर्थन देने की आवश्यकता है... जो उपभोक्ता, देश और आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है।'

...नहीं थम रहा है यूबीटी में मची भगदड़ का सिलसिला

रवींद्र चव्हाण ने पदाधिकारियों का पार्टी में किया स्वागत

मुंबई। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद उद्धव ठाकरे की पार्टी यूबीटी में लगातार भगदड़ मचा हुआ है। एक के बाद एक नेता, पदाधिकारी और पूर्व नगरसेवक शिंदे सेना और दूसरे पार्टी में शामिल हो रहे हैं। इसी कड़ी में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की उपस्थिति में यूबीटी के बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए। बुधवार को मुंबई के विले पार्ले पूर्व स्थित जिंजर होटल में भारतीय कामगार सेना के सभी कार्यकर्ताओं ने यूबीटी का साथ छोड़कर भाजपा की अखिल भारतीय कामगार संघ में शामिल हो गए। रवींद्र चव्हाण पार्टी में शामिल हुए पदाधिकारियों का स्वागत किया। इस मौके पर रवींद्र चव्हाण ने कहा कि पहले होटल संगठनों पर एक पार्टी का एकाधिकार हुआ करता था। लेकिन अब, यह एहसास होने के बाद कि केवल भारतीय जनता पार्टी ही मजदूरों के हितों की सेवा कर सकती है, सैकड़ों मजदूर भाजपा में शामिल हो गए हैं, आने वाले दिन में अन्य होटलों के मजदूर भी जल्द ही भाजपा में शामिल होंगे। मुंबई मनपा चुनाव जीतने और एक बार फिर मुंबई मनपा पर अपना महापौर बनाने का यूबीटी दावा कर रही है.मनपा का चुनाव जीतने के लिए उद्धव की सेना ने जोरशोर से चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है लेकिन चुनाव के तैयारी के बीच एक के बाद एक नेता,पदाधिकारी और कार्यकर्ता लगातार यूबीटी का साथ छोड़कर दूसरे पार्टी में शामिल हो रहे है। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओ केछोड़ने से यूबीटी कमजोर हो रही है।

'आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान'

जनभागीदारी से राष्ट्र निर्माण को गति देने का संकल्प : प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में "आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान" देशभर में शुरू हो रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती (25 सितम्बर) से लेकर भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जयंती (25 दिसम्बर) तक यह अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य हर भारतीय को स्वदेशी संकल्प से जोड़ना, जनभागीदारी के माध्यम से राष्ट्रनिर्माण को गति देना और "वोकल फॉर लोकल" का संदेश घर-घर तक पहुँचाना है, ऐसा प्रतिपादन भाजपा महाराष्ट्र के प्रदेशाध्यक्ष एवं डोंबिवली के विधायक रविंद्र चव्हाण ने डोंबिवली में किया। "नमो रमो" जो कि महाराष्ट्र का सबसे बड़ा गरबा आयोजन स्थल है, वहाँ

"घर-घर स्वदेशी" का संदेश देने वाले महाकाय आकाश गुब्बारे का अनावरण इस अवसर पर चव्हाण के हाथों किया गया। "आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान" के अंतर्गत राष्ट्रीय, राज्य, जिला और मंडल स्तर पर कार्यशालाएं, महिला एवं युवा सम्मेलन, व्यापारी एवं उद्योग परिषद, स्वदेशी मेले तथा "आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ" जैसे विभिन्न कार्यक्रम देशभर में आयोजित किए जाएंगे। किसान, महिला, युवा, कारीगर, छोटे दुकानदार, स्वयंसेवी संस्थाएँ, शैक्षणिक क्षेत्र तथा व्यापारी और उद्योग क्षेत्र इसमें सक्रिय भागीदारी करेंगे। "घर-घर स्वदेशी" की भावना से स्वदेशी उत्पादों का प्रसार, लघु उद्योगों को प्रोत्साहन और स्थानीय उद्यमियों को सहयोग देना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रहेगा, ऐसा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने बताया।

■ इस उपक्रम के अंतर्गत हर जिले में जनजागृति अभियान, प्रतियोगिताएं, परिसंवाद, स्वदेशी मेले तथा सोशल मीडिया पर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। "मैं केवल स्वदेशी अपनाता हूं" यह संकल्प जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, युवा और महिलाएं लेंगे, ऐसा उन्होंने कहा। इस अवसर पर #GharGharSwadeshi, #AtmanirbharBharat और #VocalForLocal इन हैशटैग्स के माध्यम से इस आंदोलन को डिजिटल शक्ति दी जाएगी। इस अवसर पर भाजपा कल्याण जिलाध्यक्ष नंदू परब, भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अनुसूचित जाति मोर्चा सरचिटणीस शशिकांत कांबळे, मंडल अध्यक्ष मितेश पेणकर, श्री करण जाधव, धनाजी पाटील, सौ. प्रिया जोशी, शक्तिवान भोईर, रितेश फडके, श्री पवन पाटील, लक्ष्मण पंत, परेश तेलंगे, विश्वजीत करंजुले, श्री नितेश म्हात्रे, श्री स्वप्निल काटे, सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कूपर अस्पताल में अब पेट की बीमारियों का भी होगा इलाज

मुंबई। विलेपार्ले स्थित डॉ. आर. एन. कूपर अस्पताल में बुधवार से 'पेट विकार' (गैस्ट्रोएंटरोलॉजी) बाह्यरुग्ण विभाग (ओपीडी) शुरू किया गया। मनपा के उपनगर की पहली अस्पताल है जिसमें पेट की बिमारी का भी अब इलाज संभव हो सकेगा। कूपर अस्पताल में मरीजों के लिए मनपा ने ओपीडी की शुरुआत की है। कूपर अस्पताल में शुरू की गई ओपीडी का उद्घाटन बुधवार को नायर अस्पताल के अधिष्ठाता और कूपर अस्पताल पर्यवेक्षकीय समिति के सदस्य डॉ. शैलेश मोहिते ने किया। औषध वैद्यक विभाग की प्रमुख डॉ. नीलम रेडकर ने इसके लिए विशेष प्रयास किए। ओपीडी हर बुधवार दोपहर 1 से 3 बजे तक मरीजों के लिए खुली रहेगी। इसमें डॉ. जयंत बर्वे और डॉ. शोभना भाटिया को मानद विशेषज्ञ नियुक्त किया गया है। डॉ. बर्वे पेट और आंतों की बीमारियों के इलाज में चार दशकों का अनुभव रखते हैं जबकि डॉ. भाटिया केईएम अस्पताल की पूर्व विभाग प्रमुख रह चुकी हैं। इनके अनुभव का लाभ मरीजों को मिलेगा। बदलती जीवनशैली और खानपान की आदतों के कारण यकृत, पेट और आंतों की बीमारियां बढ़ रही हैं। एंडोस्कोपी के जरिए इनका निदान करना अब और आसान होगा। इस सेवा से मरीजों को राहत मिलेगी और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को विशेषज्ञ डॉक्टरों के मार्गदर्शन में नई तकनीक सीखने का अवसर मिलेगा।

13 स्थानों पर बन सकते हैं कबूतरखाना

मुंबई के शहरी वार्ड में जगह नहीं

मुंबई। क़ाबूतरखाना के लिए जगह खोजने में जुटी मनपा को मुंबई के उपनगर में 13 जगहों पर कबूतरखाना बनाने की जगह उपलब्ध हो पाई है। मुंबई के शहरी इलाकों में एक भी जगह पर कबूतरखाना के लिए जगह नहीं होने की जानकारी मनपा सहायक आयुक्तों ने दी। मनपा आयुक्त के निर्देश पर मुंबई के 25 वार्ड के सहायक आयुक्तों से कबूतरखाना के लिए जानकारी मांगी गई थी। बता दें कि दादर कबूतरखाना सहित मुंबई के रहिवासी इलाकों में बने कबूतरखाना को लेकर फ़ैल रही बीमारियों की शिकायत के बाद हाईकोर्ट के निर्देश पर रहिवासी इलाकों के कबूतरखाने बंद कर दिए गए। कोर्ट ने रहिवासी

इलाकों से दूर कबूतरखाना बनाने की सलाह दी थी। मनपा प्रशासन मुंबई में रहवासी इलाकों से 500 मीटर दूर कबूतरखाना बनाने के लिए जगह खोज रही थी। मनपा प्रशासन ने मुंबई के सभी 25 वार्डों के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे ऐसे स्थान तलाशें जहां भीड़ भाड़ से दूर कबूतरों को दाना खिलाने की अनुमति दी जा सके। मनपा अधिकारियों को इसके लिए गूगल शीट भी साझा की गई थी। मनपा सहायक आयुक्तों ने मुंबई में 13 जगहों पर कबूतरखाना बनाने की सलाह दी है जिसमें सभी कबूतरखाना उपनगर इलाकों में है। मुंबई के शहरी भाग में कबूतरखाना खाना बनाने की जगह उपलब्ध होने की जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि कैबिनेट मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में एक निर्धारित कबूतरखाना शुरू किया है। मनपा सहायक आयुक्तों से आये सुझावों की जानकारी मुंबई हाईकोर्ट से साझा करेगी और कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद इन स्थानों पर कबूतरखाना शुरू करने पर निर्णय लेगी। इस तरह की जानकारी मनपा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी।

शिवसेना उद्धव गुट-मनसे में गठबंधन की बातें आगे बढ़ी

सीटों के बंटवारे पर होने लगी चर्चा

मुंबई। स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों में शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के गठबंधन की संभावना बढ़ रही है। इस संबंध में आधिकारिक घोषणा दिवाली के समय हो सकती है। इस बीच मुंबई के समान और उपनगर क्षेत्रों में 60-40 के फॉर्मूले पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल रही है। ठाणे और कल्याण-डोंबिवली नगरपालिकाओं के लिए अलग फॉर्मूला लागू किया जाएगा।

मुंबई महापालिका का चुनाव उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे दोनों के लिए प्रतिष्ठा का मामला माना जाता है। दोनों नेताओं ने अपने-अपने दल के पदाधिकारियों को मुंबई के वार्डों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। मुंबई में कुल 227 वार्ड हैं, जिनमें से 147 पर उद्धव सेना का दावा है। मनसे को 80 वार्ड छोड़ने की तैयारी दिख रही है, जबकि मनसे ने 95 वार्डों पर अपनी मांग रखी है। 2017 के मनपा चुनाव में मनसे के 7 नगरसेवक चुनकर आए थे। वहीं 2012 के चुनाव में मनसे के 28 नगरसेवक चुनकर आए थे। मनसे के लिए यह सबसे बड़ी उपलब्धि थी। वर्तमान में उद्धव सेना के 3 सांसद और 10 विधायक हैं। 2017 में शिवसेना और भाजपा ने स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा था। उस समय शिवसेना को 84 और भाजपा के 82 नगरसेवक चुनकर आए थे।

भूपेंद्र ने शुरू किया "मेरा मिट्टी, मेरी थाली" अभियान

पालघर के गोवर्धन इको विलेज में पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत

मुंबई। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने आदिवासी बहुल पालघर जिले के गोवर्धन इको विलेज (जीईवी) में "मेरा मिट्टी-मेरी थाली" अभियान का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम स्थानीय भोजन और पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इस्कॉन की इस पहल का स्वागत करते हुए यादव ने कहा कि सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन की है। जमीन का बंजर होना, जैव विविधता में कमी का खतरा बना हुआ है। ऐसे में मिशन लाइफ के तहत आचार-व्यवहार से हम कार्बन फुट प्रिंट कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार व्यापक खाद्य सुरक्षा रणनीति के तहत मोटे अनाज

(मिलेट) को प्रोत्साहन देने में लगी हुई है। "मेरा मिट्टी, मेरी थाली" अभियान स्थानीय, मौसमी और पारंपरिक खाद्य पदार्थों को फिर से आम लोगों से जोड़ने का काम करेगा। इसे पालघर जिले में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया है। इसके तहत स्थानीय लोगों, महिलाओं और बच्चों को जागरुकता कार्यक्रम और पोषण महोत्सव के जरिए स्थानीय फसलों और व्यंजनों से अवगत कराया जाएगा। गोवर्धन इको विलेज वाले आगंतुक गोविंद रेस्टोरेंट में मदन मोहन थाली के माध्यम से क्षेत्रीय पारंपरिक व्यंजनों का अनुभव भी ले सकते हैं।

गोवर्धन इको विलेज (जीईवी) के निदेशक गौरांग दास ने कहा कि भोजन केवल पोषण का माध्यम नहीं है, यह पहचान, पारिस्थितिकी, समानता और चेतना से जुड़ा है। वर्ल्ड वाइल्ड फंड के अनुसार वैश्विक खाद्य प्रणाली संकट में है। खाद्य उत्पादन वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का 25 प्रतिशत से अधिक योगदान देता है।

मनपा की लापरवाही का 'फव्वारा'

विरार। वसई विरार शहर के प्रमुख चौराहों को सुंदर बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करके लगाए गए फव्वारे अब महापालिका की लापरवाही के कारण रिक्शा और कपड़े धोने के काम आ रहे हैं। विरार में विवांता होटल के पास के चौक पर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ रिक्शा चालक फव्वारे के कुंड में भरे पानी से अपनी गाड़ियाँ धो रहे हैं। इस घटना ने सार्वजनिक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय नेता और पूर्व स्थायी समिति के सदस्य किशोर पाटील ने इस स्थिति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि इन संरचनाओं के रखरखाव के लिए 4 करोड़ 50 लाख रुपये खर्च करने की योजना थी, फिर भी इनकी हालत इतनी खराब क्यों है? पाटील ने इस बड़े खर्च की जाँच और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। 'शहर सौंदर्यीकरण व स्वच्छता स्पर्धा 2022' के तहत महापालिका ने 32 करोड़ रुपये के फंड से 14 चौराहों पर फव्वारे और अन्य सौंदर्यीकरण कार्य करवाए थे।

मुंबई में अवैध बैनर पोस्टर की भरमार

मुंबई। इस समय त्यौहार का सीजन होने और मनपा चुनाव की तैयारी भी शुरू होने से मुंबई में चारों ओर अवैध होर्डिंग और बैनर पोस्टर से पटी पड़ी है। हालत यह है कि लोगों को पैदल चलना मुश्किल हुआ है। मनपा प्रशासन ने गणेशोत्सव के बाद 7 से 12 सितंबर के बीच शहर भर से 11,563 अवैध पोस्टर और बैनर हटाए। इनमें से आधे से अधिक राजनीतिक थे, जिनमें 1,631 बैनर, 622 बोर्ड और 13 पोस्टर शामिल थे। हालांकि इतनी बड़ी कार्रवाई के बावजूद केवल 28 मामलों की शिकायत पुलिस को भेजी गई। मनपा का कहना है कि अवैध होर्डिंग और बैनर पोस्टर पर कार्रवाई लगातार चल

रही मुहिम का हिस्सा है। अप्रैल से जुलाई तक, लाइसेंस विभाग ने पहले ही 20,345 अवैध पोस्टर और बैनर हटाए थे, जिनमें 48% राजनीतिक थे। लाइसेंस सुपरिंटेंडेंट अनिल काटे ने बताया कि यह अभियान गणेश चतुर्थी समाप्त होने के एक दिन बाद शुरू हुआ और इसमें कानूनी और अवैध दोनों प्रकार के बैनर शामिल थे। "कानूनी बैनर को उत्सव के दौरान अनुमति मिली थी, लेकिन उत्सव के बाद इन्हें हटाया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा एक मामले में हमारे कर्मचारियों को हटाने में विरोध का सामना करना पड़ा, जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया । नागरिकों ने अवैध पोस्टरों से होने वाले खतरे और असुविधा की चिंता जताई। महिम के मुश्ताक अंसारी ने कहा कि कई बैनर ट्रैफिक सिग्नल ब्लॉक करते हैं या कमजोर तरीके से लगाए जाने के कारण गिर सकते हैं, खासकर समुद्र की हवा वाले क्षेत्रों में मलाबार हिल की पेरवीन सांगवी ने बताया कि एक अवैध बैनर फुटपाथ को बंद कर देता है जिससे लोग सड़क पर चलने के लिए मजबूर होते हैं। सायन के जी.आर. वोरा ने कहा कि मनपा चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक कार्यकर्ता अपने वरिष्ठों को खुश करने के लिए अवैध पोस्टर लगाते हैं, जिससे शहर का दृश्य प्रदूषित होता है और प्लास्टिक कचरे में वृद्धि होती है।

विवरण

राजनीतिक : 2,266
धार्मिक : 7,887
वाणिज्यिक : 381
दीवारों पर छेड़छाड़ : 20
झंडे : 1,009

किए गए कार्य:

मनपा एक्ट (1888) के तहत अभियोजन : 26
पुलिस को पत्र भेजे गए : 28

मुंबई कांग्रेस में जल्द बड़ा बदलाव

मुंबई। आगामी मुंबई मनपा चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ और विरोधी दल ने पूरी ताकत के साथ चुनाव की तैयारी में जुट गई है। इसी कड़ी में मुंबई कांग्रेस पार्टी ने संगठन में बड़ा बदलाव करने का निर्णय लिया है। आने वाले एक सप्ताह के भीतर मुंबई कांग्रेस अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा करेगी। सूत्रों से ऐसी जानकारी मिली है। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद मुंबई मनपा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड़ ने संगठन में बदलाव करने का मन बनाया है। जानकारी के अनुसार जिला से लेकर तालुका और ब्लॉक अध्यक्ष को लेकर पार्टी की तरफ से प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। एक सप्ताह के भीतर वर्षा गायकवाड़ नई कार्यकारिणी की घोषणा करेंगी। मुंबई मनपा चुनाव को देखते हुए मुंबई कांग्रेस की नई कार्यकारिणी में सभी जाति और धर्म के लोगों को शामिल किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि मुंबई कांग्रेस में बड़ा बदलाव करते हुए मौजूदा जिलाध्यक्ष की छुट्टी कर नए जिलाध्यक्षों की घोषणा की जाएगी। इसके बाद तालुका और ब्लॉक अध्यक्षों को बदलने का काम किया जाएगा।

हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में मुंबई में कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। मुंबई की 36 सीटों में से सिर्फ 3 सीट पर कांग्रेस पार्टी को जीत मिल पाई। विधानसभा का

चुनाव कांग्रेस पार्टी ने उद्धव ठाकरे की पार्टी यूबीटी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के साथ मिलकर लड़ा था मुंबई की 36 सीट में से कांग्रेस पार्टी ने करीब 11 सीट पर चुनाव लड़ा लेकिन इसमें से सिर्फ तीन सीट पर जीत पाई है। कांग्रेस पार्टी अब मनपा चुनाव में कोई रिस्क नहीं लेना चाहती इसलिए संगठन में बदलाव करने जा रही है। साल 2014 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिली हार के बाद से मुंबई कांग्रेस पार्टी का संगठन कमजोर हो गया है।केंद्र और राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार आने के बाद पदाधिकारी के साथ -साथ मतदाता भी भाजपा की तरफ चले गए है। साल 2014 के चुनाव में हार के बाद संगठन लगातार कमजोर होता जा रहा है। अब सामने मुंबई मनपा का चुनाव है तो एक बार फिर मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने पार्टी में बड़े बदलाव करने का मूड बनाया है। काम करने वालों को मिलेगा मौका **-सुरेश चंद्र राजहंस, मुख्य प्रवक्ता मुंबई कांग्रेस।**

ठाणे पुलिस ने शुरू किया देश का पहला क्रिप्टो करेंसी जांच सेल

ठाणे। महाराष्ट्र पुलिस ने साइबर अपराधों पर रोक लगाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए ठाणे पुलिस आयुक्तालय में देश का पहला क्रिप्टोकरेंसी जांच सेल शुरू किया है। हाल के दिनों में साइबर अपराधों की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हुई है और अपराधियों द्वारा क्रिप्टोकरेंसी का दुरुपयोग कर गबन किए गए धन का पता लगाना मुश्किल हो रहा था। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए ठाणे पुलिस आयुक्त ने यह अभिनव पहल की है। पुलिस आयुक्त ने आदेश दिया है कि ठाणे शहर के हर पुलिस स्टेशन में एक साइबर सेल स्थापित किया जाएगा और प्रत्येक सेल में दो साइबर विशेषज्ञ नियुक्त किए जाएंगे।

पैसों से भरा बैग लेकर फरार, लुकआउट नोटिस जारी

मुंबई। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने 85 करोड़ के घोटाले में लोढ़ा डेवलपर्स के पूर्व निदेशक राजेंद्र नरपत मल लोढ़ा को गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ एफआईआर नं. 0564/2025, एन. एम. जोशी मार्ग पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात का मामला दर्ज है। पिछले सप्ताह राजेंद्र नरपतमल लोढ़ा की गिरफ्तारी के बाद शाम को उनके बेटे साहिल राजेंद्र लोढा और उनके भाई दीपक नरपतमल लोढा पैसे से भरा बैग लेकर फरार हो गए, जिसका सीसीटीव्ही फुटेज भी सामने आया है। उनका ठिकाना अज्ञात है और

दोनों ही लापता है। पुलिस की पूछताछ में कई व्यवहारों में साहिल लोढ़ा का नाम सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, साहिल लोढ़ा ने जांच एजेंसियों द्वारा भेजे गए बार-बार के समन्स का कोई जवाब नहीं दिया है और वह फिलहाल लापता है। इस कारण उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी की है ताकि वे देश से बाहर न जा सकें। राजेंद्र नरपतमल लोढ़ा की गिरफ्तारी के बाद उनके कई और साथीदार ऐसे ही बैग लेकर फरार हो गए है।

राजेंद्र नरपतमल लोढ़ा पर यह आरोप है कि उन्होंने कई सौदों में लोढ़ा डेवेलपर्स की जमीनों का मूल्य गिराकर उन्हें अपने निकटवर्तियों को बेचा और उन्हीं जमीनों को फिर से लोढ़ा डेवेलपर्स को अधिकतम दाम में बेचा। महाराष्ट्र की कई जमीनों से जुड़े सौदों की भी जांच चल रही है और जल्द ही अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, राजेंद्र लोढ़ा ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद आंतरिक जांच में ये अनियमितताएं उजागर हुईं। कंपनी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।

कांदिवली और कुर्ला में लगी भीषण आग में सात लोग झुलसे, तीन की हालत गंभीर

मुंबई। कांदिवली (पूर्व) के आकुर्ली इलाके में मंगलवार सुबह गैस सिलिंडर लीक होने से विस्फोट हुआ और भीषण आग लग गई। इस घटना में छह महिलाएं और एक पुरुष सात लोग गंभीर रूप से झुलस गए जिसमे तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। मुंबई फायर ब्रिगेड के अनुसार आग की घटना बुधवार सुबह 9.05 बजे हुई। एक मंजिल की दुकान में बिजली की तारों, बिजली के इंस्टॉलेशन, खाद्य पदार्थों, एलपीजी सिलेंडर गैस स्टोव आदि आग की चपेट में आने के कारण दुकान में मौजूद कर्मचारी और ग्राहक बाहर नहीं निकल सके। आग की सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। घायलों को ईएसआईसी, कस्तूरबा, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर (भाभा) अस्पताल और एयूएम सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आयआरसीटीसी, पश्चिमी क्षेत्र मुंबई में धूमधाम से मनाया गया "हिंदी सप्ताह "

मुंबई। आयआरसीटीसी, पश्चिमी क्षेत्र मुंबई में राष्ट्रव्यापी त्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत, 17 सितंबर 2025 को स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 की शुरुआत स्वच्छता शपथ के साथ हुई। स्वच्छता ही सेवा अभियान, जो हर साल 17 सितंबर से 2 2 अक्टूबर तक मनाया जाता है, 'समग्र समाज और समग्र सरकार' के दृष्टिकोण का उदाहरण है, जो स्वच्छता के संदेश को सामूहिक रूप से मज़बूत करने के लिए सभी स्तरों पर नागरिकों, संस्थानों और नेतृत्व को एक साथ लाता है। आयआरसीटीसी, पश्चिमी क्षेत्र मुंबई के रीजनल कार्यालयों के विभिन्न कार्यस्थलों पर कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ ली और स्वच्छता के राष्ट्रीय मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आयआरसीटीसी, पश्चिमी क्षेत्र मुंबई में समूह महाप्रबंधक द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हिंदी सप्ताह का शुभारम्भ किया गया। 14 सितंबर से 23 सितंबर तक हिंदी सप्ताह मनाया गया। हिंदी सप्ताह के दौरान हिंदी को बढावा देने को मुंबई के जोनल कार्यालय में हिंदी निबंध प्रतियोगिता, हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता, हिंदी श्रुतलेखन प्रतियोगिता और हिन्दी प्रश्न मंच का आयोजन किया गया।

मीरा क्लीन फ्यूल फर्म के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबई। मालाड निवासी एक शख्स की शिकायत पर माटुंगा पुलिस ने मीरा क्लीनफ्यूल्स लिमिटेड (एमसीएल) के निदेशकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी। इसके बाद पीड़ित निवेशकों ने अब इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। करोड़ों रुपये की बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। मालाड पूर्व के एक पीड़ित ने अपने साथ हुए लगभग ढाई करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की शिकायत मीरा क्लीनफ्यूल्स लिमिटेड के खिलाफ माटुंगा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई है। एमसीएल ने देश भर में कम्प्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी) संयंत्र और बायो-कोल परियोजनाएं स्थापित करने का वादा करके हजारों निवेशकों को आकर्षित किया था। निवेशकों को बताया गया था कि इस पहल से किसानों को सशक्त बनाया जाएगा, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा और कंपनी के शेयर मूल्यों में वृद्धि और भविष्य के मुनाफे के माध्यम से उच्च रिटर्न मिलेगा।

पश्चिम रेलवे द्वारा छह जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष तौर पर त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से 06 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरों को विस्तारित किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है- ट्रेन संख्या 09061/09062 बांद्रा टर्मिनस - बरौनी (साप्ताहिक) स्पेशल ट्रेन संख्या 09061 बांद्रा टर्मिनस - बरौनी स्पेशल को 24 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09062 बरौनी - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 27 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। वहीं ट्रेन संख्या 09033/09034 उधना - बरौनी (द्वि-साप्ताहिक) स्पेशल ट्रेन संख्या 09033 उधना - बरौनी स्पेशल को 25 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09034 बरौनी

- उधना स्पेशल को 27 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09041/09042 उधना - बलिया (साप्ताहिक) स्पेशल ट्रेन संख्या 09041 उधना - बलिया स्पेशल को 27 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09042 बलिया - उधना स्पेशल को 28 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। ऐसे ही ट्रेन संख्या 09067/09068 उधना-जयनगर (साप्ताहिक) स्पेशल ट्रेन संख्या 09067 उधना - जयनगर स्पेशल को 23 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09068 जयनगर - उधना स्पेशल को 24 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। जबकि ट्रेन संख्या 09069/09070 उधना-समस्तीपुर (साप्ताहिक) स्पेशल। ट्रेन संख्या 09069 उधना - समस्तीपुर स्पेशल को 23 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09070 समस्तीपुर - उधना स्पेशल को 25 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09437/09438 गांधीधाम-सियालदह (साप्ताहिक) स्पेशल, ट्रेन संख्या 09437 गांधीधाम - सियालदह स्पेशल को 12 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09438 सियालदह - गांधीधाम स्पेशल को 15 नवंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09061, 09033, 09041, 09067, 09069 एवं 09437 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 26 सितंबर, से शुरू होगी।

रेलवे टिकटों के ऑनलाइन आरक्षण के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य

मुंबई। भारतीय रेल ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (IRCTC) की वेबसाइट और मोबाइल ऐप के माध्यम से रेलवे टिकटों के ऑनलाइन आरक्षण के लिए पहले 15 मिनट तक बुकिंग के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य कर दिया है। आधार प्रमाणीकरण केवल सामान्य आरक्षण खुलने के समय से 15 मिनट के दौरान ही लागू होगा। हालांकि, सामान्य टिकटों के खुलने के 10 मिनट के प्रतिबंध के समय में कोई बदलाव नहीं होगा, जिसके दौरान भारतीय रेलवे के अधिकृत टिकट एजेंटों को पहले दिन आरक्षित टिकट बुक करने की अनुमति नहीं होगी। कम्प्यूटरीकृत पीआरएस काउंटरों के माध्यम से सामान्य टिकटों की बुकिंग में भी कोई बदलाव नहीं होगा। यह नियम दिनांक 01.10.2025 से प्रभावी होगा। यह निर्णय बेईमान तत्वों द्वारा ऑनलाइन टिकटिंग प्रणाली के दुरुपयोग को रोकने और यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है कि ऑनलाइन टिकटिंग प्रणाली का लाभ आम उपयोगकर्ता तक पहुँचे। मध्य रेल यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे टिकट नियमों में हुए बदलाव पर ध्यान दें और अपनी टिकट संबंधी गतिविधियों की योजना तदनुसार बनाएँ।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंची सरकार

- मुख्यमंत्री फडणवीस ने किया सोलापुर का दौरा
- उपमुख्यमंत्री शिंदे ने धाराशिव में किया मुआयना
- उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी सोलापुर पहुंचे

महानगर संवाददाता

मुंबई

महाराष्ट्र के मराठवाडा और सोलापुर में अतिवृष्ठि और बाढ़ से भारी नुकसान हुआ है। किसानों की फसलें, मवेशी, घर और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। बुधवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोलापुर, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने धाराशिव और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोलापुर के प्रभावित गांवों का दौरा कर आम लोगों की व्यथा सुनी। मुख्यमंत्री ने किसानों को भरोसा दिलाया कि संकट की घड़ी में सरकार पूरी तरह उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नुकसान उठाने वाले सभी किसानों और नागरिकों को राहत दी जाएगी। मंगलवार 23 सितंबर को हुई कैबिनेट बैठक में तत्काल राहत के तौर पर 2,000 करोड़ रुपए की निधि मंजूर की गई है। आगे भी ज़रूरत पड़ने पर सहायता दी जाएगी।

कोई भी नहीं रहेगा राहत से वंचित : फडणवीस

मुख्यमंत्री फडणवीस ने सोलापुर जिले के माढा तालुका के निमगांव और दारफल जाकर गांव वालों से मुलाकात की और नुकसान का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नागरिक-केंद्रित मदद प्रदान करेगी और किसी भी तरह की अतिरिक्त शर्तों को लागू करके पीड़ितों की सहायता से इंकार नहीं किया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि उन्होंने अभी कुछ गांवों का दौरा किया है, जहां भारी नुकसान हुआ है। बाढ़ के कारण कई इलाके पूरी तरह पानी में डूब गए हैं और कई बस्तियां प्रभावित हुई हैं।

मुख्यमंत्री ने एनडीआरएफ टीम की सराहना करते हुए कहा कि 22 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है और बचाव अभियान बखूबी संचालित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने भी तुरंत राहत कार्य शुरू कर दिया है और इस उद्देश्य के लिए 2,000 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सहायता में मानदंड निर्धारित होंगे, लेकिन नियमों को ज्यादा कठोर बनाकर किसी को भी राहत से वंचित नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवाली से पहले सभी प्रभावितों को मदद पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सूखा और बाढ़ जैसी आपदाओं में किसानों और आम नागरिकों दोनों की मदद अत्यंत जरूरी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से राहत कार्य पहले से शुरू है और केंद्र सरकार भी पीड़ितों की मदद करेगी।

राजनीति के बजाय मदद के लिए आगे आएं : शिंदे

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मराठवाड़ा क्षेत्र स्थित धाराशिव जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और यहां शिंदे ने किसानों समेत बाढ़ प्रभावित लोगों और उसके बाद पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि राज्य में वर्षा प्रभावित किसानों को सरकार हरसंभव सहायता देगी।

आठ ज़िलों वाले मराठवाड़ा में पिछले चार दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, यहां कई गांव जलमग्न हो गए, कई घर क्षतिग्रस्त हो गए और 30 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र पर लगी फसलें नष्ट हो गईं। उन्होंने कहा कि विभिन्न पार्टियों को राजनीति करने के बजाए प्रभावित लोगों की मदद के लिए आगे आना चाहिए।

प्रभावितों का सुरक्षित पुनर्वास किया जाए : अजित पवार

इसी कड़ी में उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सोलापुर जिले की करमाला तालुका के कोर्टी, माढा तालुका के मुंगशी और मोहोळ तालुका के लांबोटी गांव का दौरा किया। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि प्रभावित नागरिकों का सुरक्षित पुनर्वास किया जाए और उन्हें अन्न, पानी, बिजली व दवाओं की सुविधा उपलब्ध कराई जाए, जिन किसानों का अनाज खराब हुआ है उन्हें तुरंत नया अनाज उपलब्ध कराया जाए। बता दें कि मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों को बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने के निर्देश दिए थे।

बाढ़ प्रभावितों के लिए एक माह का वेतन देंगे विधायक

राकांपा अजित पवार और शिवसेना शिंदे गुट का निर्णय

महानगर संवाददाता

मुंबई

महाराष्ट्र में अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों के मद्देनजर राज्य के दो प्रमुख राजनीतिक दलों ने राहत कार्यों के लिए बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजित पवार गुट और शिवसेना शिंदे गुट के विधायक और मंत्री प्रभावितों की मदद के लिए अपना एक माह का वेतन मुख्यमंत्री सहायता निधि में जमा कराएंगे।

उपमुख्यमंत्री और राकांपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित पवार के आदेशानुसार पार्टी के सभी मंत्री, सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्य अपना एक महीने का वेतन मुख्यमंत्री सहायता निधि में जमा करेंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने बताया कि संकट के इस कठिन समय में हर नेता को महाराष्ट्र की जनता के साथ खड़ा होना चाहिए। अजित पवार ने बुधवार को सोलापुर, धाराशिव और बीड जिलों का दौरा कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। वहीं, शिवसेना ने भी मराठवाड़ा के अतिवृष्टि प्रभावितों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने घोषणा की कि शिवसेना के सभी मंत्री और विधायक अपना एक महीने का वेतन मुख्यमंत्री सहायता निधि में देंगे। शिंदे ने कहा कि प्राकृतिक आपदा में शिवसेना हमेशा किसानों और आम जनता के साथ खड़ी रहती है और उन्हें मदद में कभी पीछे नहीं हटेगी। राज्य के इन दो प्रमुख दलों के संयुक्त प्रयासों से बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

पांच हजार झोपड़ावासियों को घर मिलने का रास्ता हुआ साफ़ : साटम

यह कांग्रेस नेताओं की बड़ी परेशानी

मुंबई। जुहू गली एसआरए प्रोजेक्ट 15 साल से अधिक समय तक अटका हुआ था। अब इस प्रोजेक्ट को गति मिलने से लगभग 5,000 झोपड़पट्टीवासियों को 305 स्क्वेयर फुट के सुसज्जित मकान मिलने वाले हैं। इस प्रोजेक्ट में हुई देरी के लिए कांग्रेस के भ्रष्टाचार को जिम्मेदार ठहराते हुए मुंबई भाजपा अध्यक्ष और विधायक अमित साटम ने कहा कि पांच हजार झोपड़ा वासियों को घर मिलने का रास्ता साफ़ हुआ, यह कांग्रेस नेताओं की परेशानी है। भाजपा

मुंबई अध्यक्ष अमित साटम ने आरोप लगाया कि झोपड़ावासियों को अच्छा घर मिले यही कांग्रेस नेताओं की परेशानी है। पन्द्रह सालों से घर के लिए तरस रहे लोगों को घर देने के लिए अब रास्ता साफ हुआ है तो कांग्रेस को भ्रष्टाचार नजर आ रहा है। साटम ने बताया कि शुरुआत में कांग्रेस विधायक अमीन पटेल और नगरसेवक अब्दुल अज़ीज़ बारुदगर ने इस प्रोजेक्ट को बिक्री और हस्तांतरण के जरिए आगे बढ़ाया। उस समय राज्य में कांग्रेस-राष्ट्रवादी की सरकार थी और पृथ्वीराज चव्हाण राज्य के मुख्यमंत्री थे, ऐसा विधायक अमित साटम ने बताया। बाद में कांग्रेस नगरसेवक मोहसिन हैदर को डेवलपर्स से मात्र 5 लाख रुपये में फ्लैट मिले थे जिससे घोटाला हुआ और प्रोजेक्ट रुक गया। इसके बाद धीरज और कपिल वाधवान की कंपनी में बड़े आर्थिक घोटाले का खुलासा हुआ और ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया। इसके चलते प्रोजेक्ट ठप्प हो गया। साल 2022 में मनपा ने एनओसी रद्द कर दी और आश्रय योजना के तहत 140 करोड़ रुपये खर्च कर 479 मकान बनाने का निर्णय लिया। लेकिन 2024 में ईडी की रोक हटने के बाद नए डेवलपर की नियुक्ति हुई और अब मनपा को बिना एक भी रुपया खर्च किए 600 मकान मिलने की व्यवस्था की गई है। इसमें 86 अपात्र सफाई कर्मचारियों को भी घर दिए जाएंगे।

17.40 लाख रुपये की ब्राउन शुगर के साथ रिक्शा चालक गिरफ्तार

नालासोपारा। आचोले पुलिस की अपराध शाखा ने मादक पदार्थों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, नालासोपारा से एक रिक्शा चालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से करीब 17.40 लाख की ब्राउन शुगर बरामद की गई है। पुलिस ने कुल 84.04 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नालासोपारा के कैपिटल मॉल के पास एक व्यक्ति ड्रग्स बेचने आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम ने जाल बिछाया और संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया।

शिवशक्ति की साधना एक साथ होनी चाहिए : सुनील आम्बेकर

मुंबई। परिवर्तन के दौर में संघर्षों का सामना करने हेतु हम समर्थ होते जा रहे हैं। समाज का एक बड़ा वर्ग अब केवल दर्शक बन कर नहीं अपितु संघकार्य में सहभागी होना चाहता है। संघ के 100 वर्षों की यात्रा में जिन्होंने हमें सहयोग दिया, उनका हम शताब्दी वर्ष में आभार प्रदर्शन करेंगे। राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाना है और इसके लिए स्वयं को सक्षम बनाना है, अतः

शिवशक्ति की साधना एकसाथ होनी चाहिए, यह वक्तव्य रा. स्व. संघ के अ.भा. प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर ने दिया। वे हिंदी विवेक द्वारा प्रकाशित 'दीपस्तंभ' ग्रंथ के विमोचन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे। मुम्बई स्थित विलेपार्ले पूर्व के पंच सितारा हॉटेल आर्किड के चेम्बर हॉल में इस समारोह का भव्य आयोजन किया गया था। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि संघ सागर की तरह विराट और अनंत है।

नागरिक कर सकें मनपा डैशबोर्ड पर अपनी शिकायत : शेलार

मुंबई। उपनगर पालकमंत्री आशीष शेलार ने मनपा अधिकारियों को निर्देश दिया कि नागरिक सड़क निर्माण कार्यों से जुड़ी अपनी शिकायतें सीधे डैशबोर्ड पर अपलोड कर सकें। इस तरह की व्यवस्था डैशबोर्ड में होनी चाहिए। शेलार ने कहा सिर्फ सड़क ही नहीं सभी प्रकार की शिकायतें नगरिक डैश बोर्ड पर सकें इस तरह का डैश निर्माण करने का निर्देश दिया। शेलार ने बताया कि मुंबई में नागरिकों की मुख्य शिकायत गड्ढे, अपूर्ण योजना और उससे उत्पन्न होने वाला ट्रैफिक जाम सहित पानी की लाइन, बिजली कनेक्शन या सीवर जैसी यूटिलिटी क्षतिग्रस्त होती है, तो उसकी शिकायत भी डैशबोर्ड के माध्यम से नागरिक कर सके।इस तरह का डैशबोर्ड मनपा को बनाना चाहिए। शेलार ने मुंबई सड़क की समस्या पर ठोस समाधान के लिए मनपा अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर, मुख्य अभियंता, डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर, असिस्टेंट म्युनिसिपल कमिश्नर, विभिन्न यूटिलिटी सेवाओं के अधिकारी और पूर्व नगरसेविका की मौजूदगी में समीक्षा बैठक की। बैठक में मनपा की ओर से जानकारी दी गई कि मुंबई की कुल 2,121 सड़कों में से 771 पूरी हो चुकी हैं, 574 आंशिक रूप से पूर्ण हैं और 776 पर काम शुरू होना बाकी है। फेज 1 और 2 के 798 किलोमीटर में से 342 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है। एच-वेस्ट विभाग में 157 सड़कों में से 54 पूरी, 47 आंशिक और 60 पर काम बाकी है।

बैठक में मंत्री शेलार ने पांच सुझाव दिए

नागरिक अपनी शिकायत डैशबोर्ड पर अपलोड कर सकें। सड़क कार्यों के दौरान हुई यूटिलिटी क्षति का विवरण डैशबोर्ड पर दिखे और जिम्मेदार ठेकेदार पर जुर्माना लगे। सड़कों के किनारे बने ट्रेंच की मरम्मत के लिए 15 दिन में ठेकेदार तय किया जाए। नए सड़कों में भी यूटिलिटी डैमेज की शिकायतें अपलोड हों और उनका समाधान व रिपोर्ट नागरिकों को मिले। नए काम शुरू करने से पहले पानी, सीवर, बिजली आदि का मैपिंग कर समन्वय किया जाए।

सिडको
शहर बनाए, शहर बसाए

बोली आमंत्रण सूचना

द्रोणागिरी में सेक्टर – 30 में प्रशिक्षण केंद्र और सेक्टर – 14 में सिडको साइट कार्यालय, फायर स्टेशन, फायर क्वार्टर्स में विद्युत अधिष्ठापनों की मरम्मत, संचालन और अनुरक्षण (3 वर्ष)

सिडको ऑफ महाराष्ट्र लिमिटेड द्वारा निम्ननिर्दिष्ट कार्य हेतु समान प्रकार के कार्य के निष्पादन के अनुभवी तथा सिडको लि. के साथ श्रेणी ए में पंजीकृत अथवा केंद्रीय सरकार अथवा महाराष्ट्र सरकार और उसके उपक्रमों के साथ विद्युत पंजीकरण की समुचित श्रेणी अंतर्गत पंजीकृत एवं अनिवार्य योग्यता मापदंडों की पूर्ति में सक्षम लाइसेंस धारक विद्युत ठेकेदारों से ई-निविदा प्रणाली के जरिए **ऑनलाइन** आइटम दर प्रतिशत निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं :

1. कार्य का नाम : द्रोणागिरी में सेक्टर – 30 में प्रशिक्षण केंद्र और सेक्टर – 14 में सिडको साइट कार्यालय, फायर स्टेशन, फायर क्वार्टर्स में विद्युत अधिष्ठापनों की मरम्मत, संचालन और अनुरक्षण (3 वर्ष). 2. सी.ए. क्र. : 15/सिडको/ईई(इलेक्ट-नोडल) /2025-26. **3. अनुमानित लागत :** ₹ 37,85,907.00 (जीएसटी को छोड़कर). **4. ई.एम.डी.:** ₹ 38,000.00. **5. पंजीकरण श्रेणी :** ए श्रेणी. **6. समापन अवधि :** 1095 (एक हजार पंचानबे) दिन (मानसून सहित). **7. निविदा प्रसंस्करण शुल्क :** ₹ 1,180.00 (रुपये एक हजार एक सौ अस्सी मात्र) (अप्रतिदेय) (18% जीएसटी सहित) (₹ 1000/- बोली लागत + 18% जीएसटी हेतु ₹ 180/-)

बोली कार्यक्रम के साथ बोली दस्तावेज वेबसाइट **https://mahatenders.gov.in** पर 26/09/2025 से 17.01 बजे से उपलब्ध होंगे.

अधीक्षण अभियंता
(विद्युत-नोडल)
सिडको/जनसंपर्क/२६७/२०२५-२६

CIN - U99999 MH 1970 SGC-014574
www.cidco.maharashtra.gov.in

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

निविदा सूचना

निविदा दस्तावेज क्र.	**बोली क्र. 2025_एमसीजीएम_1221660_1**
संगठन का नाम	बृहन्मुंबई महानगरपालिका
विषय	मनपा मुख्यालय की पुरानी और एनेक्स बिल्डिंग्स में एलटी/एचटी पैनल्स और डीजी सेट्स, पैकेज सबस्टेशन्स हेतु अनुरक्षण मुक्त अर्थिंग की एसआईटीसी हेतु ई-निविदा.
ई-निविदा का मूल्य (अनुमानित लागत)	आइटम दर निविदा
बोली सुरक्षा जमाराशि /ईएमडी	₹ 29,600/-
जांच शुल्क	₹ 7260/- +18% जीएसटी
निविदा जारी करने तथा बिक्री की तिथि	25.09.2025 को 09.00 बजे
बोली सुरक्षा जमाराशि की स्वीकृति तथा निविदा की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय	09.10.2025 को 16.00 बजे
लिफाफा ए, बी और लिफाफा सी जमा करना (ऑनलाइन)	09.10.2025 को 16.00 बजे
पूर्व- बोली बैठक	लागू नहीं
तकनीकी लिफाफा ए और बी का खुलना	10.10.2025, 16.00 बजे
वाणिज्य लिफाफा का खुलना	14.10.2025, 13.00 बजे
पत्राचार हेतु पता	कार्यकारी अभियंता (एचक्यू) का कार्यालय, मनपा मुख्यालय, पुराना भवन, तल मंजिल, महापालिका मार्ग, मुंबई 400 001
बोली खुलने का स्थान	कार्यकारी अभियंता (एचक्यू) के कार्यालय में ऑनलाइन

उक्त निविदा दस्तावेज अहस्तांतरणीय हैं.

बीएमसी के पास बिना कोई कारण दर्शाए उपरोक्त विषय हेतु प्राप्त किसी भी अथवा सभी आवेदन को निरस्त करने अथवा किसी भी आवेदन को स्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है. जांच शुल्क ऑनलाइन अदा करना होगा.

हस्ता./-
पीआरओ/1716/विज्ञा./2025-26 कार्यकारी अभियंता (एचक्यू) प्रभारी

बुखार है ? जल्दी करें, अपने डॉक्टर से मिलकर सही और सम्पूर्ण उपचार करायें

पनवेल महानगरपालिका

शहर अभियंता विभाग
जाहिर ई-निविदा सुचना

निविदा सुचना क्र.पमपा/बांधकाम/२३२५/प्र.क्र.०९/३६३१/२०२५ दिनांकः २४/०९/२०२५

शुध्दीपत्रक - १

अ.क्र.	निविदा क्र.	कामाचे नाव
१.	PMC/CE/६२/२०२५-२०२६	पनवेल महानगरपालिका हद्दीतील प्रभाग समिती-ड, प्रभाग क्र. १९, प्रॉ.क्र. १५६८/अ, १५७२ पनवेल या, भुखंडावर व्यवसाईक दुकाने, सभागृह, बहुमजली वाहनतळ बांधणे.

या कामाच्या ई-निविदेच्या शुध्दीपत्रकाबाबतची माहिती शासनाच्या 'http://mahatenders.gov.in' या संकेतस्थळावर दि. २४/०९/२०२५ रोजी प्रसिध्द करण्यात येईल. संबंधित निविदाधारकांनी याची नोंद घ्यावी.

सही/-
अतिरिक्त आयुक्त-I
पनवेल महानगरपालिका

वसई - विरार शहर महानगरपालिका

वसई-विरार शहर महानगरपालिका
प्रभाग समिती सी' चंदनसार
ता. वसई, जि. पालघर, पिन 401 305.

दूरध्वनी : ०२५०-२५२५१०५/०६/ २५२९८८८/२५२९८९०
फॅक्स : ०२५० - २५२५१०७
ई-मेल : vasaivirarcorporation@yahoo.com
जावक क्र. : ववशिम/बांध/शअ/८४८/२०२५
दिनांक : २४/०९/२०२५

सार्व. बांधकाम विभाग, मुख्यालय, विरार (प.)
जाहिर ई - निविदा सुचना करीता (प्रथम वेळ मुदतवाढ)

विषय :- प्रभाग क्र. ०९ विरार (पू) मध्ये गोसिया मस्जीद येथे शेडचे बांधकाम करणे.

उपरोक्त विषयान्वये वसई विरार शहर महानगरपालिका प्रभाग समिती (सी) कार्यक्षेत्रातील सार्व. बांधकाम दि.२५/०९/२०२५ रोजी १ कामांची फेर ई निविदा सुचना (https:mahatenders.gov.in) या संकेतस्थळावर जा.क्र.ववशिम/बांध/शअ/७५५/२५ दि.११/०९/२०२५ अन्वये निविदा प्रसिध्द करुन दि.१६/०९/२०२५ ते दि.२३/०९/२०२५ रोजी दु.३.०० वाजेपर्यंत ई-निविदा मागविण्यात आल्या होत्या तरी या सदर कामाकरीता खालील प्रमाणे मुदतवाढ देण्यात येत आहे.

मुदतवाढीचा तपशील खालील प्रमाणे
१) ऑनलाईन ई-निविदा स्विकृत अंतिम दिनांक - दि.२९/०९/२०२५ दु.३.०० पर्यंत राहील
२) ऑनलाईन ई-निविदा उघडणेची दिनांक - दि. ०३/१०/२०२५ दु.३.०१ पर्यंत

सही/-
(प्रदीप पाचंगे)
प्र. शहर अभियंता
वसई-विरार शहर महानगरपालिका

कुळगांव बदलापूर नगरपरिषद

नवीन प्रशासकीय इमारत, म. गांधी चौक रोड, बदलापूर रेल्वे स्टेशन (पूर्व) कुळगांव, पिन - ४२१५०३, ता. अरनाथ जि.ठाणे.
ईमेल:- coud.kulgaonbadalapur@maharashtra.gov.in.वेबसाईट:-kbmc.gov.in

जा.क्र : कुबनप/साबां/११९७/२०२५-२६ दिनांक : २४/०९/२०२५

जाहीर कोटेशन सूचना

विषय : - कुळगांव बदलापूर नगरपरिषदेच्या नवीन प्रशासकीय इमारतीच्या महासभा हॉलच्या अंतर्गत काम करणेच्या कामातील काही बाबींचे दरपत्रक मागविणेबाबत.

उपरोक्त विषयानुसार कुळगांव बदलापूर नगरपरिषदेच्या नवीन प्रशासकीय इमारतीच्या महासभा हॉलच्या अंतर्गत काम करणेच्या कामातील बाबींचे दर बाजारातून मागविण्यासाठी जाहीर कोटेशन सुचना प्रसिद्ध करणेत येत आहे. सदरची जाहीर कोटेशन सुचना प्रसिद्ध झालेपासून दि.०६/१०/२०२५ रोजी पर्यंत खालील दिलेल्या दरपत्रक नमुन्यात भरून बंद लीफाफ्यातून या कार्यालयात सादर करावेत.

Sr.	DESCRIPTION	UNIT	QUANTITY	दर (सर्व करांसहित)
1	A curved shaped free standing unit with arc length as per drawings. Unit includes seats and desk. 400mm width seats are made of foam 40 density with rexin finish whole unit made up of 1 Wood & Commercial Plywood, natural finished veneer with melamine polish. Veneer sheet having size 8'x4' and price upto Rs.3500 per sheet.	RMT	166.00	
2	Providing and Fixing Edge Protection Angle for Auditorium Steps in 100 x 100 x 2 mm Aluminum angle fixed with screws as directed by Engineer In charge / Architect	RMT	242.00	
3	Glass partition above bund wall in viewing gallery is double sandwich 18mm thick toughened glass fixed in Aluminum extruders Height of glass partition is 3000mm.This partition is curved shaped.	SQ.MT	91.45	

सही/-
मुख्याधिकारी
कुळगांव बदलापूर नगरपरिषद
कुळगांव

फिलिस्तीन को देश की मान्यता...

ऐसा लग रहा है कि यूरोपीय देशों में फिलिस्तीन को मान्यता देने की होड़ लग गई है. एक-एक करके कई देशों ने फिलिस्तीन को मान्यता दे दी है। कुछ दिनों के अंदर ही कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस, पुर्तगाल, ऑस्ट्रेलिया, मोनाको, माल्टा, लक्जमबर्ग और बेल्जियम ने फिलिस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता दे दी है। जहां इसका फिलिस्तीन अधिकारियों द्वारा स्वागत किया जा रहा है तो इजराइल ने इसका जबरदस्त विरोध किया है। लगभग 150 देशों ने फिलिस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता दे दी है। यूरोपीय देशों पर अमेरिका का जबरदस्त दबाव था कि वो ऐसा कदम न उठाएं, लेकिन अमेरिका के दबाव को दरकिनार करते हुए इन देशों से फिलिस्तीन को मान्यता दी है। सवाल यह है कि जब 140 देशों ने फिलिस्तीन को पहले ही मान्यता दे रखी थी तो अब इन देशों द्वारा मान्यता मिलने से क्या होने वाला है। अगर अमेरिका फिलिस्तीन को मान्यता नहीं देता है तो फिलिस्तीन को कोई फायदा होने वाला नहीं है। अमेरिकी विरोध के कारण उसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा पूर्ण देश का दर्जा नहीं मिलेगा। अमेरिका का दोगलापन इस बात से समझा जा सकता है कि उसने सीरिया के राष्ट्रपति जुलानी को अमेरिका का वीजा दे दिया जबकि वो एक खतरनाक वांछित आतंकवादी रह चुका है जिस पर अमेरिका ने ही दस मिलियन डॉलर का इनाम रखा हुआ था। दूसरी तरफ फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास को अमेरिका ने वीजा देने से मना कर दिया है जबकि उनके ऊपर किसी भी आतंकवादी कार्यवाही में भाग लेने का आरोप नहीं है। सवाल उन देशों से भी है, जो फिलिस्तीन को मान्यता दे रहे हैं जबकि कई ऐसे देश हैं जो अभी भी मान्यता देने के लिए गुहार लगा रहे हैं। अफ्रीकन यूनियन के दबाव के कारण सोमालीलैंड को ज्यादातर देशों ने मान्यता नहीं दी है। चीन की ताकत को देखते हुए दुनिया के लगभग सारे देश वन चाइना नीति को मान्यता देते हैं, इसलिए ताइवान को कोई भी मान्यता देने को तैयार नहीं है। कोसोवो को सिर्फ सौ देशों ने ही मान्यता दी है। सवाल यह है कि जो यूरोपीय देश अभी तक अमेरिकी दबाव के कारण फिलिस्तीन को मान्यता नहीं दे रहे थे, वो अब मान्यता क्यों दे रहे हैं। इसकी कई वजह हैं, डोनाल्ड ट्रंप के कारण यूरोपीय देश अमेरिका से टकराव के मूड में हैं। ट्रंप टैरिफ के नाम पर यूरोपीय देशों को धमका चुके हैं और दबाव डालकर यूरोपियन यूनियन से ट्रेड डील पर साइन करवा लिए हैं । यूरोपीय देश अरब देशों सहित अन्य मुस्लिम देशों से संबंध सुधारना चाहते हैं। कई यूरोपीय देशों में वामपंथी विचारधारा से प्रेरित दलों की सरकार चल रही है जो फिलिस्तीन के हमदर्द हैं। यूरोपीय देशों में मुस्लिमों की आबादी बढ़ती जा रही है. उनको खुश करने के चक्कर में भी यह कदम उठाया जा रहा है। यूरोपीय देश क्या सोचते हैं, ये उनकी समझ हो सकती है लेकिन इससे फायदा होने की जगह नुकसान होने का ज्यादा अंदेशा है। उनके इस कदम से कट्टरपंथियों का हौसला बढ़ने वाला है। इसकी बड़ी कीमत यूरोपीय देशों को चुकानी होगी। ऐसा नहीं है कि फिलिस्तीन को मान्यता देना गलत है लेकिन उनकी मंशा अच्छी नहीं है। गलत मंशा से उठाया गया सही कदम भी नुकसान पहुंचाता है। कट्टरपंथी इसे अपनी जीत मानकर इन देशों पर इजराइल से रिश्ते तोड़ने का दबाव बनाएंगे, जिसको मानना इतना आसान नहीं होगा। यूरोपीय देशों में इजराइल के विरोध में हिंसक प्रदर्शन नए सिरे से शुरू हो सकते हैं। उनके लिए फिलिस्तीन कोई मुद्दा है ही नहीं, उनका असली मुद्दा कट्टरपंथ बढ़ाना है। इटली में फिलिस्तीन के समर्थन में मुस्लिम कट्टरपंथियों ने हिंसक प्रदर्शन किया है। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी और निजी संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया है। सवाल यह है कि फिलिस्तीन के समर्थन में ये लोग उन देशों को नुकसान क्यों पहुंचा रहे हैं, जो इन्हें अपना नागरिक मानते हैं। जो लोग फिलिस्तीन के समर्थन में रैलियां निकाल रहे हैं, उन्हें फिलिस्तीनी राष्ट्रपति अब्बास की बात भी सुननी चाहिए। अब्बास ने कहा है कि 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमास का हमला एक घिनौनी आतंकवादी हरकत थी। उनका कहना है कि उन आतंकवादियों का गाजा पर कोई अधिकार नहीं है। जो लोग आज फिलिस्तीन का समर्थन कर रहे हैं, वही लोग हमास का भी समर्थन कर रहे थे। कतर ने हमास के नेताओं को अपने देश में शरण दे रखी है, वो लोग वहां रहकर ही इजराइल में आतंकवादी गतिविधियां चला रहे हैं। जो लोग यूरोपीय देशों में रैलियां निकालकर फिलिस्तीन को मान्यता देने की मांग कर रहे हैं, वो लोग क्या हमास को आतंकवादी संगठन मानने को तैयार हैं। इन लोगों ने क्या कभी हमास के आतंकवादी हमले के विरोध में रैली निकाली है। वास्तव में फिलिस्तीन के नाम पर यूरोपीय देशों में कुछ संगठन इस्लामिक वर्चस्व कायम करना चाहते हैं। मान्यता देने वाले देशों का कहना है कि इजराइल-फिलिस्तीन समस्या का समाधान द्वि-राष्ट्र सिद्धांत हैं लेकिन सवाल यह है कि इस सिद्धांत को तो इजराइल के गठन के समय भी माना गया था। तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने इस सिद्धांत को मानने से इंकार कर दिया था क्योंकि उनका कहना था कि इजराइल दुनिया में होना ही नहीं चाहिए। तब उनका कहना था कि फिलिस्तीन पर सिर्फ फिलिस्तीनियों का हक है। 1948 में इजराइल बनने के दूसरे ही दिन उसको समाप्त करने के लिए पांच अरब देशों ने इजराइल पर हमला कर दिया था। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन और फ्रांस ने फिलिस्तीन को दो देशों में विभाजित करके इजराइल को एक नया देश बनाया था। इजराइल के हिस्से 56 प्रतिशत और फिलिस्तीन के हिस्से में 44 प्रतिशत भूमि आई थी। 1948 के युद्ध के बाद इजराइल ने फिलिस्तीन के लगभग 20 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया। देखा जाये तो द्वि-राष्ट्र सिद्धांत की अवहेलना पहले अरब देशों द्वारा ही की गई थी। फिलिस्तीन को अपनी जमीन इसलिए गवांनी पड़ी क्योंकि अरब देशों ने द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को नकार कर इजराइल को खत्म करने की कोशिश की थी।सवाल यह है कि अगर इजराइल युद्ध हार जाता तो क्या आज इजराइल का अस्तित्व होता । इसके बाद 1967 में तीन अरब देशों ने फिर इजराइल पर हमला कर दिया और उन्हें मुंह की खानी पड़ी।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

लालू के घर में मचा, फिर जूतमपैजार
संजय यादव आपकी,लाज रखें करतार
लाज रखें करतार, तेज फिर आपा खोवें
इधर रोहिणी आज पीटकर छाती रोवें
कह सुरेश कविराय युद्ध आपस मे चालू
लंका लग ना जाय, सँभलना मिस्टर लालू

एक राष्ट्र, एक चुनाव : एकजुट भविष्य की ओर

दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था में, जहां 90 करोड़ से अधिक मतदाता एक अरब से ज्यादा लोगों के भाग्य का निर्धारण करते हैं, चुनावों की लय अब तक अलग-अलग अभियानों, निरंतर व्यय और शासन में रुकावटों से भरी रही है। अब "एक राष्ट्र, एक चुनाव" (ONOE) की अवधारणा सामने आई है—यह एक साहसिक दृष्टिकोण है जो चुनावी कैलेंडर को सामंजस्यपूर्ण बनाने का प्रयास करता है, जिसमें लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव हर पांच साल में एक साथ कराए जाएंगे।

एक राष्ट्र, एक चुनाव के समर्थक इसे दक्षता और वित्तीय समझदारी की वापसी मानते हैं, जबकि यह भारत की संघीय संरचना को मजबूत करने का एक सुनहरा अवसर भी है। जैसे-जैसे यह प्रस्ताव संवैधानिक बहसों के बीच गति पकड़ रहा है, यह उचित होगा कि हम राष्ट्र की पहली लोकतांत्रिक प्रक्रिया की याद करें—एक ऐसा अद्भुत प्रयास जिसने एक व्यक्ति के नेतृत्व में सब कुछ संभव कर दिखाया और आने वाली पीढ़ियों के लिए नींव रखी। स्वतंत्र भारत का मतदान से अभिषेक एक छोटी दौड़ नहीं, बल्कि चार महीनों तक चलने वाला एक लंबा संघर्ष था, जो 25 अक्टूबर 1951 से 21 फरवरी 1952 तक चला। यह पहला आम चुनाव केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं था; यह एक नवजात गणतंत्र के लिए स्वशासन का साहसिक प्रयोग था, जो विभाजन की हिंसा, शरणार्थी संकट और व्यापक अशिक्षा से जूझ रहा था। 1.73 लाख से अधिक मतदान केंद्रों ने पूरे देश में फैले 17.3 करोड़ से ज्यादा पात्र मतदाताओं की सेवा की—उस समय दुनिया की आबादी का छठा हिस्सा। मतपत्रों पर प्रतीकों की बजाय शब्दों का इस्तेमाल हुआ, जहां साक्षरता दर 20 प्रतिशत से कम थी, वहां समझ की सीमाओं को चुनौती दी गई। इस महान कार्य के केंद्र में थे सुकुमार सेन, एक शांत स्वभाव वाले बंगाली सिविल सेवक, जिन्हें 1950 में भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में चुना गया। कोई पूर्व योजना या बड़ी नौकरशाही के बिना, सेन ने इस विशालकाय कार्य को अकेले संभाला, 3 लाख से अधिक अधिकारियों की भर्ती की, पोस्टरों और लोक गीतों के माध्यम से मतदाता शिक्षा का नवाचार किया, और धोखाधड़ी रोकने के लिए मतपत्र डिजाइन को मानकीकृत किया। सांप्रदायिक तनावों और दूरदराज इलाकों में हाथियों से मतपत्र पहुंचाने जैसी चुनौतियों के बीच, सेन की दृढ़ता ने संभावित अराजकता को विजय में बदल दिया। कांग्रेस पार्टी ने 489 में से 364 सीटें जीतीं, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण, 51 प्रतिशत मतदान ने अज्ञात में विश्वास की पुष्टि की: सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार। सेन ने इसे "विश्वास का कार्य" कहा, एक ऐसा वाक्यांश जो उस युग की जोखिम भरी आशावादिता को दर्शाता है। उनका योगदान? एक मजबूत चुनाव आयोग, जो अब तक 17 लोकसभा चुनावों का सफलतापूर्वक संचालन कर चुका है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी लोकतंत्र की मशीनरी को सुचारू रूप से चलाने की क्षमता साबित करता है। उल्लेखनीय रूप से, यह पहला मतदान अलग-थलग नहीं था; राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ चले, जिसने 1967 तक चार चक्रों में एक साथ चुनाव की परंपरा को जन्म दिया। यह एक एकजुट लय थी, जो निरंतर चुनावी अभियानों से अछूती रही। 1960 के दशक के अंत में यह सामंजस्य टूट गया, समय से पहले सरकारों के भंग होने और अलग-अलग कार्यकालों के कारण—भारत के अस्थिर संसदीय जीवन की विशेषता। इंदिरा गांधी के 1971 के मध्यावधि चुनावों और राज्य स्तर की उथल-पुथल ने कैलेंडर को बिखेर दिया। आज, 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यकालों के असंतुलन के साथ, भारत एक साल में सात बड़े चुनावों का सामना करता है, साथ में उप-चुनाव और स्थानीय मतदान। वित्तीय बोझ? सरकारी अनुमानों के अनुसार, पांच वर्षों में 4.5 लाख करोड़ रुपये (लगभग 54 अरब डॉलर), जो विकास कोष से निकाले जाते हैं। पैसे से परे, "आदर्श आचार संहिता" महीनों तक नीति निर्णयों को रोक देती है, अधिकारियों को कर्तव्यों से हटाती है और अभियान निधियों के माध्यम से काले धन के प्रवाह को बढ़ावा देती है। यह विचलन आवश्यकता से जन्मा था, लेकिन अब यह अक्षमता में बदल गया है। ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' न केवल एक पुनरुद्धार है, बल्कि एक प्रगतिशील कदम जो इन चुनौतियों को दूर करने का वादा करता है। यह विचार दशकों से उबल रहा था—1983 में चुनाव आयोग और 2017 में नीति आयोग द्वारा समर्थित—फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2023 में पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार समिति गठित कर इसे औपचारिक रूप दिया। पैनल की मार्च 2024 की रिपोर्ट ने चरणबद्ध रोलआउट की वकालत की: 2029 तक लोकसभा और विधानसभा चुनावों को संरेखित करना, फिर 2034 तक पंचायत और नगरपालिका चुनावों को शामिल करना। इसमें संविधान के अनुच्छेद 83 और 172 में संशोधन का प्रस्ताव है, कार्यकाल को पांच वर्षों पर तय करना, समय से पहले भंग होने पर "नए चुनाव", और डुप्लिकेशन कम करने के लिए एकल मतदाता सूची। दिसंबर 2024 में, दो विधेयक—संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और संघ राज्य क्षेत्र कानून (संशोधन) विधेयक—संसद में पेश किए गए, जो एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत देते हैं, लेकिन सेन के युग की तरह: चुनावों को राष्ट्रीय एकजुटता के रूप में देखना। दो-तिहाई बहुमत और राज्य अनुमोदन की आवश्यकता के साथ, ये विधेयक एक प्रेरणादायक दिशा दिखाते हैं। समर्थक एक राष्ट्र एक चुनाव को केवल पुरानी याद नहीं मानते; यह व्यावहारिक विकास है। वित्तीय रूप से, यह व्यय को 40-50% तक कम कर सकता है, बचत को बुनियादी ढांचे और कल्याण पर पुनर्निर्देशित कर सकता है—एक ऐसे राष्ट्र में महत्वपूर्ण जहां चुनावी लागत रक्षा बजट से प्रतिस्पर्धा करती है। शासन को भी गति मिलती है: कम रुकावटें मतलब निर्बाध नीति फोकस, जो आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकता है और "चुनाव लाभांश" के हैंगओवर को कम कर सकता है। मतदाता थकान, एक और समस्या, एकीकृत अभियानों से कम हो सकती है, जैसा कि इतिहास में एक साथ चुनावों में उच्च मतदान (जैसे 2019 में 67 प्रतिशत बनाम विभिन्न राज्य औसत) से साबित होता है। वैश्विक रूप से, स्वीडन और दक्षिण अफ्रीका सिंक्रोनाइज्ड चक्रों पर फलते-फूलते हैं, जो सुझाव देते हैं कि भारत सुव्यवस्थित लोकतंत्रों की श्रेणी में शामिल हो सकता है। विचारोत्तेजक प्रश्न यह है कि डिज़िटलाइजेशन के युग में, क्या "एक राष्ट्र, एक चुनाव" नागरिकों की आवाजों को मजबूत कर सकता है और लोकतंत्र को और अधिक प्रभावी बना सकता है? इसके अलावा, यह सेन के योगदान की सराहना करता है, जो एकजुट चुनावों की परंपरा को पुनर्जीवित कर राष्ट्रीय एकता को मजबूत करता है, विकास को प्राथमिकता देता है और मतदाताओं को सशक्त बनाता है। हालांकि कुछ आलोचक स्थिर कार्यकालों से राज्यों की स्वायत्तता पर प्रभाव की चिंता करते हैं, लेकिन "एक राष्ट्र, एक चुनाव" वास्तव में संघीय संरचना को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है।

- जयसिंह रावत

एकात्म मानववाद के प्रणेता पं दीनदयाल उपाध्याय

एक संगोष्ठी में एक शोधार्थी ने मुझसे पूछा कि 'क्या दीनदयाल जी भाजपा के गांधी हैं?' तो मेरा उत्तर था कि दीनदयाल जी भारतीय जनता के दीनदयाल हैं। उनके मन-मस्तिष्क में केवल और केवल भारत के उत्थान की चिंता थी। वे विकास के नाम पर पश्चिमी विचारधारा के अंधानुसरण के विरोधी थे। भारतीय संस्कृति के श्रेष्ठ गुणों को ग्रहण करने तथा हर रूढ़ियों, अंधविश्वासों के त्याग के अनन्य समर्थक दीनदयाल जी ने साम्यवाद, समाजवाद, पूँजीवाद जैसे पश्चिमी मॉडल के स्थान पर एकात्म मानववाद की भारतीय अवधारणा प्रस्तुत की। इसे संयोग कहा जा सकता है कि ग्राम विकास की उनकी विचारधारा अन्त्योदय गांधी जी के सर्वोदय विचार से काफी निकट थी। गांधी जी ने हिंद स्वराज सहित अन्य स्थानों पर जो कुछ कहा, स्वतंत्रता के पश्चात् देश की सत्ता पर विराजित उनके शिष्यों का आचरण उसके पूर्णतः विपरीत रहा लेकिन लगातार सत्ता में रही कांग्रेस ने गांधी नाम का भरपूर राजनीतिक लाभ लिया। सरकारी मशीनरी की मदद से गांधी नाम और चित्र डाक टिकट से मुद्रा, सरकारी योजनाओं के नामकरण से पाठ्यक्रम तक, हर नगर-महानगर में गांधी नगर, गांधी चौक, गांधी मार्ग सहित विभिन्न रूपों में बहुप्रसारित हुआ जबकि दीनदयाल के दल जनसंघ के लंबे समय तक विपक्ष में रहने के कारण सरकारी मशीनरी, जन दबाव अथवा पाठ्यक्रम के माध्यम से प्रसार का प्रश्न ही नहीं उठता लेकिन ज्यों-ज्यों जनता में जागृति बढ़ी, बिना किसी प्रभाव अथवा दबाव के दीनदयाल जी के दर्शन की जन-जन में स्वीकार्यता बढ़ी है। इसमें कोई

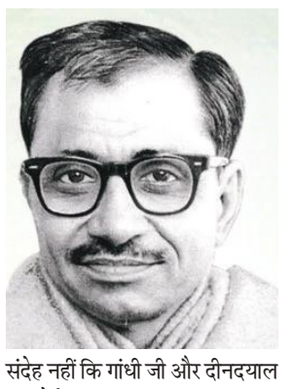

संदेह नहीं कि गांधी जी और दीनदयाल जी दोनों ही असाधारण प्रतिभाएं थीं। दोनों ही विचारक, प्रतिभा सम्पन्न लेखक, सजग पत्रकार, प्रभावी वक्ता, कुशल संगठक, जुझारू आन्दोलनकर्ता थे। दोनों ने जिस विचारधारा का प्रतिनिधित्व किया, न केवल उस पर बल्कि सम्पूर्ण परिवेश पर अपनी छाप छोड़ी। सरलता, सादगी को अपना जीवन ध्येय बनाया। अपनी बात को बेबाकी से प्रस्तुत करने का मनोबल और साहस दोनों में विद्यमान था। गांधी जी अथवा दीनदयाल जी की राजनीतिक विचारधारा से किसी की भी असहमति हो सकती है लेकिन उनके सामाजिक चिंतन को जानने के बाद वह उनका प्रशंसक ही होगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जन्म (25 सितंबर 1916) गांधी जी के (2 अक्टूबर, 1869) के 47 वर्ष बाद हुआ। उनका राजनीति में आगमन गांधी जी के देहावसान के बाद हुआ। इसे संयोग कहा जाएगा कि दोनों के विचारों में अनेक स्थानों पर समानता दिखाई देती है। यदि हम गांधी-दर्शन को जानना चाहते हैं तो हमें समय-समय पर गांधी जी द्वारा अपने समाचार पत्रों में लिखे लेखों तथा उनके भाषणों के संकलन गांधी वांड्मय की मदद लेनी पड़ती है। इसी तरह दीनदयाल जी को समझने में उनके लेख तथा कुछ विशेष अवसरों पर दिए गए व्याख्यान हमारी मदद करते हैं। यह सर्वज्ञात है कि गांधी जी का बाल्यकाल अपेक्षाकृत बेहतर था। उनके पिता राजकोट के दीवान थे जबकि दीनदयाल जी छोटी आयु में ही माता-पिता की छाया से वंचित हो गये थे। उनके नाना ने उन्हें पाला और संभाला। गांधी जी शानदार अल्फ्रैड स्कूल के छात्र रहे जबकि दीनदयाल जी की शिक्षा सामाजिक सहयोग और छात्रवृत्ति पर आश्रित थी। गांधीजी उच्च शिक्षा के लिए विदेश गये जबकि दीनदयाल जी की उच्च शिक्षा कानपुर और आगरा में हुई। गांधी जी स्वयं इंग्लैड में अपने जीवन चरित्र के विचलन को स्वीकार करते हैं तो दूसरी ओर दीनदयाल जी अखंड ऋषिकल्प थे। अफ्रीका में हुए दुर्व्यवहार ने गांधी जी को आंदोलित किया तो दीनदयाल जी अपने परिवेश में समाज की दुर्दशा को देख समाज कार्य से जुड़े। गांधी जी सूट, बूट, टाई वाले बैरिस्टर थे। चम्पारण की एक घटना ने उन्हें सूट, टाई छोड़ने के लिए प्रेरित किया जबकि दीनदयाल जी आरंभ से ही सादगी से जीवनयापन करते थे। दोनों मेहनती थे। अपने हाथों अपना काम करते थे। दीनदयाल जी अनेक बार अपने साथियों के लिए भी भोजन बनाते थे। रेल के साधारण डिब्बे में यात्रा करते थे। गांधी नियमित रूप से कुछ पत्र-पत्रिकाओं के लिए लिखते थे तो दीनदयाल जी भी नियमित लेखन करते थे। दोनों को गंभीरता से समझने में यत्र-तत्र प्रकाशित उनके लेखों से मदद मिलती है। गांधी जी की तरह दीनदयाल जी भी किसी संवैधानिक पद पर नहीं रहे लेकिन उन्हें जो महत्व मिला, वह उनके विचारों और आचरण के कारण मिला। यदि हम भाषा को लेकर दोनों के विचारों को जानने का प्रयास करें तो यहाँ भी बहुत साम्य मिला है। दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी के बच्चों का शिक्षक उन्हें अंग्रेजी सिखाने पर बल दे रहा था लेकिन गांधी जी का कहना था कि अंग्रेजी या अन्य कोई भी भाषा जीवन में कभी भी सीखी जा सकती है लेकिन मातृभाषा आरंभ से ही सीखना अनिवार्य है। उन्होंने विभिन्न अवसरों पर हिंदी और भारतीय भाषाओं का पक्ष लिया। दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के गठन में उनकी भूमिका थी। यह बात अलग है कि अपनी राजनीतिक विवशताओं के कारण वे बाद में हिंदी की बजाए उर्दू-फारसी प्रभाव वाली हिंदुस्तानी के पक्षधर हो गये। यह विशेष उल्लेखनीय है कि 15 अगस्त, 1947 को बीबीसी को दिए साक्षात्कार में अंग्रेजी में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा था, 'कह दो दुनिया वालों से गांधी अंग्रेजी भूल चुका है।' लेकिन दुर्भाग्य है कि भारत के भाग्य विधाता बने गांधी के मानस पुत्र अंग्रेजी मोह नहीं छोड़ पाए। दीनदयाल जी भारतीय भाषाओं के प्रबल पक्षधर थे। उनका आग्रह था कि 'सबसे पहले गुलामी की भाषा अंग्रेजी को भारत के राजकाज से मुक्त किया जाए। अंग्रेजी हटेगी तो उसका स्थान हर राज्य में वहाँ की स्थानीय भाषा को मिलेगा और राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी को सम्मान मिलेगा।' दीनदयाल जी प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में देने के पक्षधर थे। उन्होंने हिंदी और भारतीय भाषाओं के संवर्धन और उन्हें लोक व्यवहार से राजभाषा तक का दर्जा देने की वकालत की।

- डा. विनोद बब्बर

नवरात्रि का माहात्म्य

नवरात्र भारतीय संस्कृति का एक ऐसा पर्व है जो केवल धार्मिक आचरण तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के हर पहलू को स्पर्श करता है। यह पर्व वर्ष में दो बार आता है चैत्र और आश्विन मास में और दोनों ही बार यह ऋतु परिवर्तन के संधि-काल में अपना विशेष महत्व लेकर आता है। नवरात्रि, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, नौ रात्रियों का उत्सव है। ये नौ रातें और नौ दिन देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना के लिए समर्पित होते हैं, जो शक्ति, ज्ञान, समृद्धि और शांति के प्रतीक हैं। नवरात्रि की शुरुआत घटस्थापना के साथ होती है, जहाँ एक मिट्टी के घड़े में जौ बोए जाते हैं। यह जीवन के अंकुरण, नई शुरुआत और समृद्धि का प्रतीक है। अगले नौ दिनों तक, देवी के नौ रूपों की पूजा का एक विशेष क्रम होता है। प्रत्येक दिन देवी के एक अलग रूप की आराधना की जाती है, जो मानव जीवन के विभिन्न आयामों को दर्शाता है। शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक का यह सफर केवल पूजा अर्चना का ही नहीं, बल्कि आत्मिक उन्नति और आंतरिक शुद्धि का भी मार्ग प्रशस्त करता है। इस पर्व का सबसे गहरा महत्व इसकी आध्यात्मिकता में निहित है। मान्यता है कि इन्हीं नौ दिनों में देवी दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस का वध किया था। इसलिए यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बन गया है। यह हमें सिखाता है कि हमें अपने अंदर की काम, क्रोध, मोह, लोभ और अहंकार जैसे दसों प्रकार के राक्षसों पर विजय प्राप्त करनी चाहिए। दसवें दिन दशहरा मनाया जाता है, जो विजय का प्रतीक है। नवरात्रि केवल पूजा पाठ का ही पर्व नहीं है, बल्कि यह सामाजिक एकता और सांस्कृतिक उल्लास का भी अवसर है। गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में गरबा और डांडिया का आयोजन इसका उदाहरण है। रातभर चलने वाले इन नृत्यों में समुदाय के सभी लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ मिलकर नृत्य करते हैं। यह सामाजिक सद्भाव और सामूहिक उल्लास का अनूठा दृश्य होता है। घरों में रंगोली बनाने, दीये जलाने और पारंपरिक वस्त्र पहनने की परंपरा हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखती है। इस पर्व का एक वैज्ञानिक पक्ष भी है। ऋतु परिवर्तन के इस समय में उपवास रखना और सात्विक आहार लेना शरीर के लिए अत्यंत लाभदायक होता है। यह शरीर को शुद्ध करने, पाचन तंत्र को आराम देने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक होता है। इस प्रकार, नवरात्रि शरीर, मन और आत्मा तीनों के लिए शुद्धि का कार्य करती है। नवरात्रि का संदेश अत्यंत सारगर्भित है। यह हमें बाहरी आडंबरों से ऊपर उठकर आंतरिक शुद्धि की ओर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा देती है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में सफलता और शांति के लिए आवश्यक है कि हम अपने अंदर की नकारात्मक शक्तियों पर विजय प्राप्त करें और सकारात्मक ऊर्जा को अपनाएं। नवरात्रि आस्था, संस्कृति और विजय का अनूठा संगम है, जो हमें न केवल बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा देती है, बल्कि समाज में एकता और प्रेम का संदेश भी फैलाती है। यही कारण है कि सदियों से यह पर्व हमारी सांस्कृतिक चेतना का एक अभिन्न अंग बना हुआ है।

- विवेक रंजन श्रीवास्तव

आज का कार्टून

साभार

जातिवादी राजनीति पर लगाम

भारत में जाति की समस्या इतनी गहन है कि सम्पूर्ण समाज को यह अपने चंगुल में लपेटे हुए हैं। जन्म के आधार पर जातिगत पहचान का प्रयोग समाज में ऊंच-नीच का निर्धारण करने के लिए बेखौफ तरीके से होता है। मूल रूप से यह समस्या हिन्दू समाज की है जिसका प्रभाव अन्य धर्मावलम्बियों पर भी इस प्रकार पड़ा है कि धर्म परिवर्तन के बावजूद लोग अपनी जाति छोड़ने के लिए तैयार नहीं होते हैं। समूचे विश्व में यह समस्या केवल भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के बीच ही है और इसमें हिन्दू-मुसलमान सभी आते हैं परन्तु जब जाति का प्रयोग राजनीति में होने लगता है तो इससे लोकतन्त्र का वह उद्देश्य असफल हो जाता है जिसे राजनीतिक व सामाजिक बराबरी और स्वतन्त्रता कहा जाता है। समाज में यह बीमारी इस कदर व्याप्त है कि उन राजनीतिज्ञों को भी जातिगत दायरे में समेट देती है जो जीवनभर जातिवाद के विरुद्ध संघर्ष करते रहे। इस क्रम में सबसे बड़ा नाम स्व. चौधरी चरण सिंह का लिया जा सकता है जो आचार-विचार में पूरे आर्य समाजी थे और जातिवाद के घनघोर विरोधी थे मगर जातिवादी राजनीति के जंजाल ने उन्हें 'जाट नेता' बना कर रख दिया। भारत विशेषकर उत्तर भारत की राजनीति में 1990 के बाद से जाति आधारित राजनीतिक दलों की बाढ़ सी आ गई। हालांकि दक्षिण भारत के तमिलनाडु में भी यह बीमारी अछूती नहीं रही है परन्तु उत्तर भारत के इन जातिवादी दलों ने राजनीति को इस प्रकार प्रभावित किया कि एक नागरिक मतदाता की पहचान जाति बनकर रह गई। जाति संख्या के बल के आधार पर राजनीति होने लगी और सरकारी फैसले भी इसके चश्मे से ही देखे जाने लगे। इसमें सबसे बड़ा नुक्सान समूचे समाज की सोच का हुआ जो कि बजाये आगे देखने के पीछे की ओर देखने लगी और जाति में गौरव की तलाश करने लगी। विभिन्न जातिगत समाज के राजनीतिक सम्मेलन होने लगे जिनमें खुलेआम किसी खास पार्टी के प्रत्याशी का समर्थन करने की बातें होने लगीं। मगर इस सन्दर्भ में हमें अनुसूचित जाति व जनजाति के समाज को अलग करके देखना होगा क्योंकि उनके साथ भारतीय समाज स्वतन्त्रता से पहले तक जानवरों जैसा व्यवहार करता था और इन्हें अस्पृश्य बताता था। जन्मगत जाति के आधार पर फैले सामाजिक भेदभाव को दूर करने के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वतन्त्रता आन्दोलन के समानान्तर ही जबर्दस्त आन्दोलन चलाया और इन जातियों के लोगों को हरिजन नाम दिया जिससे समाज में उन्हें सम्मानजनक रूप में देखा जा सके। इसके साथ ही संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने अनुसूचित जाति के लोगों को समान अधिकार दिलाने के लिए प्रबल अभियान छेड़ा और इन जातियों को राजनीतिक रूप से सबल बनाने के लिए पृथक चुनाव मंडल की मांग की जिस पर महात्मा गाधी ने घोर आपत्ति दर्ज की और हरिजनों को हिन्दू समाज का ही अंग माना और अपनी मांग के समर्थन में भूखहड़ताल तक की, जिसकी वजह से 1932 में महात्मा गांधी व डॉ. अम्बेडकर के बीच पुणे समझौता हुआ जिसमें हरिजनों के लिए पृथक चुनाव मंडल के स्थान पर आरक्षण देने का प्रावधान था। अतः स्वतन्त्रता प्राप्ति के साथ ही भारतीय संविधान में यह व्यवस्था की गई परन्तु वर्तमान भारत में अनुसूचित जाति के लोगों की समस्या मूल रूप से सर्वांगीण विकास की है जिसमें शिक्षा से लेकर सभी सामाजिक क्षेत्र आते हैं। इस वर्ग के लोगों की हालत आजादी के 78 वर्ष पूरे हो जाने के बावजूद दयनीय बनी हुई है। अतः इनके संगठनों को जातिगत दायरे से बाहर रखा जा सकता है। क्योंकि बाबा साहेब अम्बेडकर सीखा कर गये हैं कि शिक्षित बनो, संगठित रहो और आगे बढ़ो परन्तु हिन्दू समाज की अन्य जातियों पर यह सिद्धान्त लागू नहीं होता क्योंकि ये जातियां दलितों या हरिजनों पर जुल्म ढहाने वाली जातियां रही हैं। अतः इन जातियों के समूहगत प्रयास यदि राजनीति को प्रभावित करने के होते हैं तो उसे हम लोकतन्त्र के तहत मिले समान अधिकारों की अवमानना ही कहेंगे क्योंकि भारतीय संविधान के अनुसार कोई भी पार्टी चुनावों में धर्म, सम्प्रदाय या समुदाय को मुद्दा नहीं बना सकती परन्तु जातिगत आधार पर शोषण का उल्लेख कर सकती है और संविधान के अनुसार जातिविहीन समाज की संरचना का संकल्प दोहरा सकती है।

सेवा गारंटी पखवाड़े में 8 हजार से अधिक पाणंद सड़कों का सर्वेक्षण

जिलाधिकारी जितेंद्र डुडी ने दी यह जानकारी

महानगर नेटवर्क

पुणे

छत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व अभियान अंतर्गत जिले में चल रहे सेवा गारंटी पखवाड़े में अब तक कुल 8 हजार 770 शिव पाणंद सड़कों का सर्वेक्षण किया गया है। यह जानकारी जिलाधिकारी जितेंद्र डुडी ने दी। जुन्नर तालुका में 2 हजार 986, पुरंदर 240, वेल्हा 379, भोर 321, बारामती 308, इंदापूर 156, आंबेगाव 1 हजार 996, शिरुर 1 हजार 77, खेड़ 159, मावळ 273, मुळशी 282, हवेली 165, पिंपरी-चिंचवड 5, लोणी काळभोर 185 और दौंड 238 तालुका में मिलाकर कुल 8 हजार 770 सड़कों का सर्वेक्षण पूरा हुआ। जुन्नर तालुका में 3 हजार 556, पुरंदर 8, वेल्हा 5, भोर 97, बारामती 11, इंदापूर 156, आंबेगाव 45, शिरुर 936, खेड़ 73, मावळ

4, मुळशी 4, हवेली 4, पिंपरी-चिंचवड 5, लोणी काळभोर 8 और दौंड 159 तालुका में मिलाकर कुल 5 हजार 71 शिव पनंद सड़कों की संकेतांक (आईडेंटिफिकेशन नंबर) निश्चित किए गए।

रास्ता लोक अदालत में 89 प्रकरण निकाले गए

जुन्नर तालुका में 4, पुरंदर 8, वेल्हा 7, भोर 6, बारामती 11, आंबेगाव 29, शिरुर 80, खेड़ 11, मावळ 12, मुळशी 12, हवेली 15 और दौंड 9 इस प्रकार कुल 204 रस्ता लोक अदालतें आयोजित की गईं। इनके माध्यम से खेत रास्तों से संबंधित कुल 89 मामले निपटाए गए।खेती तक पहुंच के लिए सड़क उपलब्ध कराने को लेकर संबंधित व्यक्तियों से 265 सहमति पत्र प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही 414 खेत रास्तों का मापन एवं सीमांकन किया गया है, ऐसी जानकारी जिलाधिकारी श्री. डुडी ने दी।

पुरंदर विमानतल के लिए सात गांवों में जमीन की पैमाइश शुक्रवार से शुरू

महानगर नेटवर्क

पुणे

पुरंदर विमानतल परियोजना के लिए अब सातों गांवों में जमीन देने वाले किसानों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सहमति की समय सीमा बढ़ाए जाने के बाद मंगलवार तक लगभग 94 प्रतिशत किसानों ने जमीन देने की सहमति दे दी है। आगामी शुक्रवार (26 सितंबर) से जमीन मापी (मोजणी) की प्रक्रिया शुरू होगी और यह कार्य 20 अक्टूबर तक पूरा करने का जिला प्रशासन का लक्ष्य है। पुरंदर तालुका के कुंभारवळण, एखतपूर, पारगाव, मुंजवडी, खानवडी, उदाची वाडी और वनपुरी गांवों में यह विमानतल बनाया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन ने 25 अगस्त से किसानों से जमीन देने की सहमति लेने की प्रक्रिया शुरू की थी। 18 सितंबर तक लगभग 90 प्रतिशत किसानों ने सहमति दी थी। समय सीमा समाप्त होने के बाद कुछ किसानों और सरंपचों ने समय बढ़ाने की मांग की, जिस पर जिल्हाधिकारी जितेंद्र डुडी ने 25 सितंबर तक सहमति की समय सीमा बढ़ा दी। समय सीमा बढ़ने के बाद और अधिक किसान जमीन देने के लिए आगे आए। पिछले महीने से भू-संपादन उपविभागीय समन्वयक और अधिकारी सासवड में जाकर किसानों से प्रत्यक्ष सहमति लेने की प्रक्रिया में जुटे हुए हैं, जिससे सहमति प्राप्त करने की प्रक्रिया में तेजी आई है। विमानतल के लिए लगभग 3,000 एकड़ जमीन लेने का लक्ष्य है। इसमें से 2,700 एकड़ से अधिक जमीन देने के लिए किसानों ने सहमति दी है, जिससे परियोजना के लिए 100 प्रतिशत सहमति मिल रही है। तालुका के सातों गांवों में सरकार की लगभग 200 एकड़ जमीन भी शामिल है, जिससे कुल मिलाकर 2,900 एकड़ से अधिक जमीन उपलब्ध होगी। जिल्हाधिकारी जितेंद्र डुडी ने बताया कि "पुरंदर विमानतल के लिए जमीन देने में किसानों की सहमति 66 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है।

एकवीरा माता मंदिर की सुविधाओं का उपसभापति डॉ. नीलम गोरे ने की समीक्षा

मंदिर प्रांगण में सभा मंडप निर्माण हेतु 15 लाख रुपये देने की घोषणा

महानगर नेटवर्क

पुणे

मावल तालुका, कार्ला स्थित प्राचीन और पवित्र एकवीरा माता मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए सभा मंडप बनाने हेतु विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोरे ने अपने विधायक निधि से 15 लाख रुपये देने की घोषणा की है। सार्वजनिक बांधकाम विभाग से 'ना हरकत प्रमाणपत्र' प्राप्त होते ही मंडप का कार्य तात्काळ आरंभ किया जाएगा, ऐसा उन्होंने माता के दर्शन के बाद परिसर का निरीक्षण करते हुए कहा। डॉ. गोरे ने बताया कि महाराष्ट्र के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थलों में एकवीरा माता मंदिर का महत्व है। यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि परिसर में पार्किंग, गड्ढों से भरे रास्ते और अन्य आवश्यक कार्य अभी भी लंबित हैं। पीएमआरडीए और एमएमआरडीए के माध्यम से कार्य जारी है, किंतु दोनों यंत्रणाओं में समन्वय आवश्यक है। दिवाली के बाद विधान भवन में विशेष बैठक लेकर लंबित कार्यों पर निर्णय लिया जाएगा और इन्हें शीघ्र गति से पूरा किया जाएगा।

मंदिर प्रशासन की तैयारियों का किया निरीक्षण

नवरात्रोत्सव को ध्यान में रखते हुए डॉ. गोरे ने मंदिर प्रशासन की तैयारियों का भी निरीक्षण किया। पायरी मार्ग पर रेलिंग लगाना, मधुमक्खी हमले से सुरक्षा, लकड़ी की डोली से दर्शन लेने वाले भक्तों की सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ तथा पार्किंग समस्या का निराकरण जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया। "श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है, इस दिशा में सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे," ऐसा आश्वासन डॉ. गोरे ने दिया। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक मान्यवर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की लक्ष्यपूर्ति समयबद्ध रूप से करें : जिलाधिकारी

महानगर नेटवर्क

पुणे

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले के 2 हजार 400 लाभार्थियों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु बैंकों ने समयबद्ध तरीके से कार्यवाही करनी चाहिए, ऐसे निर्देश जिलाधिकारी जितेंद्र डुडी ने समीक्षा बैठक में दिए।जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित इस बैठक में जिला अग्रणी बैंक अधिकारी योगेश पाटिल, जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक अर्चना कोठारी, जिला प्रबंधक पल्लवी वाडेकर सहित जिले के विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक व शाखा प्रबंधक उपस्थित थे। डुडी ने बताया कि अब तक केवल 199 लाभार्थियों को ही ऋण स्वीकृत किया गया है, जो पुणे जिले के दृष्टिकोण से अत्यंत असंतोषजनक है। उन्होंने कहा कि संशोधित मार्गदर्शक सूचनाओं के अंतर्गत नए व्यवसायों का समावेश, परियोजना लागत सीमा में वृद्धि और आयु सीमा में छूट जैसी सुविधाएं लाभार्थियों को योजना से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। इसलिए निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हेतु कार्यान्वयन यंत्रणा व बैंक दोनों को प्रभावी कदम उठाने होंगे।

पुणे पुलिस आयुक्त ने की आदिशक्ति माता सच्चीयाय देवी की आरती

महानगर नेटवर्क

पुणे

पुण्यनगरी की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के अंतर्गत इस वर्ष नवरात्रि के पावन पर्व पर आदिशक्ति माता सच्चीयाय देवी श्रीमद् भागवत कथा एवं नवरात्रि कीर्तन महोत्सव भव्य रूप से आयोजित किया गया है। नाम, ज्ञान, प्रेम और दान का संगम कराने वाले इस धार्मिक आयोजन में भक्तिसंगीत, पारायण, हरिपाठ, कीर्तन एवं महाप्रसाद का कार्यक्रम श्री दगड जीवदया संस्था के पास, आगम जैन मंदिर के सामने, कात्रज, पुणे में चल रहा है। आज पुणे के पुलिस आयुक्त अमितेश

कुमार ने माता का दर्शन कर पुणेकरों को नवरात्रि की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर श्री सुसवाणीमाता सच्चीयायमाता चैरिटेबल ट्रस्ट के आयोजक प्रमोद दुगड, मोनल दुगड सहित अन्य मान्यवर उपस्थित रहे। इस मौके पर पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने कहा कि, "पुणेकरों को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ। आज दुगड परिवार के निमंत्रण पर माता सच्चीयाय देवी की आरती करने का अवसर मिला। उन्होंने दुगड परिवार द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक उपक्रमों की भी सराहना की। मोनल दुगड ने बताया कि "35 वर्ष पूर्व माणिकशेठ दुगड ने आदिशक्ति माता सच्चीयाय देवी मंदिर का निर्माण किया था। यहाँ नवरात्रि में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम होते हैं। इसमें ज्ञानेश्वरी पारायण, स्त्री सूक्त पाठन के साथ-साथ गोशाला भी है, जहाँ 400 से अधिक गायों का पालन-पोषण किया जाता है।

सामाजिक न्याय विभाग के छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

पुणे। राजगुरुनगर (ता. खेड, जि. पुणे) स्थित सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता विभाग अंतर्गत संचालित बी.सी.ई.बी.सी. कन्या शासकीय छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। यहाँ कक्षा 8वीं एवं उससे उच्च कक्षा में अध्ययनरत पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विमुक्त जाति भटक्या जमाती, अन्य मागास प्रवर्ग, विशेष मागास प्रवर्ग, दिव्यांग एवं अनाथ छात्राओं को शासन द्वारा निर्धारित टक्केवारी के अनुसार रिक्त जागाओं पर प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश प्राप्त छात्राओं को शासन की ओर से निःशुल्क निवास, भोजन, स्टेशनरी सामग्री, बिस्तर-पोशाक उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही प्रतिमाह 500 रुपये निर्वाह भत्ता तथा 100 रुपये स्वच्छता प्रसाधन हेतु प्रदान किए जाएंगे।

शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए सभी पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया 11 जून 2025 से शुरू हुई है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2025 निर्धारित की गई है। छात्राओं को ऑनलाइन आवेदन https://hmas.mahait.org इस पोर्टल पर भरना अनिवार्य है।

पुणे शहर में चलेंगी आठ 'डबल डेकर' बसें

■ आय बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्तर के सलाहकार की नियुक्ति पर विस्तृत चर्चा

महानगर नेटवर्क

पुणे

'पुणे महानगर परिवहन महामंडल लिमिटेड (पीएमपी) कंपनी घाटे में चल रही है। कंपनी को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए निदेशक मंडल ने बस रूटों को सुव्यवस्थित करने, नई बसें खरीदने सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में 'पीएमपी' के डिपो को व्यावसायिक रूप से विकसित करने और आय बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्तर के सलाहकार की नियुक्ति पर विस्तृत चर्चा हुई,' 'पीएमपी' के निदेशक और मनपा आयुक्त नवलकिशोर राम ने बताया। 'पीएमपीएमएल' कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक हुई। बैठक के बाद मनपा भवन में पत्रकारों से बात करते हुए आयुक्त नवलकिशोर राम ने बैठक में चर्चा किए गए विभिन्न मुद्दों की जानकारी दी। राम ने कहा, 'जब तक पीएमपी आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं हो जाता, तब तक कोई समाधान नहीं है। इसके लिए बसों की संख्या बढ़ाने का मुद्दा चर्चा में आया। यात्रियों की सुविधा के लिए एक हजार नई सीएनजी बसें खरीदने का मुद्दा एजेंडे में था।

इसमें 'टाटा' और 'अशोक लेलैंड' कंपनियों से बसें खरीदने के मुद्दे पर चर्चा हुई। यात्रियों की सुविधा के लिए, 'पीएमपी' के बेड़े में आठ डबल डेकर बसें शामिल की जाएँगी। इनका 'ट्रायल रन' भी हो चुका है। जिन रूटों पर ये डबल डेकर बसें चलेंगी, उनमें पेड़ की टहनियाँ, लटकते तार जैसी बाधाएँ नहीं होनी चाहिए। डबल डेकर बसों के लिए केवल उन्हीं रूटों का चयन किया जाएगा जहाँ ये बाधाएँ न हों। प्रायोगिक तौर पर चार रूटों पर आठ बसों का परीक्षण किया जाएगा। उसके बाद ही ये बसें सेवा के लिए उपलब्ध होंगी। नगर आयुक्त नवल किशोर राम ने कहा, "'पीएमपी' द्वारा वर्तमान में जिन रूटों पर सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं, उन्हें सुव्यवस्थित करना आवश्यक है। कम आय और सीमित यात्री संख्या के बावजूद कुछ रूटों पर पीएमपी बसें चलाई जा रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमृत महोत्सवी जन्मदिन पर भव्य चित्रकला प्रतियोगिता

महानगर नेटवर्क

पुणे

अखिल कसबा शिवजयंती उत्सव समिति के अध्यक्ष तथा आदर्श गणेश उत्सव कार्यकर्ता पुरस्कार 2025 से सम्मानित योगेश हरिश्चंद्र जगताप के मार्गदर्शन में "अखंड हिंदुस्थान का कवच-कुंडल" उपक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमृत महोत्सवी जन्मदिन के अवसर पर एक भव्य चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

यह प्रतियोगिता 17 सितंबर को संत गाडगेबाबा धर्मशाला, सोमवार पेठ में संपन्न हुई। कसबा पेठ, सोमवार

पेठ, रास्ता पेठ और मंगळवार पेठ की विभिन्न शालाओं के लगभग 1200 छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चित्रकला में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक उपयुक्त मंच प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों की प्रेरणादायी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाना तथा विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार करना था।

कार्यक्रम का उद्घाटन कसबा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री हेमंतकाका रासने ने किया।

निशानेबाजी खेल के आवासीय प्रशिक्षण प्रवेश हेतु आज चयन परीक्षा

पुणे। खेलो इंडिया राज्य निपुणता केंद्र में नेमबाजी (शूटिंग) खेल के लिए प्रवेश प्रक्रिया अंतर्गत श्री शिवछत्रपती क्रीडा संकुल, बालेवाडी, पुणे में गुरुवार, 25 सितंबर 2025 को चयन परीक्षा आयोजित की जाएगी। इच्छुक खिलाड़ियों को सुबह 9 बजे तक उपस्थित रहने का आवाहन क्रीड़ा एवं युवक सेवा उपसंचालक युवराज नाईक ने किया है।चयन परीक्षा विशेषज्ञ समिति के माध्यम से ली जाएगी और खिलाड़ियों को प्राप्त अंकों के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। केवल वही खिलाड़ी पात्र होंगे जिन्होंने राज्य स्तर पर प्राविण्य प्राप्त किया हो या राष्ट्रीय स्तर पर भाग लिया हो। चयन प्रक्रिया हेतु मानक तय किए गए हैं। पात्र खिलाड़ी 24 सितंबर 2025 को दोपहर 12 बजे तक अपना आवेदन kiscepune@gmail.com इस ईमेल पते पर भेज सकते हैं।चयन परीक्षा के लिए आने वाले खिलाड़ियों को निवास और भोजन की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। परीक्षा के समय राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की खेल उपलब्धियों के प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, जन्म प्रमाणपत्र और शैक्षणिक कागजातों की छायांकित एवं मूल प्रति साथ लाना अनिवार्य होगा। प्रवेश निश्चित होने के बाद निवास और भोजन की व्यवस्था की जाएगी।खिलाड़ी का जन्म 1 जनवरी 2005 के बाद का होना आवश्यक है।

काम से निकाले जाने के गुस्से में सुपरवाइज़र की बेटी का अपहरण

पुणे। पुणे शहर में अपराध की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। गैंगवार, गोलीबारी और हत्याओं जैसी घटनाएं लगातार हो रही हैं। इसी क्रम में पुणे के उच्चवर्गीय विमाननगर इलाके में एक चौंकाने वाली घटना घटी। काम से निकाले जाने के गुस्से में दो मजदूरों ने अपने सुपरवाइज़र की तीन साल की बेटी का अपहरण कर लिया। हालांकि, विमानतल पुलिस ने कुछ ही घंटों में साहसिक कार्रवाई करते हुए अपहृत बच्ची को सुरक्षित माता-पिता के पास लौटा दिया। शिवशंकर कुमार पासवान (26) ने पुलिस को शिकायत दी कि उनकी बेटी कशीश (3) 22 सितंबर की शाम लगभग पांच बजे अचानक गायब हो गई। जांच में आरोपियों के रूप में प्रिंस पॉल (25) और ओमनारायण पासवान (20, दोनों निवासी लेबर कैंप, म्हाडा कॉलनी, विमाननगर, मूल निवासी बिहार) के नाम सामने आए। शिकायत में यह संदेह व्यक्त किया गया कि काम से निकाले जाने के गुस्से में ही दोनों ने बच्ची का अपहरण किया। शिकायत दर्ज होते ही वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गोविंद जाधव के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक नितिन राठोड, एपीआई संतोष शिंदे और शिरसाट के नेतृत्व में दो विशेष टीमों का गठन किया गया।

मणिपाल हॉस्पिटल में मिनिमली इन्वेजिव प्रक्रिया द्वारा हार्ट वाल्व रिप्लेसमेंट

पुणे। मणिपाल हॉस्पिटल, खराड़ी, पुणे के कार्डियोलॉजिस्ट्स ने एक 70 वर्षीय महिला की ट्रांसकैथेटर आयोर्टिक वॉल्व इंप्लांटेशन (टीएवीआई) के साथ बैलून असिस्टेट बैसिलिका सर्जरी की। इस महिला को गंभीर आयोर्टिक स्टेनोसिस के साथ कई अन्य समस्याएं भी थीं। मरीज का मोटापे, हाईपरटेंशन, हाईपोथायरायडिज़्म, सीओपीडी और ओएसए का इतिहास रहा था। गंभीर आयोर्टिक वाल्व स्टेनोसिस के कारण उन्हें डिस्पनिया और छाती में दर्द की शिकायत थी। ओपन हार्ट वॉल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी करने पर उनकी

मृत्यु या गंभीर रूप से बीमार होने का जोखिम काफी अधिक था। इस सर्जरी के जोखिम और रिकवरी में लगने वाले समय को देखते हुए परिवार ने ओपन हार्ट सर्जिकल वॉल्व रिप्लेसमेंट कराने की बजाय मिनिमली इन्वेज़िव प्रक्रिया कराने का निर्णय लिया। इसलिए डॉक्टरों ने उनसे ट्रांसकैथेटर आयोर्टिक वॉल्व इंप्लांटेशन (टीएवीआई) कराने के लिए कहा। इसके बारे में डॉ. तन्मय यरमल जैन, कंसल्टैंट इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट, मणिपाल हॉस्पिटल, खराड़ी ने कहा, 70 वर्ष के मरीज को गंभीर सिंप्टोमेटिक आयोर्टिक स्टेनोसिस होने के कारण आयोर्टिक वॉल्व रिप्लेसमेंट करना जरूरी था।

पुणे को अब एक अलग आईआईएम मिलने के बजाय उप-केंद्र मिलेंगे

पुणे। पुणे को अब एक अलग आईआईएम मिलने के बजाय उप-केंद्र मिलेंगे। शिक्षा के गढ़ पुणे को अभी तक आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे बड़े केंद्रीय सरकारी संस्थान नहीं मिले हैं। इसके लिए कई बार मांग की गई। हालांकि, अब पुणे और इसके आसपास आईआईएम उप-केंद्र खुल गए हैं। जबकि पुणे शहर और जिले में प्रबंधन विज्ञान में डिप्लोमा और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले लगभग सौ संस्थान हैं, सवाल यह है कि आगामी आईआईएम केंद्रों से वास्तव में क्या हासिल होगा। सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय से संबद्ध कई शैक्षणिक संस्थानों द्वारा प्रबंधन विज्ञान पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। इसके अलावा, कई निजी विश्वविद्यालयों में भी प्रबंधन विज्ञान पाठ्यक्रम हैं। इनमें से कुछ संस्थान और उनके पाठ्यक्रम भी प्रसिद्ध हैं। इसलिए, जबकि प्रबंधन विज्ञान पाठ्यक्रमों की पहले से ही भीड़ है, अब इसमें आईआईएम को जोड़ा जाएगा। हालांकि, कई वर्षों की मांग के बावजूद, पुणे को अब एक अलग आईआईएम मिलने के बजाय उप-केंद्र मिलेंगे। मोशी में आईआईएम नागपुर का एक उप-केंद्र स्थापित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने इसके लिए 70 एकड़ जमीन मंजूर की है।

'टीआईई वीमेन ग्लोबल पिच प्रतियोगिता 2025 'का आयोजन

पुणे। ग्लोवेट्रिक्स, एक ऐसी कंपनी जो बधिर और वाणी-बाधित लोगों को वास्तविक समय में सांकेतिक भाषा को भाषण में अनुवादित करने वाली एआई-पॉवर्ड वियरेबल टेक के माध्यम से स्वतंत्र रूप से संवाद करने में सक्षम बनाती है, ने आज आयोजित टीआईई वीमेन ग्लोबल पिच प्रतियोगिता 2025 के पुणे चैप्टर के फाइनल में जीत हासिल की, जिसमें पुणे क्षेत्र के सबसे होनहार वीमेन-लेड स्टार्टअप्स ने भाग लिया था। यह टीआईई ग्लोबल एक गैर-लाभकारी संगठन, का एक हिस्सा है जो उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

जेबीटी मरेल ने किया भारत में ग्लोबल प्रोडक्शन सेंटर का उद्घाटन

महानगर नेटवर्क

पुणे

फूड प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी में ग्लोबल लीडर, जेबीटी मरेल ने आज भारत में अपने ग्लोबल प्रोडक्शन सेंटर (जीपीसी) का उद्घाटन किया। यह कंपनी के भारतीय और एशिया-पेसिफिक बाजारों को विश्व-स्तरीय समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है। जेबीटी मारेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, विवान कोहली औद्योगिक एस्टेट, ओल्ड मुंबई पुणे हाईवे, नायगांव, तालुका- मावल, वडगांव, पुणे में नई सुविधा का उद्घाटन जेबीटी मारेल के सीईओ ब्रायन डेक, ऑगस्टो रिज़ोलो, ईवीपी - एपीएससी और लैटिन अमेरिका,

प्रिपेयर्ड फूड्स के ईवीपी बॉब पेट्री और जैक मार्टिन , ईवीपी - सप्लाई चेन ऑफिसर ने किया। डीएफ एंड एच एशिया-प्रशांत के वरिष्ठ निदेशक मैनुअल कॉफमैन, प्रिपेयर्ड फूड्स के वरिष्ठ निदेशक पेर फ्रीबर्ग, दक्षिण एशिया के उपाध्यक्ष विक्रम मुलमुले, जेबीटी मारेल के दक्षिण एशिया उपमहाद्वीप के संचालन प्रबंधक शिवेंद्र सिंह, आदि भी उपस्थित थे। जीपीसी को उत्पादन बढ़ाने और क्षेत्र में कुशल व पर्यावरण के अनुकूल फूड प्रोसेसिंग की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने वाली आधुनिक तकनीकों को दिखाने के लिए बनाया गया है। इस समारोह में, ऑगस्टो रिज़ोलो, ईवीपी - एपीएससी और लैटिन अमेरिका , ने कहा, "भारत में ग्लोबल प्रोडक्शन सेंटर हमारे लिए एक एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है और यह फूड प्रोसेसिंग में इनोवेशन को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

ग्लोबललॉजिक ने पुणे में खोली अपनी पहली एसटीईएम इनोवेशन लैब

6-9वीं की छात्राओं को मिलेगा प्रैक्टिकल टेक्नोलॉजी स्किल्स सीखने का मौका

महानगर नेटवर्क

पुणे

डिजिटल प्रोडक्ट इंजीनियरिंग में प्रमुख हिताची ग्रुप की कंपनी ग्लोबललॉजिक ने इंडिया एसटीईएम फाउंडेशन के साथ मिलकर पुणे, महाराष्ट्र के रेणुका स्वरूप मेमोरियल गर्ल्स हाई स्कूल में 'रोबो शिक्षा केंद्र' नाम की एसटीईएम इनोवेशन लैब की शुरुआत की। कंपनी की मुख्य सीएसआर पहल "एजुकेट टू एम्पावर" के तहत शुरू की गई यह लैब 6वीं से 9वीं तक की 763 छात्राओं को प्रैक्टिकल और अनुभव आधारित एसटीईएम (साइंस,

टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स) की पढ़ाई कराएगी और साथ ही शिक्षकों को भी ट्रेनिंग देगी—ताकि वे अपनी क्लास में रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इलेक्ट्रॉनिक्स और कोडिंग को पढ़ा सकें। यह अत्याधुनिक सुविधा खास तौर पर उन छात्रों के लिए बनाई गई है जिन्हें ज्यादा संसाधन नहीं मिल पाते, ताकि उनमें इनोवेशन, सोचने की क्षमता और तकनीकी आत्मविश्वास बढ़ सके। उद्घाटन समारोह में डिप्टी डायरेक्टर एससीईआरटी महाराष्ट्र कमला देवी अवाटे और इंडिया एसटीईएम फाउंडेशन के फाउंडर और डायरेक्टर, श्री सुधांशु शर्मा ने ग्लोबललॉजिक की टीम के साथ शामिल होकर कार्यक्रम को और खास बनाया। उनकी उपस्थिति इस बात को दिखाती है कि भारत के युवाओं के लिए डिजिटल टूल्स और नई तकनीकों तक जल्दी पहुँच कितनी महत्वपूर्ण है।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, यूनिट नं.11-12, देह बानू कॉम्पलेक्स, बाफना ज्वेलर्स के पास, नाशिक-पुणे रोड, दत्त मंदिर, नाशिक रोड-422101 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित. ● फोन नंबरः 0253-2469848 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

जीएसटी रिफॉर्म से यूपी के व्यापारियों और ग्राहकों को हुआ अधिक लाभ : सीएम

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन से लागू हुए 'नेक्स्ट जेन GST रिफॉर्म' ने बाजार में नई ऊर्जा भर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को हजरतगंज स्थित यूनिवर्सल बुकसेलर के पास आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि घटे हुए जीएसटी रेट्स से आम उपभोक्ता, व्यापारी और उद्यमी सभी वर्गों को बड़ा लाभ मिल रहा है। इस रिफॉर्म ने जहां उपभोक्ताओं को राहत दी है, वहीं बाजार की मजबूती और रोजगार सृजन का मार्ग भी प्रशस्त किया है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं के मामले में देश का सबसे बड़ा राज्य होने के कारण जीएसटी रिफॉर्म का सबसे अधिक लाभ यूपी के व्यापारियों और ग्राहकों को होगा।

महंगाई से राहत देने की दिशा में बड़ा कदम

इस दौरान उन्होंने जीएसटी रिफॉर्म से संबंधित पंपलेट और बैनर वितरित किए। सीएम ने दुकानदारों और ग्राहकों से संवाद भी किया। सीएम योगी ने कहा कि यह रिफॉर्म भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक थे और देश को महंगाई से राहत देने की दिशा में बड़ा कदम साबित होंगे।

त्योहारों के सीजन में बड़ा कदम

मुख्यमंत्री ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए नोटबुक, पेंसिल और अन्य शैक्षणिक सामग्री पर जीएसटी शून्य कर दिया गया है। इसी तरह ज्यादातर घरेलू उपयोग की आवश्यक सामग्रियों को जीरो या 5 प्रतिशत के दायरे में लाया गया है। जीवन रक्षक 33 प्रकार की दवाओं को भी पूरी तरह से जीएसटी से मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बाजार में खपत बढ़ने से उत्पादन में वृद्धि हुई है। इससे व्यापारी और उद्यमी दोनों को लाभ हुआ है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुले हैं। त्योहारों के सीजन में यह बड़ा कदम उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता राज्य है और इस रिफॉर्म से यहां की अर्थव्यवस्था को विशेष मजबूती मिलेगी। सीएम ने बताया कि जीएसटी लागू होने के बाद देश का कलेक्शन 7 लाख करोड़ से बढ़कर 22 लाख करोड़ तक पहुंचा है, जबकि यूपी में यह 49 हजार करोड़ से बढ़कर 1.15 लाख करोड़ से ऊपर पहुंच चुका है।

बाबरी मस्जिद के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी बोले

धन्नीपुर में मस्जिद नहीं, खेती ही बेहतर...

महानगर नेटवर्क

अयोध्या

अयोध्या में एक बार फिर मस्जिद निर्माण को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। धन्नीपुर में 5 एकड़ जमीन पर मस्जिद का निर्माण इंडो इस्लामिक ट्रस्ट फाउंडेशन के नेतृत्व में होना था। इसी बीच, मस्जिद निर्माण को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई। दरअसल, मस्जिद निर्माण के लिए विकास प्राधिकरण को नक्शा पास कराने के लिए दिया गया था, लेकिन विकास प्राधिकरण ने उस नक्शे को खारिज कर दिया है।

वहीं, बाबरी मस्जिद के पूर्व पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने भी बड़ी मांग की है। इकबाल अंसारी के मुताबिक, धन्नीपुर में मस्जिद की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि वहां पहले से ही बहुत सारी मस्जिदें हैं। उन्होंने आगे कहा कि उस जमीन पर खेती होनी चाहिए और जो भी अनाज पैदा हो, उसे हिंदू और मुसलमान के बीच बांटा जाना चाहिए

ताकि गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल अयोध्या से पेश हो सके।

दरअसल, साल 2019 में मंदिर-मस्जिद विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने राम जन्मभूमि विवाद पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने मंदिर के पक्ष में निर्णय दिया और मुस्लिम समाज को अयोध्या से 22 किलोमीटर दूर धनीपुर में 5 एकड़ जमीन मस्जिद निर्माण के लिए दी. लेकिन, अभी तक वहां मस्जिद का निर्माण शुरू नहीं हो पाया है, जबकि मंदिर का निर्माण पूरा हो चुका है। अब देखना होगा कि मस्जिद निर्माण कब पूरा होगा, लेकिन बाबरी मस्जिद के

अयोध्या राम की नगरी : विनय कटियार

राम मंदिर निर्माण के आखिरी चरण के बीच एक बार फिर से राजनीति गरमा गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख चेहरे रहे पूर्व सांसद विनय कटियार ने प्रस्तावित धन्नीपुर मस्जिद को लेकर बड़ा और विवादित बयान दिया है। पूर्व सांसद विनय कटियार ने कहा है कि हम धन्नीपुर मस्जिद को नहीं जानते हैं। वहां कुछ बनने वाला नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि जो लोग अयोध्या में मस्जिद बनाने की बात कर रहे हैं वो सब हमारी तरफ से खारिज हैं और ऐसा होकर रहेगा। यही नहीं, उन्होंने ये तक कह दिया कि अयोध्या में मस्जिद बनवाने वाले सरयू पार चले जाएं, गोंडा या बस्ती चले

जाएं। अयोध्या राम की नगरी है, यहां सिर्फ राम मंदिर है। विनय कटियार के इस बयान ने एक बार फिर अयोध्या के माहौल को राजनीतिक और धार्मिक दृष्टि से संवेदनशील बना दिया है। ध्यान रहे, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो रहा है और धन्नीपुर गांव में मस्जिद के लिए सरकार की ओर से पांच एकड़ जमीन दी गई थी।

पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी का अपना अलग ही दावा है। इकबाल अंसारी ने बताया कि धन्नीपुर की जमीन बाबरी मस्जिद की थी, जिसे सरकार ने दे दिया, यह अच्छा हुआ। लेकिन, वहां पहले से बहुत मस्जिदें हैं। उन्होंने पहले भी कहा था कि वहां मस्जिद की जरूरत नहीं है।

ओम प्रकाश राजभर से अस्पताल में सीएम योगी ने की मुलाकात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर की तबीयत हाल ही में खराब हुई थी, जिसके बाद उन्हें लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। ओपी मंत्री राजभर के स्वास्थ्य की जानकारी लेने खुद मुख्यमंत्री योगी मेदांता पहुंचे। सीएम के साथ कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद थे। लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कैबिनेट मंत्री ओपी से जब सीएम ने मुलाकात की तो इस दौरान सुभासपा अध्यक्ष के दोनों बेटे अरुण राजभर और अरविंद राजभर भी मौजूद थे।

सीएम ब्रजेश पाठक ने कराया था भर्ती

कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर माइनर ब्रेन स्ट्रोक की वजह से मेदांता में भर्ती है. इससे पहले 21 सितंबर को ओपी राजभर की तबीयत बिगड़ने पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने राम मनोहर लोहिया में खुद ले जाकर भर्ती कराया था, उसले अगले दिन राजभर मेदांता शिफ्ट हो गए थे. वहीं मेदांता अस्पताल लखनऊ की तरफ से मंगलवार (23 सितंबर) को जारी हुए हेल्थ बुलेटिन में सुधार की बात बताई गई है।

भाजपा नेता त्रिवेदी बोले

आर्थिक सुधारों को समझने के लिए शिशु बुद्धि नहीं, पीएम मोदी जैसी कुशाग्र बुद्धि चाहिए

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जीएसटी की दरों में बदलाव ने आम आदमी के लिए रोटी, कपड़ा और मकान के टैक्स में कटौती की है। खाद्य पदार्थों में टैक्स शून्य से पांच प्रतिशत है। कपड़ों पर भी जीएसटी को कम कर दिया गया है। सीमेंट पर जो टैक्स 31 फीसदी था वो 18 प्रतिशत कर दिया है।

जनसामान्य को रोटी, कपड़ा और मकान में राहत नवरात्र के पहले दिन से मिल रही है। कारों पर जीएसटी कम करने का फायदा है कि एक दिन में रिकॉर्ड संख्या में कारों की बिक्री हो रही है। आम जनता के हाथ में

अब खर्च करने की ताकत बढ़ी है। नवरात्र से दिवाली और छठ तक साढ़े तीन से चार लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था जनता के जरिए देश में बढ़ेगी। ये किसी खास कारण से इस वक्त लिया फैसला नहीं है। चरण दर चरण आर्थिक सुधार हुआ है। पहले लोगों के खाते खुले। जन धन खातों में डायरेक्ट ट्रांसफर से पैसा आया और फिर डिजिटल ट्रांसेक्शन से पैसे का लेन देन संभव हो पाया है। इनकम टैक्स की लिमिट बढ़ाई गई और फिर जीएसटी की दरों में बदलाव किया गया। इस बदलाव को समझने के लिए शिशु बुद्धि से काम नहीं चलेगा।

वो किसी के भी मुकदमे वापस ले सकते हैं...

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान कि अगर सपा सत्ता में आई तो आजम खां पर लगे मुकदमे वापस ले लिए जाएंगे पर सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जो लोग आतंकवादियों के मुकदमे वापस ले सकते हैं वो किसी के भी मुकदमे वापस ले सकते हैं। वहीं, एफआईआर में जातियों का नाम हटाने के सवाल उठाने पर उन्होंने कहा कि ये वही हैं जो लोकसभा में जाति पूछने पर बोले थे कि जाति कैसे पूछ ली।

बोर्ड परीक्षा के लिए आवेदन को अंतिम तिथि 26 सितंबर

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

माध्यमिक शिक्षा विभाग में इस समय बोर्ड परीक्षा के लिए 10वीं और 12वीं के छात्रों के आवेदन पर जोर दिया जा रहा है। इसमें अब दो दिन का ही समय रह गया है। 26 सितंबर को आवेदन करने की आखिरी तारीख है। पूर्व में 10 अगस्त इसकी आखिरी तारीख तय थी। कुछ दिन पहले इसे बढ़ाकर 26 सितंबर कर दिया गया था। यह तारीख अब नजदीक आ गई है। जिन बच्चों के आवेदन बचे हैं, वहां तेजी से कार्य करने पर जोर दिया जा रहा है। संस्थागत और व्यक्तिगत छात्र-छात्राओं से परीक्षा शुल्क, उनके दस्तावेज और अन्य विवरण ऑनलाइन जमा कराए जा रहे हैं। वहीं विद्यालयों के प्रधानाचार्य छात्र-छात्राओं से प्राप्त परीक्षा शुल्क को 27 सितंबर तक कोषागार में जमा करेंगे। उन्हें 30 सितंबर की रात 12 बजे तक छात्रों के विवरण और शुल्क की जानकारी बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड करनी होगी। ऑनलाइन अपलोड किए गए विवरणों की जांच 1 से 4 अक्तूबर तक की जाएगी। यदि किसी छात्र के विवरण में त्रुटि पाई जाती है तो संबंधित विद्यालय प्रधानाचार्य 5 से 8 अक्तूबर तक संशोधन करेंगे। 10 अक्तूबर तक उन्हें विद्यार्थियों के अभिलेख फोटो सहित जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में जमा करने होंगे। डीआईओएस डॉ. इंद्रजीत ने बताया कि आवेदन की बढ़ाई गई समय सारिणी के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

हमारे पास चरित्र नाम की एक चीज, बिकाऊ नहीं हूं : आजम खान

महानगर नेटवर्क

रामपुर

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान ने उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम व सपा चीफ अखिलेश यादव पर बड़ा बयान दिया है। आजम खान ने अखिलेश यादव को लेकर कहा है कि, वह बड़ी पार्टी के बड़े नेता है, मेरे जैसे छोटे आदमी के बारे में बात की, ये उनका बढ़प्पन है। दूसरे पार्टी में जाने के सवाल पर आजम खान ने कहा कि, "हमारे पास एक चरित्र नाम की चीज है। लोग प्यार करे

और इज़्ज़त करे, मैं कोई बिकाऊ नहीं हूँ।" समाजवादी पार्टी के नेता आजम ने कहा, "जहां तक मुकदमों का सवाल है उन मुकदमों में अगर कोई दम होता तो मैं आज बाहर नहीं दिखता। छोटी अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मुझे इंसाफ मिलने की उम्मीद है। एक दिन मैं बेदाग हो जाऊंगा।" सपा नेता आजम खान ने काफिले में गाड़ियों के चालान पर बोलते हुए कहा है कि, "मैं कुछ नहीं कहूंगा, कहूंगा तो पता नहीं क्या क्या सजा और मिलेगी, जो लोग मुझे देश भर में नहीं जानते थे वो भी मुझे जानने लगे।" मीडिया ने जब आजम खान से पूछा कि अखिलेश यादव आपसे मिलने जेल में कभी नहीं आए हैं तो इस पर आजम खान ने कहा कि, "5 वर्ष से छोटी सी कोठरी में रहते रहते सारे एहसास ही मर गए, किसी का इंतजार ही नहीं रहता।"

तीन अंतरराज्यीय असलहा तस्कर 10 पिस्टल के साथ गिरफ्तार

वाराणसी। यूपी एसटीएफ ने अंतरराज्यीय असलहा तस्कर गिरोह के तीन आरोपियों को सारनाथ क्षेत्र के फरीदपुर रिंग रोड अंडरपास से गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 10 पिस्टल और 15 मैगजीन मिले हैं। पिस्टल .32 बोर के हैं। गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के कुंडेसर चंदनी निवासी प्रशांत राय उर्फ जीतू, बिहार बक्सर के सेमरी थाना क्षेत्र के गंगौली निवासी राहुल ठाकुर और गाजीपुर के नोनहरा थाना क्षेत्र के हुल्सेपुर कोठियां निवासी मुकुंद प्रधान गिरफ्तार किए गए हैं। एसटीएफ फील्ड इकाई के निरीक्षक पुनीत

परिहार ने बताया कि प्रशांत राय मनबढ़ अपराधी है। प्रशांत अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट करता था। उसका संपर्क गांव के पास के ही मलीकपुरा निवासी असलहा तस्कर सुभाष पासी से हो गया। प्रशांत ने .32 बोर की पिस्टल सुभाष पासी से खरीदी। प्रशांत के दोस्त अखंड राय ने अपने दो अन्य साथियों को कारतूस दिलाने के लिए संपर्क किया।

जीएसटी में सुधार से व्यापारियों और आम जनता राहत : DCM ब्रजेश पाठक

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जीएसटी सुधार पर तंज कसते हुए सरकार पर आठ सालों तक वसूली करने का आरोप लगाया. जिस पर यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पलटवार किया हैं. उन्होंने कहा कि सपा के कई कार्यकर्ता भी इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दे रहे हैं। पाठक ने कहा कि केंद्र सरकार ने जीएसटी में जो सुधार किए हैं उससे आज पूरे देश और प्रदेश में हर्षोल्लास

है। प्रधानमंत्री ने जिस तरह से टैक्स में बदलाव करके व्यापारियों और आम जनता राहत दी है उससे हम सभी लोग इसके लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हैं। डिप्टी सीएम से जब अखिलेश यादव को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया को कुछ पता ही नहीं है।

उनके भी ढेर सारे कार्यकर्ता बड़े-बड़े शोरूम में जाकर गाड़ियां खरीद रहे हैं। वो चाहते हैं कि जीएसटी की दरें कम हो और उन्होंने कम दरों पर गाड़ी खरीदी है। उन्होंने कहा कि अब वो लोग पीएम मोदी को दिल से धन्यवाद दे रहे हैं। सपा मुखिया को समाजवादी पार्टी के उन नेताओं की सूची निकालनी चाहिए जिन्होंने बाजार से खरीददारी करके पीएम मोदी को धन्यवाद दिया है। वो जानते हैं कि किस-किस ने खरीददारी की हैं। वो भी जीएसटी की दरें घटने का इंतजार कर रहे थे।

शिक्षाविदों का सम्मान

हापुड़। एक समारोह के दौरान सर्वश्रेष्ठ शिक्षाविद् व परोपकार पुरस्कार राजकीय इंटर कॉलेज शेरपुर हापुड़ के प्रधानाचार्य ब्रजेश कुमार यादव को हापुड़ के पुलीस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह के हाथों स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इनके अलावा कई प्रधानाचार्य, शिक्षक और शिक्षिकाओं भी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हापुड़ स्थित सरस्वती ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में गत दिनों शिक्षाविदों के सम्मान में एक भव्य का कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के मुख्यातिथिके रूप में हापुड़ के पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह उपस्थित थे। साथ ही इनके अलावा सीडीओ हिमांशु गौतम समेत क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद थे। सभी की मौजूदगी में प्रधानाचार्य ब्रजेश कुमार यादव समेत कई लोगों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

भदोही में उद्योगों के विकास पर मंथन

महानगर नेटवर्क

भदोही

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई फॉर भारत क्षेत्रीय कॉन्क्लेव का आयोजन भदोही में हो रहा है। कॉन्क्लेव का शुभारंभ केंद्रीय परिवार कल्याण राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने किया। इसके बाद उद्योगों के विकास व वर्तमान में चुनौतियों से निपटने के तरीके को लेकर मंथन किया जा रहा है।

राजेश कुमार कालीन कारोबारी ने कहा कि एमएसएमई में युवाओं की भागीदारी प्रमुख रूप से हो रही है। सरकार की इस योजना का लाभ देश के करोड़ों युवा उठा रहे हैं। छोटे काम में अच्छा मुनाफा कमाकर वह अपना भविष्य बना रहे हैं। एमएसएमई के तहत यूपी की काली नगरी में बहुत सारे बदलाव देखने को मिले हैं, जो

काबिले तारीफ है। कार्यक्रम में पहुंचे विधायक सुनील पटेल का स्वागत किया गया। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए अमर उजाला को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के पहले सत्र में कल के एमएसएमई विषय पर चर्चा शुरू हो गई है। इसमें ओबीटी के निदेशक राजेश कुमार, ऑल इंडिया कारपेट मेन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एकमा) के पूर्व अध्यक्ष रवि पटौदिया, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के प्रशासनिक समिति सदस्य संजय गुप्ता शामिल हैं। ये सभी कल के एमएसएमई पर चर्चा कर रहे हैं। एमएसएमई कॉन्क्लेव में केंद्रिय मंत्री अनुप्रिया पटेल का आगमन हो गया है। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। थोड़ी ही देर में उद्योगों के विकास और चुनौतियों पर चर्चा शुरू होगी।

बच्ची को मुंह में दबाकर भाग गया भेड़िया, खेत में मिला शव

बहराइच। जिले के फखरपुर के ब्लॉक ग्राम पंचायत मंझारा तौकली के गांव बाबा बंगला में बुधवार को बाबू लाल की दो वर्षीय बेटी सोनी लगभग तीन बजे घर के आंगन में खेल रही थी। बच्ची की मां विनीता दूध लेने के लिए घर के अंदर गई थी तभी अचानक भेड़िया खेतों से निकलकर आंगन में आ पहुंचा और पलक झपकते ही बच्ची को मुंह में दबाकर भाग गया। मां के चीखने पर परिवार व गांव के लोग दौड़े। बच्ची की खोज में शुरू हुई लेकिन तब तक भेड़िये ने बच्ची के एक हाथ को चबा लिया। मासूम के गले पर भी गहरे जख्म हैं। घर से तकरीबन 400 मीटर दूर गन्ने के खेत में क्षत-विक्षत हालत में बच्ची का शव मिलने पर ग्रामीण अवाक रह गए। डेढ़ घंटे बाद गन्ने के खेत में मासूम का क्षत-विक्षत शव मिला।

स्कूल से लौट रही दो सगी बहनों की करंट लगने से मौत

महानगर नेटवर्क

बलिया

जिले में सुखपुरा थाना क्षेत्र के जिला बस्ती के पास सेंट जेवियर्स स्कूल से घर लौट रही दो सगी बहनों की करंट लगने से मौत हो गई। इनमें एक अलका यादव कक्षा 7 व आंचल यादव (17) कक्षा 9 की छात्रा थी। घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं दोनों बेटियों की मौत से मां सदमे में है। सड़क से लेकर कॉलोनी तक तीन फुट बरसात का पानी लगा हुआ है, जहां से होकर रोज मोहल्ले के लोग आते जाते हैं। बुधवार को स्कूल की छुट्टी होने के बाद पानी से होकर दोनों बहनें गुजर रही थीं। इस दौरान बिजली का तार टूटकर पानी में गिरने से दोनों करंट की जद में आने से बेहोश हो गईं। आनन- फानन

आसपास के लोगों ने दोनों बहनों को बाहर निकाल कर सीपीआर देकर उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इसकी खबर लगते ही जिला अस्पताल में कॉलोनी के लोगों की भीड़ जुट गई। वहीं जानकारी होने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। मोहल्लेवासी बिजली विभाग व स्थानीय कर्मियों की लापरवाही का आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग को लेकर पोस्टमार्टम कराने से रोक दिया।

अयोध्या को फ्लोटिंग रेस्टोरेंट की सौगात

महानगर नेटवर्क

अयोध्या

श्रीराम की नगरी अयोध्या धार्मिकता और आस्था के साथ पर्यटन की दृष्टि से भी विश्व मानचित्र पर अपनी एक नई पहचान बना रही है। राम मंदिर का भव्य निर्माण अब अंतिम चरण में है। इसके साथ ही केंद्र और प्रदेश सरकार लगातार अयोध्या को आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से सुसज्जित करने में जुटी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों का ही परिणाम है कि इस बार का दीपोत्सव अयोध्यावासियों और श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष सौगात लेकर आ रहा है। सरयू नदी की पवित्र जल धारा के बीच अब पर्यटकों को एक अनूठा अनुभव मिलने जा रहा है। दीपोत्सव तक अयोध्या में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट तैयार हो जाएगा। मुंबई की एक

प्रतिष्ठित कंपनी की ओर से बनाए जा रहे इस रेस्टोरेंट की लंबाई लगभग 20 मीटर और चौड़ाई आठ मीटर होगी। खास बात यह है कि इसमें एक बार में 30 से 40 पर्यटक बैठकर विभिन्न व्यंजनों का स्वाद ले सकेंगे। अयोध्या के जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन विकास निगम की ओर से इस फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का निर्माण कराया जा रहा है। स्ट्रक्चर बनकर पूरी तरह तैयार है और कुछ ही दिनों में इसका शुभारंभ कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जैसे दुनिया के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों पर नदी या समुद्र किनारे फ्लोटिंग रेस्टोरेंट चलते हैं, उसी तर्ज पर अयोध्या में भी इसे विकसित किया जा रहा है। यह पहल न केवल अयोध्या के पर्यटन को नई ऊंचाई देगी बल्कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को धार्मिक यात्रा के साथ एक यादगार अनुभव भी प्रदान करेगी।

गोरखपुर में ठेकेदार ने छात्र पर दागीं 7 गोलियां

यूट्यूब से सीखा था तमंचा चलाना

गोरखपुर। जिले में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां के रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के पथरा गांव में बीएससी के छात्र अमन मौर्या (24) पर पड़ोस में रहने वाले सिरफिरे ठेकेदार प्रशांत सिंह ने तमंचे से 7 गोलियां दाग दीं. हमले में अमन गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे BRD मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया. पुलिस ने मंगलवार को आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। हमले का कारण अमन द्वारा ठेकेदार को युवतियों से छेड़खानी करने से रोकना बताया जा रहा है। आरोपी ने यूट्यूब से तमंचा चलाना सीखा और बिहार से अवैध पिस्टल खरीदी थी।

जानकारी के मुताबिक घटना सोमवार 22 सितंबर की रात 8 बजे की है, जब अमन मौर्या बाजार से घर लौट रहा था. पड़ोसी ठेकेदार प्रशांत सिंह ने उस पर तमंचे से ताबड़तोड़ 7 गोलियां दाग दीं. दो गोलियां छूकर निकल गईं, लेकिन 5 गोलियां अमन के सीने, पेट और पीठ में लगीं. खून से लथपथ अमन को तुरंत BRD मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है. अमन दो बहनों का इकलौता भाई है और उनके पिता मनोज कुमार मौर्या, जो किसान हैं, उस दिन महराजगंज के नौतनवां में थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मंगलवार शाम को आरोपी प्रशांत को गिरफ्तार कर लिया।

प्रदेश में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य 30 सितंबर से

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

प्रदेश में 30 सितंबर से मतदाता सूची पुनरीक्षण का काम शुरू होने जा रहा है। जिसे लेकर चुनाव आयोग की तरफ से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 30 दिसंबर को होगा। प्रदेश के मुख्य चुनाव आयुक्त नवदीप रिणवा ने बताया कि आगामी विधानसभा परिषद की पांच स्नातक निर्वाचन क्षेत्र और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के सदस्यों का कार्यकाल अगले साल छह दिसंबर को खत्म हो रहा हैं। जिसके बाद यहां चुनाव कराए जाने हैं। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में चुनाव की तैयारियों को देखते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य शुरु होने जा रहा है। ख़ास बात ये है कि इस बार पहली बार ऐसा होगा जब इस चुनाव में वोटर बनने के लिए

ऑनलाइन आवेदन भी किए जा सकेंगे।

मंगलवार को लखनऊ में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचन नामावली, रोल प्रेक्षक समेत तमाम बातों को लेकर मंडलायुक्तों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया. इलेक्शन कमिश्नर ने बताया कि अगले साल 6 दिसंबर को स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ और इलाहाबाद समेत पांच सीटें रिक्त हो रही हैं वहीं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की लखनऊ, वाराणसी, मेरठ, आगरा, बरेली-मुरादाबाद और गोरखपुर-फैजाबाद निर्वाचन क्षेत्र की सीटें खाली हो रही हैं।

ऑनलाइन किए जा सकेंगे आवेदन

इन चुनाव से पहले ही प्रदेश में मतदाता सूची पुनरीक्षण किया जाना है जिसकी शुरुआत 30 सितंबर से हो रही हैं. 15 अक्टूबर और 25 अक्टूबर को सार्वजनिक नोटिस प्रकाशित किया जाएगा. मतदाता इस सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए ऑनलाइन भी अपना आवेदन दे सकेंगे. चुनाव आयोग की ओर से ये व्यवस्था की जाएगी. 25 नवंबर से 10 दिसंबर के बीच आवेदक अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

दावा-वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने-हटाने का प्रोसेस बदला

राहुल बोले- जब चोरी पकड़ी गई तो लगाया ताला

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

राहुल गांधी ने 18 सितंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाए थे। वोटर लिस्ट से नाम हटाने-जोड़ने के लिए अब आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। इसके लिए चुनाव आयोग (EC) ने अपने पोर्टल और एप पर एक नया 'ई-साइन' फीचर शुरू किया है। यह दावा एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट में किया गया है। इसके मुताबिक 23 सितंबर से पहले आधार वेरिफिकेशन जरूरी नहीं था।

ज्ञानेश जी (मुख्य निर्वाचन आयुक्त), हमने चोरी पकड़ी तब आपको ताला लगाना याद आया। अब चोरों को भी पकड़ेंगे, तो बताइए, CID को सबूत कब दे रहे हैं आप। राहुल लगातार चुनाव आयोग पर वोट डिलीट करने का आरोप लगा रहे हैं।

उन्होंने 18 सितंबर को कहा था कि कर्नाटक की आलंद विधानसभा सीट से 6000 से अधिक वोटों को हटाया गया। पहले चुनाव आयोग के एप और पोर्टल पर फॉर्म भरने के लिए लोग सिर्फ अपना मोबाइल नंबर और वोटर आईडी (EPIC) नंबर डालकर आवेदन कर सकते थे। उस समय यह जांच नहीं होती थी कि दी गई जानकारी सच में उसी व्यक्ति की है या नहीं। अब ECINet पोर्टल पर एक नया फीचर दिखाई दे रहा है, जिससे जानकारी की पुष्टि करना जरूरी हो गया है।

आधार से नाम और नंबर वेरिफाई कराना जरूरी

पोर्टल पर नए वोटर के रजिस्ट्रेशन के लिए फॉर्म 6, वोटर लिस्ट में नाम शामिल करने/हटाने के प्रस्ताव पर आपत्ति के लिए फॉर्म 7 और सुधार के लिए फॉर्म 8 भरने वाले आवेदक को अब पहचान वेरिफाई करानी होगी। इसके जरिए चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करना चाहता है कि जिस वोटर आईडी कार्ड के लिए आवेदक आवेदन कर रहे हैं, उसमें उनका नाम उनके आधार कार्ड पर दिए नाम के समान ही हो। आवेदक जिस मोबाइल नंबर का उपयोग कर रहे हैं, वह भी आधार से जुड़ा हो। दरअसल, राहुल गांधी कई बार आरोप लगा चुके हैं कि वोटर लिस्ट में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी, वोटों का अवैध जोड़-घटाव और संस्थानों का दुरुपयोग कर चुनाव जीते गए।

मेडिकल कॉलेज में एडमिशन से पहले स्टूडेंट का सुसाइड

- NEET में 99.99%, देश में 1475 रैंक थी
- नोट में लिखा- डॉक्टर नहीं बनना चाहता

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के रहने वाले 19 साल के छात्र अनुराग अनिल बोरकर ने सोमवार को सुसाइड कर लिया। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस दिन उसे उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जाकर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कोर्स में दाखिला लेना था, उसी दिन उसने यह कदम उठाया। अनुराग चंद्रपुर के नवरगांव (सिंदेवाही तहसील) का रहने वाला था। उसने हाल ही में नीट यूजी 2025 परीक्षा में 99.99 पर्सेंटाइल मिले थे। अनुराग ने ओबीसी कैटेगरी में ऑल इंडिया रैंक 1475 हासिल की थी।

पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह अनुराग अपने घर पर ही था और गोरखपुर जाने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान उसने घर में फांसी लगा ली। परिवार और पड़ोसियों को जब तक पता चला तब तक बहुत

देर हो चुकी थी। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है। मुझे MBBS करने की इच्छा नहीं है जितना एक डॉक्टर कमाता है, उतना एक बिज़नेसमैन भी कमा सकता है। पांच साल की पढ़ाई, उसके बाद MD यह सब मुझे नहीं करना है। सूत्रों का कहना है कि अनुराग विदेश में मेडिकल की पढ़ाई करना चाहता था। हालांकि उसके परिवार ने उस पर भारत में एडमिशन लेने का दबाव बनाया क्योंकि उसे एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में सीट मिल गई थी।

मैं मिग-21 एयरफोर्स से 26 सितंबर को रिटायर हो जाऊंगा

- 2 जंग लड़ीं, कारगिल में दुश्मनों के छक्के छुड़ाए
- अब मैं बूढ़ा हो चुका...अलविदा

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

बात 1962 की है, जब भारत-चीन युद्ध हुआ था। पाकिस्तान को अमेरिका से F-104 स्टार फाइटर्स मिले थे, खतरा बरकरार था। हिंदुस्तान को सुपरसोनिक फाइटर्स की जरूरत थी, जो आवाज की गति (332 मीटर प्रति सेकेंड) से तेज उड़ सकें। तब सोवियत यूनियन (अब के रूस) ने 1963 में मेरा पहला बेड़ा भारत भेजा था। जनवरी 1963 में मैं टुकड़ों में समंदर के रास्ते बॉम्बे पहुंचा। वहां सोवियत इंजीनियर्स ने मुझे असेम्बल किया। अप्रैल 1963 में आगरा के रास्ते चंडीगढ़ लाया गया। तब के विंग कमांडर दिलबाग सिंह मुझे ताशकंद से उड़ाकर चंडीगढ़ ला रहे थे तो मेरी रफ्तार से साउंड बैरियर टूट गया था।

मेरा परमानेंट स्टेशन तो हिंडन में बनना था, लेकिन उस बेस पर तब काम चल रहा था। चंडीगढ़ को टेम्परेरी बेस के तौर पर चुना गया, 6 महीने के लिए, लेकिन मैंने यहां 2 साल के लिए पैर जमा लिए। दिलबाग सिंह की कमांड में 2 मार्च 1963 को नंबर 28 स्क्वाड्रन का गठन हुआ, जिसे 'फर्स्ट सुपरसोनिक्स' कहते थे, इसमें हम 6 मिग-21 शामिल थे। मेरा पहला हादसा भी चंडीगढ़ में हुआ। रिपब्लिक डे परेड की प्रैक्टिस करते हुए हम (दो मिग-21) हवा में टकरा गए। शुक्र है कि दोनों पायलट- स्क्वाड्रन लीडर एमएसटी वॉलेन और फ्लाइट लेफ्टिनेंट एके मुखर्जी बच गए।

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा मेरी मुवक्किल **श्रीमती शर्मा पिंकी,** जो 10/1871, वाघेश्वरी मतानी पोल, सोनी फालिया, सूरत सिटी, सूरत, गुजरात 395003 में रहती हैं, की ओर से सूचना जारी की जाती है.

सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल के दिवंगत पिता **श्री महेशभाई सी. सोनी,** ग्राम मालाड, तालुका बोरीवली, रानी सती मार्ग, मुंबई – 400 097 के सीटीएस क्र. 521, 521/1 से 8, 521/10 से 17, 522, 522/1 से 11, 523, 524, 524/1 से 12, 525, 525/1 से 4, 527, 527/1 से 26, 528, 528/1 से 11, 529, 529/1 से 15, 530, 530/1 से 16, 532, 532/1 से 13, 533 (आंशिक), 533/1 से 100, 533/107 से 484, 533/486 से 643, 533/648, 536, 536/1 से 5, 537, 537/17 स्थित **रिहैब बिल्डिंग नं. 4, खोत डोंगरी को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लि.** में **फ्लैट क्र. 801** (एतद्द्पश्चात उक्त फ्लैट परिसर के तौर पर संदर्भित) धारक आवासीय फ्लैट परिसर के मूल मालिक थे.

सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल के पिता **श्री महेशभाई सी. सोनी** का निधन **14.05.2009** को मुंबई में हो गया, दिवंगत मां **श्रीमती मालती महेश सोनी** का निधन 28.10.2017 को सूरत में हो गया, दोनों अपने पीछे जीवित कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ गए हैं यानी **(1) श्रीमती शर्मा पिंकी (विवाहित बेटी), और (2) श्रीमती ठक्कर रिंकी रितेशभाई (विवाहित बेटी).**

यदि किसी व्यक्ति या व्यक्तियों, या बैंक या वित्तीय संस्थान को कोई आपत्ति है, उत्तराधिकार, उपहार, बंधक, ट्रस्ट या किसी अन्य तरीके से दावा करने के रूप में दावा है और मेरी मुवक्किल के दिवंगत पिता श्री महेशभाई सी. सोनी और दिवंगत माता श्रीमती मालती महेश सोनी के किसी अन्य कानूनी उत्तराधिकारी को, वे अपने दावे/दावों को दस्तावेजी साक्ष्य के साथ उक्त सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर मेरे कार्यालय, **श्री जगदीश त्र्यंबक डोंगरदिवे,** अधिवक्ता उच्च न्यायालय एवं नोटरी (भारत सरकार), प्लॉट संख्या 232, कमरा संख्या 18, श्री मंगल सीएचएस लिमिटेड, गोराई 2, बोरीवली (पश्चिम), मुंबई 400092 पर लिखित में जानकारी दें.

हस्ता. /-
स्थान : मुंबई
दिनांक: 25/09/2025
श्री जगदीश त्र्यंबक डोंगरदिवे,
अधिवक्ता उच्च न्यायालय एवं नोटरी (भारत सरकार),

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

अधिसूचना क्रमांकः COM/R/Parcel Corres./25 **दिनांकः 22.09.2025**

रायपुर मंडल पर निम्नलिखित एसएलआर पट्टे लीसिंग पर देने के लिए उपलब्ध हैः

क्र.	गाड़ी संख्या	से	तक	लीसिंग के लिए उपलब्ध एसएलआर	नीलामी दिनांक	नीलामी समय
1	18241	दुर्ग	अंबिकापुर	1 (F-I)	03.10.2025	दोपहर 13:00 से 15:10
2	18529	दुर्ग	विशाखापत्तनम	1(F-I)		
3	12853	दुर्ग	भोपाल	1 (F-I)		
4	18251	रायपुर	कोरबा	1 (F-I)		
5	15160	दुर्ग	छपरा	1(F-I)		
6	18426	दुर्ग	पूरी	1(F-I)		
7	08186	दुर्ग	हटिया	1(F-I)		
8	18249	रायपुर	कोरबा	1(F-I)		
9	11701	रायपुर	जबलपुर	1(F-I)		
10	12549	दुर्ग	एम सी टी एस	1(F-I)		
11	18207	दुर्ग	अजमेर	1(F-I)		

सभी ई-नीलामी अधिसूचना का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किया गया है।

मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक
द.पू.म.रेलवे/ रायपुर
पीआर/आर/सी.डीसीएम/एएन/171

South East Central Railway @secrail

भारत का करारा प्रहार

पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देकर अपनों पर ही बरसा रहा बम

- PoK से अवैध कब्जा छोड़ो

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारत ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए विस्फोट में 24 लोगों की मौत का हवाला देते हुए कहा कि पड़ोसी मुल्क को आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने के बजाय अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और मानवाधिकार रिकॉर्ड सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। जेनेवा में भारत के स्थायी मिशन के काउंसलर क्षितिज त्यागी ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के खिलाफ निराधार बयानबाजी के लिए पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की आलोचना की। त्यागी ने जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 60वें नियमित सत्र में मंगलवार को कहा, ''एक प्रतिनिधिमंडल भारत के खिलाफ निराधार और भड़काऊ बयानबाजी करके इस मंच का दुरुपयोग कर रहा है।''

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का जिक्र करते हुए त्यागी ने पाकिस्तान से ''उसके अवैध कब्जे'' वाले भारतीय क्षेत्र को खाली करने को कहा। उन्होंने कहा, ''हमारे क्षेत्र पर गलत नजर डालने के बजाय उन्हें भारत के उस क्षेत्र को खाली करना चाहिए, जिस पर उन्होंने अवैध कब्जा किया हुआ है।''

खैबर पख्तूनख्वा में हुई घटना का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए त्यागी ने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने से फुर्सत मिले तो उसे अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और मानवाधिकार रिकॉर्ड सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। त्यागी ने कहा, ''चरमराई हुई अर्थव्यवस्था, सैन्य प्रभुत्व वाली राजनीति और मानवाधिकारों का दागदार रिकॉर्ड। एक दिन जब वे आतंकवाद को बढ़ावा देने, संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने से फुर्सत पाएंगे, तब शायद उक्त मुद्दों पर ध्यान दे पाएंगे।'' खैबर जिले के तिराह घाटी के मतूर दारा इलाके में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों के एक परिसर में सोमवार को बम बनाने की सामग्री से हुए धमाके में 10 लोगों और 14 आतंकवादियों की मौत हो गई। यह क्षेत्र अफगानिस्तान से सटा हुआ है। इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की प्रांतीय शाखा और निवासियों ने दावा किया कि तिराह घाटी में 'विमान से बम गिराए जाने' के कारण विस्फोट हुआ।

सिख इतिहासकार का रोचक दावा

सिखों की जमीन पर है रायसीना हिल, गुरुद्वारा है मालिक

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

सिख इतिहास की जानकारी रखने वाले सरदार तरलोचन सिंह का कहना है कि जिस रायसीना हिल पर राष्ट्रपति भवन है, वह जमीन गुरुद्वारा रकाबगंज से जुड़ी हुई है। उन्होंने ANI के साथ पॉडकास्ट में दावा किया कि दिल्ली को बनाने में सिखों का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि यह पढ़ने और जानने की जरूरत है कि दिल्ली आखिर बनी कैसे। सरदार तरलोचन सिंह ने कहा, 'ये जो संसद भवन के बाहर गुरुद्वारा

रकाबगंज है, उसी की जमीन है, जो आसपास में है। रायसीना हिल का मालिक गुरुद्वारा है और वह जमीन भी सिखों की है। उसे बनाने वाले भी सिख ही हैं।' अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चेयरपर्सन तरलोचन सिंह ने कहा कि किसी भारतीय किताब में महाराजा रणजीत सिंह पर कोई चैप्टर नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा यही मलाल है कि किसी किताब में यह नहीं बताया जाता कि महाराजा रणजीत सिंह कौन थे। यह ठीक नहीं है और उनके बारे में देश के लोगों को जानकारी मिलनी चाहिए थी। उन्होंने खालिस्तानी अलगाववाद पर भी बात की और कहा कि कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे देशों में जो सिख डायस्पोरा है, वहां से ऐसी मांग उठती हैं कि सिख रेफरेंडम होगा। सोचने वाली बात है कि हमारा फैसला तो हम ही ले सकते हैं।

जयराम रमेश बोले- राहुल गांधी हाइड्रोजन-यूरेनियम बम फोड़ने वाले हैं

महानगर नेटवर्क
पटना

आजादी के बाद पहली बार बुधवार को पटना में कांग्रेस वर्किंग कमेटी (CWC) की बैठक हुई। इस मीटिंग में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत कांग्रेस से सीनियर लीडर मौजूद रहे। बैठक करीब साढ़े 4 घंटे तक चली। 51 लोगों ने बैठक को संबोधित किया। मीटिंग में 2 प्रस्ताव पारित किए गए। एक राजनीतिक प्रस्ताव था। दूसरी बिहार की जनता से अपील। मीटिंग के बाद कांग्रेस नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि तेलंगाना में सितंबर 2023 में ऐसी ही CWC की मीटिंग हुई थी और 2 महीने के अंदर कांग्रेस की सरकार बनी थी। अब पटना में

काउंटडाउन शुरू हो चुका है। बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने वाली है। राहुल गांधी के नेतृत्व में वोट चोरी के खिलाफ अभियान चला, वो अभियान जारी रहेगा। आगे एक महीने में राहुल गांधी मिनी हाइड्रोजन बम, हाइड्रोजन बम, यूरेनियम बम सहित अलग-अलग बम फोड़ने वाले हैं।

बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, बीजेपी नीतीश कुमार को मेंटली रिटायर्ड मान चुकी है। वो उन्हें बोझ मानती है।

चुनावों में EVM के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग को लेकर फिर आई याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को चुनावों में EVM (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों) के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाली एक याचिका को खारिज कर दिया। इस याचिका में उच्च न्यायालय से केवल मतपत्रों के जरिए चुनाव कराने का निर्देश देने की मांग की गई थी। हालांकि कोर्ट ने उनकी मांग को मानने से इंकार करते हुए याचिका को खारिज कर दिया। इसके लिए कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट व अपनी समन्वय पीठ के दिए फैसलों का उदाहरण दिया।

अपनी इस याचिका में याचिकाकर्ता उपेंद्र नाथ दलाई ने हाईकोर्ट से चुनाव में मतदान को लेकर व्यापक दिशा-निर्देश देने की मांग की थी।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचना मेरे मुवक्किल **श्री. निलेश शानुभाई शाह** एवं **श्रीमती सोनल निलेश शाह** की ओर से दी जा रही है, जो कि **फ्लैट नंबर 607, डी-विंग, छठी मंज़िल, बिल्डिंग नंबर 002, शालिनी कॉम्प्लेक्स, मीरा रोड (पूर्व), ज़िला ठाणे, महाराष्ट्र – 401105** (जिसे आगे "उक्त संपत्ति" कहा जाएगा) के विधिपूर्वक मालिक थे। उक्त संपत्ति को **श्रीमती रिंकी अखिलेश्वर झा,** निवासी **फ्लैट नंबर E-404, चौथी मंज़िल, न्यू पूजा गार्डन सीएचएस लि., दीपक हॉस्पिटल लेन, नियर न्यू गोल्डन नेस्ट, मीरा रोड (पूर्व), ज़िला ठाणे – 401107** को **दिनांक 25/07/2025** को एक विधिपूर्वक निष्पादित एवं पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से बेचा गया है, जो उप-पंजीयक, ठाणे के कार्यालय में **पंजीकरण क्रमांक TNN7-14795-2025** के अंतर्गत **दिनांक 25/07/2025** को पंजीकृत हुआ है।

यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति के विक्रय मूल्य का एक भाग **श्रीमती रिंकी अखिलेश्वर झा** की ओर से उनके मित्र **श्री कुमार गौरव** द्वारा भुगतान किया गया था। श्रीमती झा द्वारा स्पष्ट रूप से घोषित किया गया है कि उक्त भुगतान **उनकी ओर से श्री कुमार गौरव द्वारा** संपत्ति की खरीद हेतु किया गया था।

मेरे मुवक्किलों को यह भुगतान **सद्भावपूर्वक प्राप्त हुआ** है, और उनका इस संदर्भ में श्री कुमार गौरव से **कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष समझौता, अनुबंध या संबंध नहीं है**। यह सूचना **पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने** एवं मेरे मुवक्किलों के हितों की **किसी भी वर्तमान या भविष्य की आपत्तियों, दावों या विवादों** से सुरक्षा के उद्देश्य से प्रकाशित की जा रही है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति अथवा उक्त लेन-देन के संबंध में कोई **दावा, अधिकार, स्वामित्व, आपत्ति या विरोध** हो, तो कृपया वह व्यक्ति इस सूचना के **प्रकाशन की तिथि से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर**, लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करें।

निर्धारित समय सीमा के भीतर यदि कोई दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह मान लिया जाएगा कि ऐसी कोई आपत्ति या दावा नहीं है, और यह लेन-देन **पूर्णतः वैध, विधिसम्मत, अंतिम एवं बाध्यकारी** माना जाएगा। इसके पश्चात कोई भी दावा या आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

दिनांक: 25.09.2025
स्थान: मुंबई

हस्ताक्षर/-
अक्षित कोठारी
वकील उच्च न्यायालय
80823 82612

जाहीर सूचना

तमाम जनता को सुचित किया जाता है कि, दिनांक 31/12/2010 का विकास करार कल्याण के दुय्यम निबंधक के सामने अनुक्रमांक के.एल. एन 2/12677 के अंतर्गत पंजीकृत किया गया है ! और दिनांक 25/03/2013 को पूरक करार कल्याण के दुय्यम निबंधक के सामने अनुक्रमांक के एल एन 3/1402 अंतर्गत पंजीकृत किया गया है !

मेसर्स. पटेल ग्रुप ॲन्ड कंपनी दिनांक 31/12/2010 और 25/02/2013 के विकास करार की अटी और शर्तो का पालन नही कर सकी! तबसे हमारे सदस्योंका मकान किराया देने मे वह असफल रहे है ! इसीलिए हमने दिनांक 13/07/2025 के विशेष जनरल मिटिंगमें उनके साथ किया हुआ दिनांक 31/12/2010 और 25/03/2025 का विकास करार निष्कासित किया है !

इस पार्श्वभूमी के अनुसार 31/12/2010 का विकास करार और 25/02/2013 का पूरक विकास करार के संबंध मे कोई भी तृतीय पक्ष मेसर्स. पटेल ग्रुप और कंपनी के साथ जो भी व्यवहार करेंगे वो अपने खुदके जोखीमपर, खर्चपर और परिणामों पर करेगें इसके लिए हमारी संस्था जिम्मेदार नही रहेगी! संस्था अपने हित के रक्षण के लिए उचित कानुनी कारवाई करणे का अधिकार जतन किया है !

सही/-
एल.आय.जी. १कोकण वसाहत को.ऑ. हौ. सोसायटी मर्यादित कल्याण
अध्यक्ष कोषाध्यक्ष सचिव

विदेश मंत्रालय ने ईरान में जॉब स्कैम के खिलाफ जारी की एडवाइजरी

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारत सरकार ने ईरान में रोजगार की तलाश कर रहे भारतीय नागरिकों के लिए एक परामर्श जारी किया है। यह एडवाइजरी ऐसे कई मामलों के बाद जारी की गई है, जहां नागरिकों को झूठे बहाने और लालच देकर फुसलाया गया और बाद में उनका अपहरण कर फिरौती मांगी गई। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हाल ही में ऐसे कई मामले सामने

आए हैं, जिनमें भारतीय नागरिकों को रोजगार के झूठे वादे करके या यह आश्वासन देकर ईरान जाने के लिए फुसलाया गया कि उन्हें रोजगार के लिए किसी तीसरे देश में भेजा जाएगा।' मंत्रालय ने आगे बताया कि ईरान पहुंचने पर, इनमें से कई व्यक्तियों का आपराधिक समूहों द्वारा अपहरण कर लिया गया और उनकी रिहाई के लिए फिरौती की मांग की गई। इस परामर्श में भारतीय नागरिकों से अत्यधिक सावधानी बरतने का आग्रह किया गया है। ईरान में नौकरियों के लिए वीजा-मुक्त प्रवेश का दावा करने वाले प्रस्तावों के मामले में विशेष तौर पर आगाह किया गया है।

युवाओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाने के लिए अभिभावकों के लिए गाइड लाइन

नई दिल्ली। परीक्षाएं खत्म होती हैं, हॉस्टल भर जाते हैं और पहली 'बड़ी' खरीदारी शुरू होती है, फोन, लैपटॉप, हेडफोन और फैशनेबल चीजों की। कई युवाओं के लिए त्योहारों का मौसम नई आर्थिक आज़ादी के साथ आता है। यही वह समय होता है जब धोखेबाज़ों का भी जमावड़ा होता है। माता-पिता और अभिभावक किशोरों और कॉलेज के छात्रों को वेब की बारीकियां समझने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। नकली होने की पहचान करना, जल्दबाजी पर सवाल उठाना और ऐसी आदतें विकसित करना जो पैसे और पहचान को सुरक्षित रखें। अमेजन इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट -लीगल राकेश बक्शी ने कहा कि 'घर पर हमारा मंत्र सरल है। पहले रुकें, बाद में क्लिक करें। हम परिवारों को त्वरित 'सत्यापन' करने, अपने ऑर्डर की जाँच के लिए आधिकारिक अमेज़न ऐप का उपयोग करने, बहु-कारक प्रमाणीकरण चालू करने और गिफ्ट-कार्ड से किसी भी भुगतान पर रोक लगाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ये छोटी-छोटी आदतें बड़ी परेशानियों से बचाती हैं।'

पनवेल महानगरपालिका

ता. पनवेल, जिल्हा - रायगड, पनवेल ४१०२०६

कार्यालय :-२७४५८०४०/४१/४२ फॅक्स नं.: ०२२-२७४५२२३३ ई मेल:-panvelcorporation@gmail.com

जा.क्र.पमपा/पापुवि/९९२५/प्र.क्र.०१/१०३९/२५ दिनांक: २३/०९/२०२५

द्वितीय मुदतवाढ

अ. क्र.	निविदा क्र.	कामाचे नाव	अंदाजपत्रकीय रक्कम
१)	PMC/WS/29/2025-26	पनवेल महानगरपालिका क्षेत्रातील २९ गावांमध्ये नवीन पाईपलाईन टाकणे, पाईपलाईन बदलणे व इतर अनुषंगिक स्थापत्य कामे करणे..	₹ ३,६७,७९,९६८/-

वरील ई - निविदेबाबतची माहिती शासनाच्या 'http://mahatenders.gov.in या संकेत स्थळावर दि. २४/०९/२०२५ रोजी प्रसिध्द करण्यात येईल. संबंधित निविदाकारांनी याची नोंद घ्यावी.

सही/-
(गणेश शेटे)
अतिरिक्त आयुक्त-१
पनवेल महानगरपालिका

पेज 1 का शेष

'I Love Muhammad' vs 'I Love Mahadev'

'अब समय है हिंदू एकता दिखाने का। जाति-समुदाय भूलकर एकजुट हो जाओ'। एक पोस्ट पर हजारों कमेंट आए- 'हर हर महादेव'। 'जय श्रीराम'। माहौल गरमाता चला गया।

वाराणसी से उठा 'I Love Mahadev' का शंखनाद

काशी के संतों ने इसे सीधी चुनौती मान लिया। शंकराचार्य नरेंद्रानंद सरस्वती ने कहा- 'यह चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने की साजिश है। अगर 30 करोड़ लोग मोहम्मद के नाम पर जुलूस निकालेंगे, तो 100 करोड़ लोग महादेव के नाम पर उतरेंगे'। उन्होंने गरबा आयोजनों में गैर हिंदुओं की एंट्री रोकने की मांग की। कहा, 'जैसे मक्का में गैर मुसलमानों को एंट्री नहीं, वैसे ही गरबा में गैर हिंदुओं को रोको। नहीं मानते तो ठोको'। काशी में संतों ने 'I Love Mahadev' के पोस्टर लगाए. पार्कों और घरों में तख्तियां टांगीं। उज्जैन में 'I Love Mahakal' का कैंपेन चला। अब लगभग हर राज्य की सरकारें इस संवेदनशील मुद्दे पर अलर्ट हैं।

तिहाड़ जेल से हटाई जाएंगी अफजल गुरु और मकबूल भट्ट की कब्रें?

HC ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने संसद हमले के दोषी मोहम्मद अफजल गुरु और जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (JKLF) के संस्थापक मोहम्मद मकबूल भट्ट की तिहाड़ जेल परिसर से कब्रें हटाने की याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि यह अत्यंत संवेदनशील मामला है और इस पर फैसला सरकार ने फांसी के समय सोच-समझकर लिया था। ऐसे मामलों को एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद दोबारा नहीं खोला जा सकता। कोर्ट ने कहा कि इस तरह का निर्णय केवल सक्षम प्राधिकारी ही ले सकता है और जब तक कोई कानून जेल परिसर में दफन या अंतिम संस्कार को रोकता नहीं है, तब तक अदालत का हस्तक्षेप उचित नहीं है। अदालत ने कहा, "वहां 12 वर्षों से कब्र है। यह सरकार का निर्णय था। यह फैसला उस समय संभावित परिणामों को ध्यान में रखकर लिया गया था। अब इसे बदलने का सवाल नहीं उठता है।"

कोर्ट ने यह भी कहा कि केवल सक्षम प्राधिकारी

ही ऐसे मामलों में फैसला ले सकता है और परिसर के अंदर दफनाने या दाह संस्कार पर रोक लगाने वाले कानून के अभाव में न्यायिक हस्तक्षेप अनुचित है। कोर्ट ने कहा कि क्या सरकार ने यह फ़ैसला परिवार को शव देने या तिहाड़ जेल के बाहर दफनाने की अनुमति देने के नतीजों को ध्यान में रखते हुए लिया? ये बहुत संवेदनशील मुद्दे हैं। इसके कई कारक हैं। सरकार ने सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए फैसला लिया। क्या अब हम 12 साल बाद उस फैसले को चुनौती दे सकते हैं?'

महावितरण – महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित

ई-निविदा सुचना

म.रा.वि.वि.कं.मर्या. मालेगाव मंडलांतर्गत खालील कामासाठी पात्र व नोंदणीकृत कंत्राटदारांकडून ई-निविदा स्वरूपात डिजिटल सीलबंद व स्वाक्षरीकृत निविदा मागविण्यात येत आहे. कामाचे स्वरूप, नोंदणी तारखा, निर्दिष्ट क्षेत्र, निविदा शुल्क, अंदाजित किंमत, ईएमडी इ. तपशील **www.etender.mahadiscom.in/eatApp** येथे उपलब्ध करण्यात आला आहे.

1	म.रा.वि.वि.कं.मर्या. मालेगाव मंडलांतर्गत विविध क्षमतेच्या CT व PT पुरवठा कामासाठी पात्र व नोंदणीकृत कंत्राटदारांकडून ई-निविदा स्वरूपात डिजिटल सीलबंद व स्वाक्षरीकृत निविदा **SE/MLGC/T-04/2025-26 (अंदाजीत निविदा रक्कम रु. 30.00 लक्ष)** या क्रमांकाने मागविण्यात येत आहे. **निविदा दि. 26.09.2025 पासून दि. 11.10.2025 पर्यंत** उपलब्ध असेल. निविदा शुल्क ऑनलाईन भरणा केलेनंतर सदरील निविदा **दि. 11.10.2025 रोजी 11:55 वा.** पर्यंत भरणेसाठी उपलब्ध असेल.
2	म.रा.वि.वि.कं.मर्या. मालेगाव विभाग, मालेगाव मंडलांतर्गत "Supply Erection Testing & Commissioning of 33 KV & 11 KV Overhead line for the Elimination 2 numbers of crossover points between MSEDCL and DF area." या कामासाठी पात्र व नोंदणीकृत कंत्राटदारांकडून ई-निविदा स्वरूपात डिजिटल सीलबंद व स्वाक्षरीकृत **निविदा SE/MLGC/DF/T-05/2025-26 (अंदाजीत निविदा रक्कम रु. 161.66 लक्ष)** या क्रमांकाने मागविण्यात येत आहे. **निविदा दि. 29.09.2025 पासून दि. 14.10.2025 पर्यंत** उपलब्ध असेल. निविदा शुल्क ऑनलाईन भरणा केलेनंतर सदरील **निविदा दि. 14.10.2025 रोजी 23.55 वा.** पर्यंत भरणेसाठी उपलब्ध असतील.
	संपर्क क्र. 9029116012/9029116349

पी.आर.ओ.क्र.- 240

अधिक्षक अभियंता,
मालेगाव मंडल

सार्वजनिक सूचना - हस्तांतरण

कृपया ध्यान दें कि श्री एम. अरुण कुमार (उर्फ अरुलकुमार), स्व. मूर्ति आर्मोगम हरिजन (उर्फ मूर्ति अरुमुगम) के पुत्र, वयस्क भारतीय निवासी (इसके पश्चात "मेरे मुवक्किल/अधिकार प्राप्तकर्ता" के रूप में संदर्भित)।

यह सूचित किया जाता है कि GNM/A-२/२६५-२/२, अन्ना नगर, नित्यानंद चॉल, कुम्भारवाड़ रोड, धारावी, मुंबई - ४०० ०१७., मुंबई शहर, महाराष्ट्र, पते पर स्थित झोपड़ी का स्वामित्व, मूल झोपड़ी धारक श्री. कबीलग गैब्रियल (उर्फ कबीळर) से, 1982 से उक्त पते पर निवास कर रहे श्री एम. अरुण कुमार को हस्तांतरित किया जा रहा है। यह हस्तांतरण १२ दिसंबर १९९७ को निष्पादित पावर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर किया जा रहा है।

कोई भी व्यक्ति/संस्था जिसके पास उक्त झोपड़ी पर दावा, आपत्ति या अधिकार है, वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करे। निर्धारित समय के बाद प्राप्त किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

प. मंजुळा कदिरवेल, अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, मुंबई
दूरध्वनी. क्रमांक ९१ ९६१९०५८५६७, ९१ ८८५०८४०७६३
ईमेल: adv.manjulakadirvel188@gmail.com
ठिकाण: मुंबई

शारदीय नवरात्रि के चौथे दिन मां कुष्मांडा की पूजा

आज शारदीय नवरात्रि का चौथा दिन है। नवरात्रि की चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा की जाती है। माता कूष्मांडा की उपासना करने से परिवार में खुशहाली आती है। इसके साथ ही व्यक्ति को यश, बल और लंबी उम्र की प्राप्ति होती है। शारदीय नवरात्रि के चौथे दिन मां कुष्मांडा की पूजा की जाती है, जिनके लिए सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करने के बाद मां का ध्यान करें, फूल, फल, धूप, दीप और कुमकुम आदि अर्पित करें, और उन्हें दही, मालपुआ व हलवा का भोग लगाएं। नवरात्रि के चौथे दिन नीला रंग पहनकर माता की पूजा करें। पीले चंदन का प्रयोग करना और दुर्गा चालीसा व मंत्रों का पाठ करना शुभ माना जाता है, जिससे स्वास्थ्य, यश और संकट मुक्ति की प्राप्ति होती है।

मां कूष्मांडा का स्वरूप

मां दुर्गा के चौथे स्वरूप माता कूष्मांडा का वाहन सिंह है। मां कूष्मांडा की आठ भुजाएं होने के कारण इन्हें अष्टभुजा वाली भी कहा जाता है। इनके सात हाथों में कमंडल, धनुष, बाण, कमल, अमृत से भरा कलश, चक्र और गदा नजर आता है तो आठवें हाथ में जप की माला। कहते हैं इस जप की माला में सभी सिद्धियों और निधियों का संग्रह है। कूष्मांडा देवी थोड़ी-सी सेवा और भक्ति से ही प्रसन्न हो जाती हैं। जो साधक सच्चे मन से इनकी शरण में आता है उसे आसानी से परम पद की प्राप्ति हो जाती है।

मां कूष्मांडा को अर्पित करें इस रंग के फूल

शारदीय नवरात्रि के चौथे दिन माता रानी को लाल रंग के फूल अर्पित करें। मां कूष्मांडा को लाल रंग के फूल पसंद हैं। इनका निवास सूर्य मंडल के भीतर है। कहते हैं सूर्य लोक में निवास करने की क्षमता केवल मां कूष्मांडा में ही है और यही सूर्य देव को दिशा और ऊर्जा प्रदान करती हैं।

पूजा विधि

स्नान करें: ब्रह्म मुहूर्त में उठकर दैनिक कार्यों से निवृत्त होकर स्नान करें और इस दिन रॉयल ब्लू रंग का वस्त्र पहनना बेहद शुभ होता है।

मां कुष्मांडा का ध्यान: मां कुष्मांडा का ध्यान करें और उनका आवाहन करें।

सामग्री अर्पित करें: देवी को लाल गुड़हल या पीले कमल के फूल, सिंदूर, कुमकुम, अक्षत, धूप, दीप और फल अर्पित करें।

भोग लगाएं: मां कुष्मांडा को दही, हलवा और मालपुआ का भोग लगाएं।

मंत्र और पाठ: मां कुष्मांडा के मंत्रों का जाप करें, जैसे 'ॐ कूष्माण्डायै नमः'। इसके साथ ही दुर्गा चालीसा या दुर्गा सप्तशती का पाठ भी कर सकते हैं।

आरती करें: अंत में घी का दीपक जलाकर मां कुष्मांडा की आरती करें।

क्षमा याचना: पूजा के अंत में अपनी भूल-चूक के लिए माफी मांगें।

महत्व और लाभ

मनोकामना पूर्ति: देवी की कृपा से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं।

मां कूष्मांडा पूजा मंत्र

ऊं ऐं ह्रीं क्लीं कुष्मांडायै नमः।

या देवी सर्वभूतेषु माँ कूष्माण्डा रूपेण संस्थिता।

नवजात शिशु के सही विकास के लिए ऐसे करें उनकी देखभाल

बच्चों का शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास हो, इसके लिए तीन बातों का ध्यान रखना जरूरी है– स्तनपान, अनिवार्य टीकाकरण और पूरक आहार। शुरू के छह महीने बहुत खास होते हैं। इसके बाद बच्चे को पूरक आहार देना शुरू किया जाता है। बच्चे के भावनात्मक विकास के लिए उसे भरपूर प्यार और बेहतर पारिवारिक माहौल की भी जरूरत होती है। इसके लिए माता-पिता बच्चे से जुड़ाव बढ़ाएं, उसके साथ खेलें। उसके पोषण और प्रेम में कहीं से कमी न होने दें। गर्भकाल से लेकर तीन वर्ष तक बच्चे के मानसिक विकास की अवधि होती है। इस दौरान 80 प्रतिशत से ज्यादा न्यूरल विकास होता है। हर बच्चे का अधिकार है कि उसके जीवन की शुरुआत गुणवत्तापूर्ण हो। इन अधिकारों में अच्छा पोषण, उत्तरदायी देखभाल, स्वास्थ्य, सुरक्षित वातावरण और प्रारंभिक शिक्षण शामिल है। पूरक आहार की शुरुआत भले ही छह महीने बाद हो जाती है, लेकिन ध्यान रखें स्तनपान कम से कम दो साल तक जारी रहे।

मां का दूध बच्चे के लिए अमृत

नवजात शिशु को शुरुआती छह महीने तक केवल मां का ही दूध पिलाना चाहिए। इस दौरान बॉटल फीडिंग या किसी अन्य तरीके से बच्चों को दूध पिलाना उसके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। एक बड़ी भ्रांति है कि मां का दूध कम होता है, जबकि वास्तविकता यह है कि मां बच्चे को जितना दूध पिलाएगी, उतना ही बढ़ेगा। मां का दूध बच्चे को पिलाना इसलिए जरूरी है, क्योंकि यह बहुत ही सुपाच्य होता है। दूध पीते-पीते यह बच्चे को पच जाता है और एक घंटे में ही उसे दोबारा भूख लग जाती है। अगर बच्चे को बॉटल फीडिंग की आदत लगा दी जाती है, तो मां का दूध स्वतः कम होने लगता है। ध्यान रखें इन छह महीनों के दौरान बच्चे को पानी भी नहीं पिलाना है और ना ही कोई घुट्टी देनी है या कुछ खिलाना है।

मां के पोषण पर बच्चे की निर्भरता

हर मां को चाहिए कि वह दिनभर में नवजात को कम से कम आठ बार स्तनपान कराए। बच्चे को रात में भी दूध पिलाना जरूरी है। दूसरा, मां का खाने में कोई परहेज नहीं है। पूरे उत्तर भारत में यह माना जाता है कि अगर मां बच्चे को दूध पिला रही है, तो उसे चावल, दही, आम आदि नहीं खाना चाहिए, जबकि मेडिकल साइंस कहता है कि स्तनपान के दौरान मां को घर का बना सब कुछ- चावल, दाल, हरी सब्जी, रोटी, दाल आदि कम से कम चार बार खाना चाहिए। साथ ही मौसमी फल जैसे केला, अमरूद भी खाती रहें। दूध बनने की प्रक्रिया बच्चे के दूध पीने और मां के भोजन से जुड़ी है। प्रसव के तुरंत बाद लोग मां का दूध नहीं पिलाने देते कि इससे पस बनता है, दही नहीं खाने देते हैं कि इससे ठंड लगती है, आम नहीं खाने देते कि इससे बच्चे के पेट में दर्द होता है। ये धारणाएं गलत हैं। विज्ञान कहता है कि स्तनपान के दौरान मां को 300 से 400 किलो कैलोरी की अधिक आवश्यकता होती है यानी अगर घर में लोग तीन बार भोजन कर रहे हैं, तो मां को चार बार भोजन करना चाहिए।

बरसात के मौसम में दिखने लगते हैं कीड़े-मकोड़े

किचन में रख दें 5 चीजें | भागेंगे कोसों दूर

बरसात के मौसम में घर और आसपास कई तरह के कीड़े, मक्खियां आदि नजर आने लगते हैं। यही नहीं, कई कीड़े तो घर में घुस जाते हैं और इनके काटने से स्किन पर एलर्जी तक हो सकती है। बरसाती मक्खियां तो हैजा जैसी बीमारियों का कारण तक बन सकती हैं और किचन के फर्श, कैबिनेट्स यहां तक कि खाने पर भी भिनभिनाने लगती हैं। ऐसे में किचन में मौजूद नेचुरल चीजों की मदद से कीड़े और मक्खियों को दूर भगा सकते हैं।

नमक : घर को डिसइंफेक्ट करने और संक्रमण को रोकने के लिए आप नमक का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप फर्श को साफ करने के लिए नमक का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप एक बाल्टी पानी में 4 से 5 चम्मन नमक डालें और पोछा के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। ऐसा करने से घर में मक्खी या कीड़े नहीं आएंगे। आप घर के आसपास नमक का छिड़काव कर केचुए आदि को दूर रख सकते हैं।

नीम के पत्ते: अगर घर में मक्खियां या उड़ने वाले पतंगे आ रहे हैं तो आप नीम के पत्ते का इस्तेमाल करें। आप नीम के कुछ पत्तों को उबाल लें और इसे स्प्रे बोतल में डाल लें। जैसे ही मक्खियां नजर आएं, आप उन पर यह छिड़काव करें। आप घर के उन जगहों पर इससे छिड़काव करें जहां कीड़े आदि आ रहे हैं। आप नमी ऑयल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

तुलसी: आप एक स्प्रे बोतल में तुलसी पत्ते को पीसकर पानी के साथ घोल लें। अब इसे लकड़ी के फर्नीचर, फर्श आदि जगहों पर स्प्रे कर लें। अगर घर में मक्खियां आती हैं तो आप कमरे में तुलसी का पौधा लगाकर रख दें। इस तरह ये कीड़े घर के बारह ही रहेंगे। आप पिपरमिंट ऑयल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

तेजपत्ता: अगर घर के खाने की चीजों में कीड़े लग रहे हैं तो इसके लिए आप तेजपत्ते का इस्तेमाल बड़ी आसानी से कर सकते हैं। आप चावल, दाल, आटा आदि के डिब्बे को एयरटाइट कंटेनर में रखें और साथ में दो से तीन तेजपत्ता डाल दें। इस तरह इनमें कीड़े नहीं लगेंगे।

लहसुन: घर में कीड़ों के प्रवेश को रोकने के लिए आप एक स्प्रे बोतल में सफेद सिरका डालें। अब इसमें 5 से 6 लहसुन की कलियों को छीलकर पीस घर घोल दें। अब इसमें आधा कप पानी मिलाएं। आपका स्प्रे तैयार है। इसकी मदद से आप हर तरह के कीड़ों को घर से खदेड़ सकते हैं।

प्याज काटते समय आपके भी आंखों से बहते हैं आंसू

कुकिंग करना मोस्टली सभी को पसंद होता है, लेकिन कुकिंग का एक प्रोसेस सभी के आंसू निकाल देता है। हमारा इशारा प्याज की तरफ है। कुकिंग के वक्त प्याज की चॉपिंग काफी मुश्किल काम है। प्याज काटते वक्त आंखों में इतनी ज्यादा झांस लगती है कि अच्छे अच्छों के आंख से आंसू निकल आता है। अगर आपको भी प्याज काटते वक्त खूब आंसू निकलता है तो हम आपको कुछ हेक्स बता रहे हैं इसकी मदद से आंसू रुक सकते हैं। आइए जानते हैं इस बारे में...

प्याज काटते वक्त क्यों निकलता है आंसू?

प्याज काटते वक्त आंखों से आंसू आने का कारण प्यास के अंदर मौजूद एंजाइम होते हैं। जब प्याज काटा जाता है तब उसके अंदर मौजूद इनमें से एक तरह की गैस निकलती है। जिससे sy propan-ethial s oxide कहा जाता है। यह नाक के जरिए आंखों के मेंब्रेन को इरिटेट करती है और आंखों से आंसू आते हैं। तो अगर आप इससे बचना चाहते हैं तो यह उपाय अपना ले।

ये टिप्स आएंगे काम

- प्याज काटते वक्त आप गॉगल्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह एक खास तरह का गोगल्स होता है,जिससे आंखों तक हवा नहीं पहुंचती है। इस तरीके से आपकी आंखों में प्यास की गैस नहीं पहुंचेगी।
- प्याज को छीलने के बाद इसे बीच से दो टुकड़ा कर दें। उसके बाद इसे पानी में डालकर थोड़ी देर के लिए रख दें। आप इसे कम से कम 15 से 20 मिनट तक पानी में ही रहने दें। इस पानी में आप सफेद सिरका भी डाल सकते हैं। ऐसा करने से प्याज के एंजाइम निकल जाएंगे और आपकी आंखों से आंसू भी नहीं आएगा।

- प्याज काटते समय आंसू से बचने के लिए आप इसे काटने से पहले 20 से 25 मिनट फ्रिज में रख दें। ऐसा करने से प्याज में मौजूद एंजाइम का असर खत्म हो जाता है और इसे काटने पर आंख से पानी नहीं निकलता है।
- हमेशा प्याज धारदार चाकू से ही काटें। जब आप तेज चाकू से प्याज काटते हैं तो प्याज की लेयर कटती है। इनमें से कम एंजाइम निकलते हैं। प्याज की सेल वॉल्स जब डैमेज होती है,तो इसमें से कम गैस निकलती है और आंखों को भी दिक्कत कम होती है।
- कुछ लोग तो यह भी मानते हैं कि प्याज काटते वक्त अगर पास में मोमबत्ती जलाकर रखा जाए तो इससे निकलने वाली गैस मोमबत्ती में चली जाती है और आपकी आंखों में जलन नहीं होती।

इंस्टेंट ढोकला

ढोकला एक गुजराती डिश है, जिसे देशभर के विभिन्न राज्यों में बड़े चाव से खाया जाता है। हरी चटनी के साथ ढोकले का स्वाद बेहद उम्दा लगता है। आप इस मशहूर गुजराती डिश को अपने घर में आसानी से तैयार कर सकते हैं। आइए जानते हैं इंस्टेंट ढोकला बनाने का तरीका।

खाना खजाना

सामग्री

बेसन – 100 ग्राम(एक कप) सूजी रवा – 100 ग्राम(एक कप) पानी – 100 ग्राम (आधा कप) दही – 200 ग्राम (1 कप, फैट लीजिये) हल्दी – चुटकी भर नमक – 1 छोटी चम्मच या स्वादानुसार ईनो पाउडर – 1 छोटी चम्मच तड़का लगाने के लिए, तेल – एक टेबल स्पून राई के दाने – एक छोटी चम्मच हरी मिर्च – 2 या 3 कटी हुई चीनी – एक छोटी चम्मच नमक – एक चौथाई छोटी चम्मच हरा धनियां – एक टेबिल स्पून कटा हुआ नारियल – एक टेबिल स्पून कद्दूकस किया हुआ

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बर्तन में सूजी, दही, हल्दी, बेसन और पानी डालकर मिक्स कर लें। इस घोल को ज्यादा पतला या ज्यादा गाढ़ा न रखें। इसके बाद घोल में नमक डालकर मिक्स कर लें ताकि इसमें एक भी गांठ ना रहे। अब मिश्रण में ईनो डालकर अच्छी तरह फेंट लें। अब कुकर में 1 गिलास पानी भरिए। पानी के ऊपर एक स्टैंड रख दीजिए। इसके बाद एक बाउल को ग्रीस करिए। इस बाउल में ढोकले का बैटर डालकर कुकर में रखी प्लेट के ऊपर रख दीजिए।

ढोकले का तड़का बनाने के लिए छोटे पैन में 1 टेबल स्पून तेल डालकर गरम करें। तेल के गरम होने पर इसमें राई और कटी हरी मिर्च डालकर तड़काएं। फ्राई होने के बाद इसमें 1 कटोरी पानी डाल दें। इसके बाद इस घोल में स्वादानुसार चीनी और नमक मिला दें। इस तड़के को ढोकला के ऊपर डाल दें। आपका ढोकला तैयार है।

खजूर हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक

खजूर यानि डेट्स जोकि स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है साथ ही इसे स्वादिष्ट फल भी माना जाता है। यह मिठास और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। अगर आप इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाते हैं तो यह कैलोरी वाले स्नैक्स की तुलना में ज्यादा बेहतर होते हैं। खजूर में भी दो प्रकार होते हैं सूखे खजूर और ताजे खजूर। आज हम अपने आर्टिकल के जरिए बताएंगे कि सूखे और ताजे खजूर में क्या अंतर है? और दोनों में से सेहत के लिए ज्यादा अच्छा कौन सा है? ड्राई खजूर जो सख्त और पीले रंग के होते हैं। फ्रेश खजूर पके होते हैं। सूखे खजूर को तोड़ने से पहले कुछ समय के लिए धूप में सुखाया जाता है।

खजूर क्या होता है?

खजूर स्वादिष्ट छोटे फल हैं जो बेहद मीठे होते हैं। दुनिया भर में खजूर की ढेरों अलग-अलग किस्में हैं। आप जब भी किसी देश की यात्रा करेंगे तो आपको खजूर अलग-अलग रूप में मिल जाएंगे। इन फलों के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि ये उन कुछ फलों में से एक हैं जिन्हें लगभग हर संस्कृति किसी न किसी तरह से अपने भोजन में शामिल करती है। ब्रिटेन में खजूरों को काटकर पारंपरिक चिपचिपी टॉफ़ी पुडिंग या क्रिसमस पुडिंग में मिलाया जाता है। खजूर को बेकन में लपेटकर तला जाता है। इज़राइल में सिलान नामक खजूर का सिरप होता है। आमतौर पर चिकन को स्वादिष्ट बनाने के लिए शहद की जगह कई देशों में खजूर का इस्तेमाल होता है। हाल ही में खजूर फिर से चर्चा का विषय बनी हुई है। क्योंकि यह सोशल मीडिया और इंटरनेट का जमाना है। इस दौरान में आसानी से पता लगाया जा सकता है कौन से देश में किस तरह के खजूर पाए जाते हैं। खजूर से जुड़ा सबसे बड़ा सवाल जो हमसे अक्सर पूछा जाता है वह यह है कि ताजे और सूखे खजूर में क्या अंतर है?

ड्राई खजूर

खजूर को ड्राई खजूर भी कहा जाता है। जिसे आप छुहारा के नाम से जानते हैं। सबसे पहले पेड़ से इसे कच्चा तोड़कर धूप में सुखाया जाता है। यह खजूर सेहत के लिए काफी अच्छा होता है। अगर आप खजूर उगाने वाले हिस्से में नहीं रहते हैं। तो आपको इसका अनुभव करना थोड़ कठिन हो सकता है। इनकी कटाई केवल अगस्त और सितंबर के कुछ दिनों या हफ्तों के बीच की जाती है।

जब खजूर पूरी तरह से पक कर अपना रंग बदल लेता है। इसके स्वाद में भी बदलाव होने लगता है,तो उसे रुतब खजूर कहा जाता है। पके हुए खजूर का रंग भूरा होने लगता है और सिकुड़ने लगता है। रतुब खजूर में नमी की मात्रा केवल 50-70% के बीच होती है। जैसे-जैसे वे पकते हैं, उनमें एक नरम और बेहद रसदार होने लगते हैं। जिसे खाने के बाद कोई भी उसका स्वाद भूल नहीं पाएगा। साथ ही पके हुए खजूर की मिठास भी काफी बढ़ जाती है। ये खजूर बहुत जल्दी खराब हो जाते हैं लेकिन अगर इन्हें जमाकर रखा जाए तो ये 2 साल तक चल सकते हैं। ये पके हुए खजूर आमतौर पर आपको देश-दुनिया के किसी भी हिस्से में मिल जाएगी।

दोनों में कौन सा है बेहतर

दोनों तरह के खजूर सेहत के लिहाज से बेहतर हैं। आप इसे खाली पेट या शाम के वक्त आराम से खा सकते हैं। आप इसे दूध या फल के साथ आराम से खा सकते हैं। यह आपकी सेहत के लिए फायदेमंद ही है।

बारिश में होता है भयंकर हेयर फॉल

बारिश में बाल धोते और कंघी करते वक्त बाल टूटना नॉर्मल माना जाता है। बरसात में रोज बाल टूटने का भी सामना करना पड़ सकता है। हेयर फॉल की वजह से इनकी तादाद ज्यादा भी हो सकती है।

ऐसे में जरूरी है कि बालों को लेकर सावधानी बरती जाए और हेयर फॉल को रोकने की हरसंभव कोशिश की जाए। ध्यान रखने वाली बात यह भी है कि सरसों का तेल बरसात के मौसम में बालों में ज्यादा नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से हेयर फॉल की परेशानी और भी ज्यादा बढ़ सकती है। बारिश में भीगने से बचना चाहिए और बाल अगर गीले हो जाएं तो उन्हें जल्दी से सुखा लेना चाहिए। ऐसा करने से फंगल इंफेक्शन का खतरा कम हो जाएगा और हेयर फॉल से भी राहत मिलेगी। इससे बालों को मजबूती भी मिलेगी। हेयर फॉल रोकने के लिए नहाने से पहले बालों की कोकोनट ऑयल से अच्छी तरह मसाज कर लेनी चाहिए। ऐसा करने से स्कैल्प की ड्राइनेस दूर होती है और यह कंडीशनर का काम करता है। हर सप्ताह 1-2 बार कोकोनट ऑयल या अन्य किसी हेयर ऑयल से मसाज कर सकते हैं। बारिश के मौसम में शैंपू करने के बाद कंडीशनर जरूर इस्तेमाल करें। इससे आपके बालों को मजबूती मिलेगी। ऐसा करने से हेयर फॉल की समस्या से भी काफी हद तक राहत मिल सकती है।

शारदीय नवरात्रि के तीसरे दिन रॉयल ब्लू रंग का विशेष महत्व

शारदीय नवरात्रि के तीसरे दिन परंपरागत परिधान में ठाणे पीएफ रिजनल आफिस साऊथ की महिला कर्मचारी। नवरात्रि समारोहों में रंगों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। तीसरे दिन, राजसी नीला रंग पहनने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह शक्ति और शांति से जुड़ा है। यह रंग मां चंद्रघंटा की आभा को दर्शाता है, जो शक्तिशाली और दयालु दोनों हैं। ऐसा माना जाता है कि इस रंग को पहनने से साहस के लिए मां का आशीर्वाद प्राप्त होता है। जीवन में मां सफलता और स्थिरता लाएं। आध्यात्मिक भक्ति और विश्वास को सुदृढ़ करें।

टी-20 रैंकिंग में भारत का दबदबा

पांड्या-चक्रवर्ती और अभिषेक टॉप पर बरकरार

नई दिल्ली। चक्रवर्ती और आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बुधवार को जारी आईसीसी टी20 रैंकिंग में अपने-अपने वर्ग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। पिछले हफ्ते दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने चक्रवर्ती ने 14 रेटिंग अंक के फायदे से शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की। उनके 747 अंक हो गए हैं। पिछले हफ्ते 11 स्थान की छलांग लगाने वाले पाकिस्तान के अबरार अहमद को नवीनतम रैंकिंग में 12 स्थान का फायदा हुआ है। बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान ने छह स्थान के फायदे के साथ शीर्ष 10 में वापसी की है। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने एशिया कप के अपने पिछले दो मैच में आठ के औसत से छह विकेट चटकाए हैं।

अभिषेक की धमाकेदार बल्लेबाजी

बल्लेबाजी रैंकिंग में सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने ओमान के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप मैच में 38 रन की तेजतर्रार पारी खेलने के अलावा रविवार को पाकिस्तान के 171 रन के स्कोर का पीछा करते हुए 74 रन की मैच विजयी पारी खेली। पाकिस्तान के खिलाफ 19 गेंद में नाबाद 30 रन की पारी खेलकर भारत को लक्ष्य तक पहुंचने में मदद करने वाले तिलक वर्मा को भी तीन स्थान का फायदा हुआ है।

सूर्यकुमार, फरहान और तलत का उभार

कप्तान सूर्यकुमार यादव भी एक स्थान के फायदे से शीर्ष पांच में जगह बनाने के करीब पहुंच गए हैं। भारत के खिलाफ 45 गेंद में 58 रन की पारी खेलने वाले पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 31 स्थान के फायदे से 24वें पायदान पर हैं। श्रीलंका के खिलाफ धैर्यपूर्ण पारी खेलकर पाकिस्तान को जीत दिलाने वाले हुसैन तलत 1474 अंक की लंबी छलांग लगाकर पुरुष टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में संयुक्त रूप से 234वें स्थान पर हैं।

पांड्या का ऑलराउंड प्रदर्शन

ऑलराउंडर सूची में शीर्ष पर बरकरार पंड्या गेंदबाजी रैंकिंग में छह स्थान आगे बढ़कर 60वें स्थान पर हैं।

वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया का निकला दम

सिर्फ 194 पर हुई ढेर, केएल राहुल भी फ्लॉप

नई दिल्ली। भारत बनाम वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज पास आ रही है, जिसके लिए आज भारतीय स्क्वाड की घोषणा होनी है. दरअसल उससे पहले ऑस्ट्रेलिया A टीम भारत दौरे पर है. दोनों टीमों के बीच दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट लखनऊ में खेला जा रहा है, जिसमें कंगारू टीम ने पहले खेलते हुए 420 रन बनाए थे. इसके जवाब में ध्रुव जुरेल की कप्तानी वाली इंडिया A महज 194 रनों पर ढेर हो गई है.

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया A ने दमदार बैटिंग करते हुए 420 रन बनाए. हेनरी थॉर्टन की घातक गेंदबाजी के आगे भारतीय बैटिंग लाइन-अप चरमरा गया. उन्होंने कुल 4 विकेट चटकाए. भारतीय टीम शुरू से ही संघर्ष करती दिखी, सबसे पहले केएल राहुल सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हो गए. विकेटकीपर बल्लेबाज एन जगदीशन को वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय स्क्वाड में चुने जाने की खबर है. उन्होंने 38 रनों का योगदान दिया. साई सुदर्शन टीम इंडिया के लिए टॉप स्कोरर रहे, जिन्होंने 75 रनों की पारी खेली. देवदत्त पडिक्कल भी भारतीय स्क्वाड में आने को लेकर चर्चा में हैं. उनके साथ-साथ कप्तान ध्रुव जुरेल और नितीश कुमार रेड्डी भी सिर्फ एक-एक रन बनाकर आउट हो गए. आयुष बदोनी ने 21 रन और प्रसिद्ध कृष्णा 16 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए. भारत की पूरी टीम 194 रन पर सिमट गई, जिससे ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 226 रनों की विशाल बढ़त मिली है. इस मैच में मोहम्मद सिराज भी खेल रहे हैं, जो पहली पारी में सिर्फ एक विकेट ले पाए थे. वहीं प्रसिद्ध कृष्णा भी सिर्फ एक ही विकेट ले पाए.

अभिषेक शर्मा को मिलेगा प्रमोशन, एशिया कप के बाद इस नए फॉर्मेट में करेंगे डेब्यू

नई दिल्ली। एशिया कप में अभिषेक शर्मा ने तहलका मचाया हुआ है. अभी तक 4 मैचों में 173 रन बना चुके हैं, और पूरे टूर्नामेंट में उनका ओवरऑल स्ट्राइक रेट 208 का है. खबर है कि अभिषेक शर्मा को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में मौका मिल सकता है. भारतीय टीम को अगले महीने 3 वनडे और 5 टी20 मैचों के लिए ऑस्ट्रेलियाई दौरा करना है. इन दोनों सीरीज में अभिषेक शर्मा खेलते नजर आ सकते हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक चयनकर्ताओं को अभिषेक शर्मा ने काफी प्रभावित किया है. इसी के तोहफे स्वरूप उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में मौका दिया जा सकता है. बताते चलें कि अभिषेक अभी एशिया कप 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं. यह बात भी अभिषेक शर्मा के पक्ष में जाती दिख रही है कि, उन्हें नेट्स में घंटों गेंदबाजी का अभ्यास करते देखा गया है. उनका लिस्ट A रिकॉर्ड भी शानदार रहा है, जहां उन्होंने 61 मैचों में 35.33 के बढ़िया औसत से 2014 रन बनाए हैं. एकदिवसीय क्रिकेट में आमतौर पर 90 से ज्यादा स्ट्राइक रेट को अच्छा माना जाता है, वहीं अभिषेक लिस्ट-ए करियर में 99 से ज्यादा स्ट्राइक रेट से खेलकर गेंदबाजों की धुनाई करते आए हैं. अभिषेक शर्मा को वनडे टीम में मौका मिलता है, तो यह सवाल उठना लाजिमी है कि उन्हें किसकी जगह खिलाया जाएगा.

यूएसए क्रिकेट की आईसीसी सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित

दायित्वों के उल्लंघन के लगे आरोप

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमेरिका क्रिकेट (यूएसए क्रिकेट) की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह फैसला आईसीसी की बैठक में लिया गया।

खेल की वैश्विक संस्था ने कहा कि पिछले एक साल से व्यापक समीक्षा और संबंधित हितधारकों से बातचीत के बाद यह निष्कर्ष निकला कि अमेरिका क्रिकेट बार-बार और लगातार अपने दायित्वों का उल्लंघन कर रहा है।

आईसीसी के अनुसार, अमेरिका क्रिकेट कारगर शासन संरचना (गवर्नेंस स्ट्रक्चर) लागू करने में विफल रहा, वहीं वह अमेरिकी ओलंपिक और पैरालंपिक समिति (यूएसओपीसी) से राष्ट्रीय शासी निकाय का दर्जा हासिल करने की दिशा में भी कोई प्रगति नहीं कर पाया। इसके अलावा, संगठन की गतिविधियों से अमेरिका और दुनिया में क्रिकेट की साख को नुकसान पहुंचा है। आईसीसी ने साफ किया कि इन गंभीर चूकों के कारण ही अमेरिका क्रिकेट की सदस्यता निलंबित की गई है।

आईसीसी की तरफ से जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, खेल की वैश्विक संस्था ने फैसला लिया है कि अमेरिका की राष्ट्रीय टीमें लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलों 2028 की तैयारियों सहित आईसीसी आयोजनों में भाग लेने का अपना अधिकार बरकरार रखेंगी।

एशेज के लिए हैरी ब्रूक बने इंग्लैंड टीम के नए उपकप्तान

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने एशेज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में एक चौंकाने वाला बदलाव देखने को मिला है। चयनकर्ताओं ने ओली पोप को हटाकर हैरी ब्रूक टीम का नया उपकप्तान बनाया है। भारत के खिलाफ सीरीज के दौरान पोप उपकप्तान रहे थे और उन्होंने सीरीज के आखिरी मैच में बेन स्टोक्स की गैरमौजूदगी में कप्तानी भी की थी। हालांकि, उस टेस्ट में इंग्लैंड को हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद माइकल वॉन समेत कई इंग्लिश क्रिकेटरों ने ब्रूक को टेस्ट में उपकप्तानी सौंपने की मांग की थी। पोप के डिमोशन के पीछे उनका खराब फॉर्म भी मुख्य वजह रही।

स्टोक्स कंधे की चोट से उबर रहे

स्टोक्स भारत के खिलाफ सीरीज के दौरान चोटिल हुए थे। हालांकि, वही कप्तानी करेंगे और उनके एशेज सीरीज के शुरुआती टेस्ट के लिए फिट होने की पूरी संभावना है। स्टोक्स कंधे की चोट से उबर रहे हैं। इस चोट के कारण वह भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के अंतिम टेस्ट से बाहर हो गए थे।

ब्रूक भविष्य के कप्तान?

एशेज का पहला टेस्ट 21 नवंबर से पर्थ में होगा। इंग्लैंड के हाल ही में सफेद गेंद के प्रारूप में कप्तान नियुक्त किए गए ब्रूक को इंग्लैंड टेस्ट टीम का भविष्य का कप्तान भी माना जा रहा है। पोप हालांकि, स्क्वॉड में अपनी जगह बचाने में कामयाब रहे।

वुड की स्क्वॉड में वापसी

तेज गेंदबाजों में मार्क वुड भी शामिल हैं जो बाएं घुटने की चोट से उबरने के बाद टीम में लौटे हैं। तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को भी टीम में जगह मिली है जो पिछली बार दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच खेले थे। शोएब बशीर भारत के खिलाफ सीरीज के दौरान लगी अंगुली की चोट से उबर चुके हैं और टीम में चुने गए एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर हैं।

विल जैक्स भी टीम में शामिल

वहीं, इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम के लिए खेलने वाले बल्लेबाजी ऑलराउंडर विल जैक्स को भी टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। जैक्स अंगुली में फ्रेक्चर के कारण अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों के दौरे से चूक जाएंगे जिसमें तीन टी20 और तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल हैं। इंग्लैंड ने हालांकि कहा है कि उनके एशेज के लिए समय पर फिट होने की उम्मीद है।

एशेज के लिए इंग्लैंड की टीम इस प्रकार है :

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक (उपकप्तान), ब्राइडन कार्स, जैक क्राउली, बेन डकेट, विल जैक्स, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग और मार्क वुड।

सरफराज खान को वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिलेगा मौका

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 के बाद भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी. वेस्टइंडीज इस टेस्ट सीरीज के लिए भारत आ रही है. एशिया कप का फाइनल 28 सितंबर को खेला जाएगा और इस टेस्ट सीरीज की शुरुआत 2 अक्टूबर से हो जाएगी.

इस सीरीज के लिए टीम इंडिया में कई ऐसे खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है, जो काफी समय से टीम से बाहर चल रहे हैं. भारत के स्क्वाड में सरफराज खान की वापसी हो सकती है. वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए जल्द ही टीम का ऐलान हो सकता है.

सरफराज खान लगातार ही टीम में वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं. सरफराज अपने खेल के साथ ही फिटनेस पर भी ध्यान दे रहे हैं. सरफराज जिम में वर्कआउट करके और स्ट्रिक्ट डाइट प्लान के साथ 17 किलो वजन कम कर लिया है. सरफराज ने इस बारे में खुद ही जानकारी दी थी. सरफराज टीम इंडिया में शामिल होने के लिए मौजूद भी हैं.

रोहित शर्मा के साथ की प्रैक्टिस

सरफराज खान ने हाल ही में अपने प्रैक्टिस करने की एक फोटो भी शेयर की थी. सरफराज भारत के दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा से क्रिकेट के टिप्स लेते नजर आए थे. रोहित ने सरफराज खान को प्रैक्टिस सेशन के दौरान कई चीजें बताईं.

सरफराज खान का आखिरी टेस्ट मैच

सरफराज खान के भारत के लिए पहला टेस्ट मैच इंग्लैंड के खिलाफ 15-18 फरवरी, 2024 में खेला था. वहीं टेस्ट में कुछ मौके मिलने के बाद सरफराज आखिरी बार 1-3 नवंबर, 2024 में इस फॉर्मेट में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते नजर आए थे. अगर सरफराज खान को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में मौका दिया जाता है, तब टेस्ट क्रिकेट में इस खिलाड़ी की 332 दिन बाद वापसी होगी.

कप्तान वोल्वार्ड्ट को उम्मीद- दक्षिण अफ्रीका की टीम फाइनल में पहुंचेगी

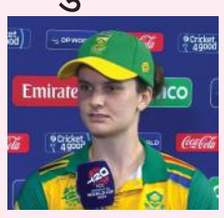

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान एल वोल्वार्ड्ट ने कहा है कि अतीत से सबक लेते हुए उनकी टीम इस महीने महिला वनडे विश्व कप में नये आत्मविश्वास के साथ उतरेगी और लक्ष्य पहली बार फाइल में जगह बनाने का का होगा। दक्षिण अफ्रीका पिछले दो वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा और लगातार दो टी20 विश्व कप में उपविजेता रहा। हाल ही में उसने पाकिस्तान को सीरीज में 2-1 से हराया था। वोल्वार्ड्ट ने आईसीसी के लिये अपने कॉलम में लिखा, 'हमने इस टूर्नामेंट की बहुत अच्छी तैयारी की है और अतीत के आईसीसी टूर्नामेंटों से सबक लिया है। पिछले कुछ वनडे विश्व कप में हम सेमीफाइनल तक पहुंचे।' उन्होंने कहा, 'मुझे याद है कि 2017 में पहली बार सेमीफाइनल में हारने पर कितने दुखी थे, लेकिन इससे हमने सीखा कि दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों का सामना कर सकते हैं और फाइनल में पहुंचना असंभव नहीं है।' उन्होंने कहा, 'इस बार हम पूरे आत्मविश्वास के साथ उतर रहे हैं और लय कायम रखना चाहेंगे। हमें कठिन हालात में अच्छी क्रिकेट खेलनी है।' दक्षिण अफ्रीका के पास आक्रामक शीर्षक्रम है जिसमें वोल्वार्ड्ट और तजमीन ब्रिट्ज हैं जबकि मरियाने काप हरफनमौला हैं। काप का साथ देने के लिये अनुभवी सुने लूस और क्लो ट्रायोन हैं।

रऊफ और फरहान के भड़काऊ इशारे पर शाहीन अफरीदी ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान सुपर-4 मुकाबला एक ऐसी जंग साबित हुआ जो सिर्फ क्रिकेट के मैदान पर बल्ले और गेंद तक सीमित नहीं थी। हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान की पाकिस्तानी जोड़ी के मैदान पर किए गए भड़काऊ इशारों ने सोशल मीडिया पर खूब प्रतिक्रियाएं बटोरीं।

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने 21 सितंबर को भारत के खिलाफ दुबई में अर्धशतक जमाने के बाद 'गनशॉट सेलिब्रेशन' किया था। दूसरी ओर हारिस रऊफ ने दर्शकों की तरफ 6-0 का इशारा किया था। इसी दौरान उन्होंने अपने हाथ से प्लेन के गिरने जैसा इशारा भी किया।

कई क्रिकेट पंडितों और फैंस ने इस जोड़ी की अपरिपक्व हरकतों की आलोचना की। बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप के अपने आखिरी सुपर-4 मैच की पूर्व संध्या पर टीम के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी से मैदान पर रऊफ और फरहान के भड़काऊ इशारों के बारे में पूछा गया।

'हर किसी की अपनी सोच'

बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए शाहीन ने स्वीकार किया कि मैदान पर जश्न मनाने पर टीम का ध्यान नहीं होना चाहिए, क्योंकि वे क्रिकेट खेलने के लिए मैदान पर हैं। शाहीन से जब हारिस और साहिबजादा को भारत के खिलाफ उनके इशारों के लिए मिली आलोचना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, देखिए, हमारा काम क्रिकेट खेलना है। ईमानदारी से कहूं तो हर किसी को अपनी बात कहने का अधिकार है। शाहीन ने आगे कहा, हर किसी का अपना सम्मान होता है। हर कोई अपनी सोच के अनुसार सोचता है। लेकिन हमारा काम क्रिकेट खेलना है और हम टूर्नामेंट जीतने आए हैं। हम एशिया कप जीतने आए हैं। और हम ईश्वर की इच्छा से एक टीम के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं।

IGPL में खेलना महंगा पड़ा

PGTI ने 17 गोल्फरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। PGTI के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमनदीप जोहल ने बुधवार को कहा कि 17 गोल्फरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है जिसमें अनुभवी गोल्फर गगनजीत भुल्लर भी शामिल हैं। इसे खिलाड़ियों ने युवराज सिंह के समर्थन वाली इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (IGPL) में भाग लेने के लिए 'अस्थायी निलंबन' बताया है। इस मामले पर अंतिम फैसला 27 सितंबर को अनुशासनात्मक समिति की बैठक के बाद लिया जाएगा। ओलंपियन और एशियाई टूर विजेता भुल्लर, अमन राज, हरेंद्र गुप्ता, करणदीप कोचर और सचिन बैसोया भी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें 17 से 19 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में IGPL में खेलने के कारण यह नोटिस जारी किया गया है। IGPL और PGTI के चेन्नई ओपन की तारीख एक ही थी और यही विवाद का विषय बन गया है। जोहल ने कहा कि PGTI को सदस्यों के बाहर के टूर्नामेंट में खेलने पर कोई आपत्ति नहीं है, पर वे उसके कैलेंडर के साथ नहीं पड़ने चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर इसकी तारीख हमारे कैलेंडर से इतर होती तो कोई बात नहीं थी, आप खेल सकते हो। लेकिन जब हमारे टूर्नामेंट भी समान तारीख में ही हैं तो हम अपने प्रायोजकों से क्या कहेंगे?' जोहल ने PGA और DP वर्ल्ड टूर जैसे अंतरराष्ट्रीय दौरों से तुलना करते हुए कहा, 'इसलिए हमने कहा, हमारे टूर्नामेंट के दौरान इन टूर्नामेंटों में नहीं खेलें। लेकिन उनका जवाब है कि हम जब चाहें खेलेंगे। कभी PGTI, कभी IGPL। लेकिन आप एक ही समय में दो नाव की सवारी नहीं कर सकते।'

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने सिक्स जड़ने का बनाया अद्भुत रिकॉर्ड

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी के खेल में दिन-प्रतिदिन निखार आता जा रहा है। वो इस समय भारतीय अंडर-19 टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। वैभव ने बुधवार को दूसरे वनडे में 68 गेंदों पर 70 रन की पारी खेली। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपनी पारी के दौरान 5 चौके और 6 छक्के जड़े।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने इस दौरान एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया। उदीयमान क्रिकेटर वैभव यूथ वनडे में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 10 मैचों में 41 सिक्स जमाए। वैभव सूर्यवंशी ने पूर्व अंडर-19 कप्तान उन्मुक्त चंद का रिकॉर्ड तोड़ा। चंद ने 2011-12 के बीच 21 मैच खेले, जिसमें 38 छक्के जमाए। यशस्वी जायसवाल इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 2018 से 2020 के बीच 27 मैचों में 30 छक्के जड़े हैं। वैभव सूर्यवंशी इस समय कमाल के फॉर्म में चल रहे हैं। पहले वनडे में उन्होंने तेजी से 38 रन बनाए थे। फिर दूसरे वनडे में उन्होंने 70 रन की तेजतर्रार पारी खेली।

यूथ वनडे में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज

वैभव सूर्यवंशी -	2024-25, 10 मैचों में 41 छक्के
उन्मुक्त चंद -	2011-12, 21 मैचों में 38 छक्के
यशस्वी जायसवाल -	2018-20, 27 मैचों में 30 छक्के
संजू सैमसन -	2012-14, 20 मैचों में 22 छक्के
अंकुश बैंस -	2013-14, 20 मैचों में 19 छक्के

प्रसिद्ध कृष्णा को सिर में लगी चोट

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के दौरान हादसा

लखनऊ। भारत ए के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को आज ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे मैच के दौरान सिर में चोट लग गई, जिसके बाद बाकी बचे मैचों के लिए यश ठाकुर को कन्कशन सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान में उतारा गया। यह घटना मैच के दूसरे दिन हुई जिससे वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले चिंताएं बढ़ गई हैं। भारत ए की पारी के 39वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया ए के तेज गेंदबाज़ हेनरी थॉर्नटन की गेंद कृष्णा के हेलमेट पर लगी, जब वे बाउंसर को पुल करने की कोशिश कर रहे थे। चोट लगने के बाद कृष्णा का अनिवार्य कन्कशन असेसमेंट हुआ और उन्होंने शुरुआत में अपनी पारी जारी रखी। हालांकि, 42वें ओवर के बाद वे ड्रेसिंग रूम वापस चले गए और उनकी जगह मोहम्मद सिराज क्रीज पर आए। भारत ए की पारी आगे बढ़ने पर सिराज के आउट होने के बाद गुरनूर बरार 11वें नंबर पर आए। जब साई सुदर्शन आउट हुए तो यश ठाकुर को कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियमों के तहत अंतिम एकादश में कृष्णा की जगह आधिकारिक तौर पर शामिल किया गया। भारत ए पहली पारी में 194 रन पर आउट हो गई और ऑस्ट्रेलिया ए के 420 रनों के विशाल स्कोर से पीछे रह गई। दूसरे दिन स्टंप्स के समय ऑस्ट्रेलिया ए ने अपनी दूसरी पारी में 3 विकेट पर 16 रन बनाए थे और मैच में अपनी स्थिति मजबूत बनाए रखी। कृष्णा की चोट की गंभीरता की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

हौसलों को नई उड़ान झुकेगा नहीं साला

एक फ़िल्म आई थी पुष्पा जिसका एक डायलॉग काफी पॉपुलर हुआ था ' झुकेगा नहीं साला '. अब उसी डायलॉग को एक ऐसे शो के रूप मे पेश किया गया है जो जरुरत मंदो की हौसलों को नई उड़ान देता है. जी हाँ देश का पहला वर्टिकल ओटीटी रॉकेट रील्स पर एक नये कॉन्सेप्ट के साथ आये शो झुकेगा नहीं साला की इन दिनों धूम मची हुई है. हिंदुस्तान का पहला वर्टिकल रियलीटी शो झुकेगा नहीं साला के निर्माता क्रांति शानबाग़ जिन्होंने खुद इस शो का कॉन्सेप्ट तैयार किया है, ने बताया की उन्होंने अपने आसपास ही कई ऐसे लोगो को देखा जिनमे हौसला है, कुछ कर गुजरने की क्षमता है लेकिन पैसे के अभाव मे वो अपने सपनो को उड़ान नहीं दें पा रहे हैं, वे उनकी मदद तो करना चाहते थे लेकिन कैसे करें यह समझ नहीं आ रहा था इसीलिए उन्होंने इस शो के माध्यम से उनको मदद करने का फैसला किया. शो के माध्यम से इसीलिए ताकि अधिक से अधिक लोगो तक मदद पहुचे. उन्होंने बताया की शो मे आकर वे अपनी इच्छा और उसे अमल करने का प्लान बताते हैं और शो के जज प्रत्युश भरतिया, राकेश कोठारी, अपर्णा ठक्कर व ब्रजेश जी उनके व्यवसाय मे उनकी मदद करते हैं.

इस मदद के बदले जज का उनके व्यवसाय मे कोई शेयर नहीं होता है बल्कि उनका उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ सेवा भाव होता है. शो को होस्ट कर रहे हैं जाने माने अभिनेता सुरेश मेनन. आपको बता दें की दुनिया मे चल रहे मोबाइल क्रांति को देखते हुए रॉकेट रील्स नाम के ओटीटी का निर्माण खुद क्रांति शानबाग़ ने किया है और अपने शुरूआती दौर मे ही रॉकेट रील्स सफलता का परचम लहरा रही है.

आर ने बताया एक्टर्स के 'घर बैठे पैसे कमाने' का फॉर्मूला

आर. माधवन ने हॉलीवुड और बॉलीवुड में फीस मिलने के तौर-तरीके पर बात की है। उन्होंने कहा है कि यहां एक्टर्स में इनसिक्योरिटीज़ इतनी ज्यादा होती है कि वो रिस्क लेने से दूर भागते हैं। एक्टर ने कहा कि हॉलीवुड में, क्योंकि सितारे अपने पिछले काम से भी पैसे कमाते रहते हैं, इसलिए वे बड़े जोखिम उठाने के लिए बिल्कुल तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर भारत में भी ऐसा ही मॉडल होता तो उनके पास सिर्फ तीन हिट फिल्मों '3 इडियट्स', 'रंग दे बसंती' और 'तनु वेड्स मनु' से ही अपनी आगे की पीढ़ियों का पेट भरने के लिए उनके पास बहुत पैसा होता। उनसे पूछा गया कि क्या करियर की शुरुआत में शाहरुख खान का प्रड्यूसर बन जाना समझदारी भरा कदम था, ताकि वे अपनी फिल्म से अधिक से अधिक फायदा कमा सकें। माधवन ने कहा कि सभी के लिए एक जैसा नजरिया नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि फिल्मी सितारों का उच्च वर्ग ऐसा कर सकता है, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री के निचले तबके के लोगों के पास उतनी फाइनैंशियल सिक्योरिटी नहीं है।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर आपको डबल डिजिट में वेतन मिल रहा है, तो उन पर लागू होने वाले नियम अलग हैं, क्योंकि उन्होंने अपना फ्यूचर सुरक्षित कर लिया है।' माधवन ने कहा कि सितारे एक खास लाइफ स्टाइल के आदी हो जाते हैं, लेकिन बहुत कम लोग यह समझते हैं कि उन्हें अपनी क्षमता से अधिक खर्च नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'उनकी (ए-लिस्ट स्टार्स का) सैलरी ऐसा है कि वे जीवन भर इस जीवनशैली को जी सकते हैं। अगर मैं एक हॉलीवुड एक्टर होता और मेरे पास मेरे जीवन में जितनी हिट फिल्में हैं, क्या आपको लगता है कि मैं (जोखिम भरे प्रोजेक्ट में) कूदने से पहले दूसरी बार सोचूंगा? मैं तुरंत इसमें कूद जाऊंगा, क्योंकि मुझे पता था कि मेरी आने वाली पीढ़ियों का ध्यान सिर्फ तीन ब्लॉकबस्टर से रखा जा सकता है।'

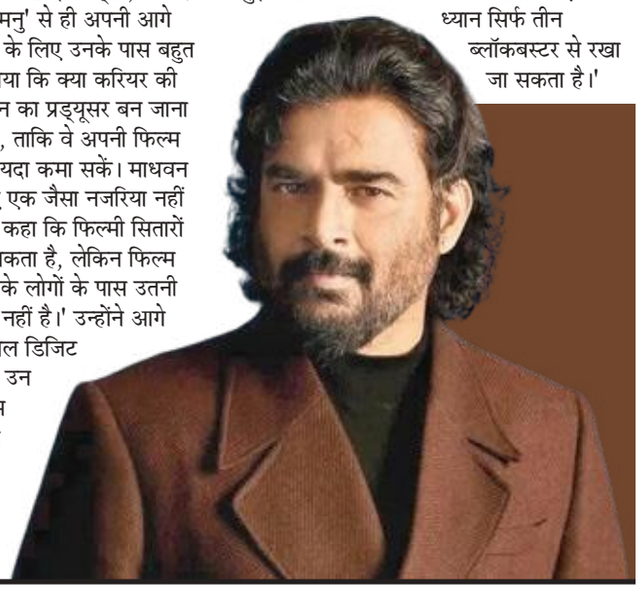

फराह खान के ब्लॉग में ऋषि कपूर की नातिन के आगे दिलीप भी फीके पड़े

फराह खान और उनके कुक दिलीप हाल ही में दिग्गज एक्टर ऋषि कपूर और नीतू सिंह की बेटी और रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर साहनी के दिल्ली स्थित घर गए, जहां उन्होंने अपने बेहद फेमस व्लॉग के नए एपिसोड की शूटिंग की। इस दौरान रिद्धिमा की बेटी समारा भी उनके साथ शामिल हुईं और उन्होंने सबका दिल जीत लिया। परफेक्ट विजुअल फ्रेम्स पर उनकी नजर और खुद को बेबाकी से दिखाने की उनकी कला से हैरान होकर, फराह ने मजाक में कहा कि वह एक दिन बॉलीवुड की बड़ी हीरोइन बनेंगी। फ्रेम में आते ही समारा साहनी ने पूछा कि क्या वह मॉनिटर पर देख सकती हैं कि वह कैसी दिख रही हैं। यह सुनकर फराह खान ने कहा, 'यह लड़की हीरोइन बनेगी।' समारा से फराह ने बहुत बार कहा कि वह बहुत अच्छी लग रही हैं, फराह ने अपनी टीम से कहा, अच्छे से लाइट कर मैडम को। अंडर-आई नहीं आना चाहिए। जब समारा ने दोबारा शूट करने के लिए कहा तो फराह बोलीं, 'हमारा बजट नहीं है दो-दो बार फिल्म करने का।' फराह खान ने मां-बेटी की जोड़ी से हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो के बारे में भी पूछा, जिसमें समारा साहनी रिद्धिमा कपूर और नीतू सिंह के साथ पोज देते हुए मुंह बिचकाती नजर आ रही थीं। रिद्धिमा ने कहा, 'समारा के साथ दिक्कत यह है कि जब भी वह कैमरे के सामने आती हैं, तो 'ब्लू स्टील लुक' देने की कोशिश करती हैं। ऐसा लगता है जैसे वह गुस्से में

पूजा ददलानी की बेटी 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से चमकी किस्मत

आर्यन खान की डायरेक्टेड वेब सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है और इसने व्यूज के मामले में अच्छे-अच्छों को पीछे छोड़ दिया है। 7 एपिसोड की सीरीज बॉलीवुड के ग्लैमर के पीछे और आगे की दुनिया को दिखाती है लेकिन एक मजेदार स्टाइल में। इसमें आसमान सिंह उर्फ लक्ष्य की मैनेजर का किरदार आन्या सिंह ने निभाया, जिन्हें लोगों ने खूब पसंद किया। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि वह कौन हैं। उनका बैकग्राउंड क्या है। आर्यन खान की इस सीरीज में आसमान सिंह तीन फिल्मों के कॉन्ट्रैक्ट के बीच फंसा रहता है। किसी की फिल्म वह करना चाहता है और किसी की नहीं। अब ऐसा ही कुछ हाल आन्या सिंह की असल जिंदगी का रहा था। उन्हें 2016 में यशराज फिल्म ने एक फ्रेश फेस के तौर पर लॉन्च किया था और उन्हें तीन फिल्मों के लिए साइन कर लिया था। फिर साल 2017 में आदर जैन के साथ वह 'कैदी बैंड' में नजर आईं, जो कि उनकी डेब्यू मूवी थी। लेकिन ये बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई। इसके बाद बाकी के दो प्रोजेक्ट्स कभी पूरे नहीं हुए। आन्या सिंह करीब एक दशक तक इंडस्ट्री में एक्टिव तो रहीं लेकिन अच्छा काम नहीं मिला। 'खो गए हम कहां' और 'स्त्री 2' में छोटे-छोटे रोल्स किए और फिर आर्यन खान ने उन्हें अच्छा खासा स्क्रीन स्पेस दिया और वह छा गईं। उनका जन्म दिल्ली में हुआ है और उनका सेलेक्शन कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा ने किया था, जिन्होंने एक्ट्रेस को चंडीगढ़ और दिल्ली में नए टैलेंट की तलाश के दौरान देखा था।

सिनेमा की दुनिया को बड़ा झटका

दिग्गज इटालियन एक्ट्रेस क्लाउडिया कार्डिनले का 87 साल की उम्र में निधन

क्लाउडिया कार्डिनाले, 1960- 1970 के समय की प्रसिद्ध इटालियन एक्ट्रेस, का 87 वर्ष की उम्र में नेमूर, फ्रांस में निधन हो गया। उन्होंने 17 tui में अभिनय शुरू किया और कई फिल्मों में काम किया। '8' से उन्हें खास पहचान मिली। उन्होंने विभिन्न किरदार निभाए और कहा जाता है कि पर्दे पर 150 से अधिक महिलाओं की भूमिका की । उन्होंने हॉलीवुड और यूरोप के बड़े डाइरेक्टर्स के साथ काम किया और

पुरस्कार जीते। दिग्गज इटालियन एक्ट्रेस क्लाउडिया कार्डिनले का निधन हो गया है। 100 से अधकि फिल्मों और शोज में काम कर चुकीं एक्ट्रेस ने मंगलवार को 87 साल की उम्र में आखरी सांस ली। क्लाउडिया 1960 और 1970 के दशक की सबसे मशहूर यूरोपियन एक्ट्रेस रही हैं। उन्हें 1963 में फेडेरिको फेलिनी की फिल्म '8' से पॉपुलैरिटी मिली थी, जिसमें उनके साथ मार्सेलो मास्ट्रोयानी लीड रोल में थे। 'एएफपी' की रिपोर्ट के मुताबिक, क्लाउडिया का निधन फ्रांस के नेमूर शहर में हुआ, जहां उनके बच्चे भी साथ थे।

यूज़ और अब्यूज़ किए जाने पर बोले रजत बेदी

बताया- 'कोई मिल गया था' के दौरान क्या हुआ था

आर्यन खान के निर्देशन में बनी पहली फिल्म 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में रजत बेदी ने इंडस्ट्री और बिजनेस में उन्हें यूज और अब्यूज किए जाने को लेकर बातें कीं। उन्होंने बताया कि जब वो 18 साल के थे तब उन्होंने एक बच्चे के तौर पर शाहरुख खान के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी और आज उनके बेटे ने आर्यन के साथ शुरुआत की है। आर्यन खान के निर्देशन में बनी पहली फिल्म 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में अपने कैमियो से सुर्खियां बटोर रहे रजत बेदी ने इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने अपने मॉडलिंग के दिनों को याद किया करते हुए ऐश्वर्या राय और सुष्मिता सेन के साथ बिताए दिनों का किस्सा सुनाया। इसी के साथ उन्होंने बताया कि शाहरुख के साथ उनका रिश्ता 'जमाना दीवाना' (1995) के सेट पर शुरू हुआ था।

रजत ने खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (केआईएफएफ) में याद करते हुए कहा, 'शाहरुख के साथ मेरा रिश्ता उस फिल्म से शुरू हुआ। इसके बाद, मैं मॉडलिंग में आ गया और ग्लैडरैग्स मॉडलिंग कॉम्पिटिशन का फर्स्ट टाइटल होल्डर बना। मैं वर्ल्ड फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया गया था। ये वही साल था जब सुष्मिता सेन और ऐश्वर्या राय मिस वर्ल्ड के लिए गई थीं। मुझे वहां तीसरा पोजिशन मिला था, और जब मैं वापस आया तो मैंने ऐश्वर्या और सुष्मिता के साथ जश्न मनाया था।'

एक्टर ने शोबिज में वापसी के पीछे के स्ट्रगल के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि फिल्मों और बिजनेस में उन्हें यूज़ और अब्यूज़ किया गया। उन्हें ऋतिक रोशन-प्रीति जिंटा के साथ कोई मिल गया के प्रमोशन से बाहर रखा गया। बरसों की कोशिशों के बावजूद उन्हें पीछे छोड़ दिया गया। रजत ने कहा, 'मुझे इस्तेमाल किया गया, मेरे साथ दुर्व्यवहार किया गया और मुझे पीछे छोड़ दिया गया, खासकर मेरे काम में। मुझे लोगों पर भरोसा करने के नुकसान भुगतना पड़ा। ये सब कनाडा में हुआ। मैं एक रियल एस्टेट डेवलपर और एक एक्टर था।

अमृता राव 'इश्क विश्क' के बाद हुईं बॉलीवुड पॉलिटिक्स की शिकार

बताया मैग्जीन के कवर पर फेमस एक्टर्स ने कर दिया रिप्लेस

एक्ट्रेस अमृता राव ने शाहिद कपूर से था साल 2003 में फिल्म 'इश्क विश्क' से एक्टिंग डेब्यू किया था। इसे केन घोष ने डायरेक्ट किया था और फिल्म हिट हुई थी। जिसके बाद दोनों एक्टर्स रातोंरात स्टार बन गए थे। हालांकि एक्ट्रेस ने बताया कि इसकी सफलता के बावजूद वह बॉलीवुड पॉलिटिक्स का शिकार हो गई थीं। उन्हें एक मैग्जीन के कवर पेज से फेमस एक्टर्स-एक्ट्रेस के कारण फोटोशॉप कर दिया गया था। अमृता राव ने रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में बताया, 'मुझे याद है कि जब इश्क विश्क रिलीज हुई थी, तब शाहिद औ मैंने फेस ऑफ द ईयर, द सुपरस्टार ऑफ टुमॉरो या ऐसा ही कुछ अवॉर्ड जीता था। उस मैग्जीन के कव पेज के लिए फोटोशूट हुआ था। मैं अवॉर्ड लेकर बैठी थी और पीछे शाहिद अपने अवॉर्ड के साथ खड़े थे। दोनों तरफ दो सुपरस्टार एक्ट्रेसेस भी बैठी थीं। एक और बहुत ही फेमस एक्टर और एक एक्ट्रेस भी उस फ्रेम में थे। कवर पेज का लेआउट कुछ ऐसा था।'

अब अमृता ने आगे बताया, 'हम सभी बहुत खुश और एक्साइटेड थे। मैं सोच रही थी कि मेरा पहला कवर होगा। मगर जब वो प्रिंट होकर आया तो देखा कि सब फोटोशॉप किया हुआ था। मुझे बैकग्रांइड में चिपका दिया था। और सामने कोई और ही था। वो कवर, वैसा नहीं दिखने वाला था वैसे भी ऐसी चीजें पहले भी हो चुकी हैं। इसके अलावा, बहुत सी चीजें और हुई होंगी, जिसके बारे में मैं नहीं जानती होंगी।'

तान्या मित्तल ने एक बार फिर से बघारी अपनी शेखी

बिग बॉस 19' में तान्या मित्तल ने एक बार फिर से अपनी शेखी बघारी है। घरवाले भले उनकी बातों का मजाक बनाए लेकिन उन्होंने उस पर फुलस्टॉप नहीं लगाया है। उन्होंने नीलम को अपने कॉफी और दाल के बारे में बताया है। जिसे सुनकर भोजपुरी एक्ट्रेस खुद बोलीं कि जाने दो किसी को मत बताना। क्योंकि ये बहुत ज्यादा है। तान्या मित्तल ने नीलम को बताया, 'यहां के लोगों को तो कुछ नहीं पता। मैं डाउन टू अर्थ होने का नाटक करती हूं। कॉफी पीने पता है मैं कैसे जाती हूं, ग्वालियर से आगरा से कॉफ खरीदकर... कॉफी पीयूंगी नहीं, वो कॉफी एकदम ठंडी होनी चाहिए, एक आईस बॉक्स साथ में चलेगा, कॉफी उसमें रखी जाएगी। फिर ताजमहल के पीछे एक गार्डन है, वहां एक कुर्सी है। मैं उसी कुर्सी पर बैठकर कॉफी पीऊंगी। इसलिए अगर मुझे महीने में तीन कोल्ड कॉफी पीनी है तो ये पूरा ठठराज चाहिए मुझे।' तान्या ने आगे कहा, 'यहां पर इतनी सी बात को लोग शो ऑफ समझ लेते हैं इसलिए बताया नहीं मैंने।' नीलम बोलीं, 'नहीं बता सकते। ओवर है न...।' फिर तान्या बोलीं कि ये ओवर नहीं है। ये तो बेसिक है उनका। 'ओवर तो तूने सुने ही नहीं हैं।' एक्ट्रेस ने कहा, 'मत बोल।' मगर तान्या ने बताया, 'जैसे वो मेरा बिस्कुट है लंदन से आता है। तो हर दो महीने में लंदन से कोई बिस्कुट लाकर देता है। वरना मैं रोने लग जाती हूं कि बिस्कुट नहीं खाऊंगी, मेरे जीवन में मीठा नहीं है। क्या करूं, क्या करूं। बहुत तमाशे करती हूं मैं।'

अनुपम खेर की 'तन्वी द ग्रेट' ,26 सितंबर को लौट रही है सिनेमाघरों में

प्रशंसित अभिनेता-निर्देशक अनुपम खेर की बहुचर्चित निर्देशित फिल्म, 'तन्वी द ग्रेट, 26 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में वापसी के लिए तैयार है। साहस, समावेशिता और परिवार का एक मार्मिक लेकिन आनंदमय उत्सव, यह फिल्म एक दुर्लभ मनोरंजन के रूप में लौट रही है जिसका आनंद सभी पीढ़ियों के दर्शक एक साथ उठा सकते हैं। अपनी पहली रिलीज़ पर, फिल्म ने पूरे देश में लोगों के दिलों को छुआ और इसे माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी और राज्य के मुख्यमंत्रियों सहित राष्ट्रीय नेताओं के लिए विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया था। 98वें अकादमी पुरस्कारों के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के लिए शीर्ष तीन दावेदारों में से एक के रूप में सम्मानित, 'तन्वी द ग्रेट' ने अपनी अनूठी कहानी और शानदार प्रदर्शन के लिए बहुत सम्मान अर्जित किया। इसके मूल में तन्वी रैना की प्रेरक यात्रा है, जो एक जीवंत ऑटिज्म से पीड़ित युवा लड़की है, जिसे अपने दिवंगत फौजी पिता के सियाचिन ग्लेशियर पर झंडे को सलाम करने के अधूरे सपने का पता चलता है। इसे पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित, वह एक जीवन बदलने वाले मिशन पर निकल पड़ती है जो हंसी, मासूमियत और लचीलेपन का मिश्रण है। 'तन्वी द ग्रेट' को एक पारिवारिक फिल्म के रूप में इसकी सार्वभौमिक अपील से अलग पहचान मिलती है। इसमें एक देशभक्ति की आत्मा है, लेकिन इसे गर्मजोशी, हास्य और आशा के साथ प्रस्तुत किया गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि बच्चे, माता-पिता और दादा-दादी सभी इसे एक साथ देख सकें और प्रेरित होकर बाहर निकलें।